दैनिक
लोकतंत्र वाणी

सम्वत 2081
श्रावण कृष्ण
पक्ष की त्रयोदशी
सूर्यास्त 7:13
सूर्योदय 5:40

गाजियाबाद से प्रकाशित ● लखनऊ ● गौतमबुद्धनगर ● बुलंदशहर ● मेरठ ● बागपत ● हापुड़ ● आगरा ● मथुरा ● कानपुर ● सहारानपुर ● शामली ● बुलंदशहर ● अलीगढ़ ● रायबरेली से एक साथ प्रसारित

सीएम योगी का सपा-कांग्रेस पर हमला, खटाखट करने वालों को सफाचट कर देंगे 05 | चिकित्सा बीमा प्रीमियम टैक्स के खिलाफ गडकरी, वित्त मंत्री को लिखी चिट्ठी 06

■वर्ष 02 ■अंक 321 ■ पेज 08 ■ गाजियाबाद, शुक्रवार, 02 अगस्त, 2024 ■गाजियाबाद संस्करण ■मूल्य 01 रुपये | Email: loktantravani@gmail.com

संक्षिप्त खबरें

भ्रामक विज्ञापनों पर सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आयुष मंत्रालय से कहा कि दवाओं और स्वास्थ्य संबंधी उत्पादों के भ्रामक विज्ञापनों पर दर्ज शिकायतों और उनकी प्रगति को सार्वजनिक करने के लिए डैशबोर्ड बनाए। शीर्ष अदालत ने कहा शिकायतों पर की गई कार्रवाई के संबंध में उचित आंकड़ों की कमी उपभोक्ताओं को असहाय और अंधेरे में छोड़ देती है। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने मंगलवार को यह सुझाव यह देखने के बाद दिया कि ऐसी शिकायतों की प्रगति की निगरानी करने में कई बाधाएं हैं, खासकर जब ऐसी शिकायतें राज्य लाइसेंसिंग अथॉरिटी की ओर से एक राज्य से दूसरे राज्य में भेजी जाती हैं। यह औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के तहत अभियोजन के लिए भी बाधा उत्पन्न करता है क्योंकि ऐसी शिकायतों के मामले में की गई कार्रवाई रिपोर्ट पर कोई आंकड़ा आसानी से उपलब्ध नहीं होता है। शीर्ष अदालत एलोपैथिक चिकित्सा को टारगेट करने वाले भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए पतंजलि आयुर्वेद और इसके प्रमोटरों, बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण के खिलाफ इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की ओर से दायर मामले की सुनवाई कर रही थी। कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई का दायरा बढ़ा दिया है।

प्रशिक्षु आईएएस पूजा खेडकर को बड़ा झटका

नई दिल्ली। पूजा खेडकर पर आरोप लगाया गया कि प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी के रूप में उन सुविधाओं की मांग की, जिनकी वे हकदार नहीं थीं। इसके अलावा उन पर एक वरिष्ठ अधिकारी के चैंबर पर कब्जा करने और अपने पद का बेजां दुरुपयोग करने का भी आरोप है। विवादों में फंसी प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर को बड़ा झटका लगा है। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने पूजा खेडकर की अस्थाई उम्मीदवारी को रद्द कर दिया है। इसके अलावा खेडकर पर भविष्य में होने वाली किसी भी परीक्षा में शामिल होने पर रोक लगाई गई है। आपको बता दें कि यूपीएससी ने इस बात के संकेत पहले ही दे दिए थे। यूपीएससी का कहना था कि अगर पूजा खेडकर पर लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं तो उनक पर कार्रवाई की जाएगी। आपको बता दें कि पूजा खेडकर का तबादला पुणे से वाशिम कर दिया गया था। उन्हें अतिरिक्त सहायक कलेक्टर के रूप में नियुक्ति मिली थी। इसके बाद जिलाधिकारी सुहास दिवसे ने वरिष्ठ अधिकारियों को खेडकर के आचरण के बारे में जानकारी दी थी। पूजा खेडकर पर आरोप लगाया गया कि प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी के रूप में उन सुविधाओं की मांग की, जिनकी वे हकदार नहीं थीं।

केरल : भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 162 हुई

वायनाड। केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 162 हो गई तथा 91 लोग अब भी लापता हैं। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार सुबह मेप्पाडी के वेल्लारीमाला गांव के मुंडक्कई और चूरमाला में भारी बारिश से हुए भीषण भूस्खलन के कारण कुल 191 लोग घायल हो गये। सभी घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा चूरमाला, अट्टामाला और मुंदक्कई और वेल्लारीमाला गांव का अधिकांश हिस्सा भूस्खलन में बह गया। मुंदक्कई पंचायत के सदस्य के बाबू ने कहा, अब भी कई लोगों के मलबे में फंसे होने का संदेह है। इस बीच, सेना और केरल अग्निशमन बल ने घायलों को निकालने और शवों को दुर्घटनास्थल से हटाने के लिए मुंदक्कई को चूरीमाला से जोड़ने के लिए एक अस्थायी पुल का निर्माण किया।

केदारघाटी में तबाही: आपदा पीड़ितों ने सुनाई आपबीती

❖ बताया काली रात का आंखों देखा खौफनाक मंजर

ऊखीमठ (रुद्रप्रयाग): बुधवार रात बादल फटने के बाद आई आपदा के खौफनाक मंजर को देखकर लोग अभी तक दहशत में है। गहरे होते अंधेरे के बीच बादलों की तेज गर्जना और चमकती बिजली के साथ हो रही तेज बारिश से लोगों को अनहोनी का अंदेशा होने लगा था। यात्रा मार्ग पर दुकान चलाने वाले लोगों के साथ ही अन्य स्थानीय लोग जैसे-तैसे भारी बारिश के बीच ही सुरक्षित स्थान पर पहुंचे और अपनी जान बचाई। संवाद न्यूज एजेंसी के संवाददाता विनोद नौटियाल ने इस मंजर के प्रत्यक्षदर्शियों से बात की और उनकी आपबीती सुनी। पेंज गांव के रणजीत सिंह पटवाल ने बताया कि बुधवार 31 जुलाई 2024 की रात कभी नहीं भूल सकता। शाम 7.30 बजे से गौरीकुंड से केदारनाथ के बीच मूसलाधार बारिश होने लगी थी। पलभर के लिए बारिश थमी नहीं। आधा घंटे में ही मंदाकिनी का जलस्तर उफान पर आ गया, तभी लगने लगा था कि कुछ अनहोनी होने वाली है। चोराबाड़ी क्षेत्र से लेकर भैरवनाथ मंदिर व वासुकीताल क्षेत्र की तरफ से आसमान में लगातार बिजली चमक रही थी, जिसकी रोशनी में पलभर के लिए नजर आ रहे गजरते काले बादल डरा रहे थे। सभी लोग अपनी जान बचाने के लिए दुकानों को बंद कर ऊपर जंगल की तरफ भागे। अभी कुछ ही दूर पहुंचे थे कि जोरदार आवाज के साथ कई जगहों से भारी मात्रा में पत्थर व मलबा गिरने की आवाज सुनाई देने लगी। मंदाकिनी नदी का उफान शोर मचाते हुए अंधेरे में तबाही को बयां कर रहा था। रामाबाड़ से करीब एक किमी ऊपर बुग्याललली क्षेत्र में एक गुफा में जैसे-तैसे रात गुजारी। अब जैसे-तैसे कई किमी अतिरिक्त पैदल दूरी तय कर चौमासी पहुंचे हैं।

हाई अलर्ट पर केदारघाटी, यात्रा रोकी, फंसे श्रद्धालुओं का अब हेलिकॉप्टर से भी रेस्क्यू

रुद्रप्रयाग। केदरानाथ पैदल मार्ग पर बादल फटने से मची भारी तबाही के बाद यात्रा को रोक दिया गया है। केदारघाटी में हाईअलर्ट जारी किया गया है। केदारनाथ पैदाल मार्गों पर फंसे श्रद्धालुओं का सुबह से रेस्क्यू जारी है। अब हेलिकॉप्टर से भी रेस्क्यू अभियान शुरू कर दिया गया है। बड़ी लिंचोली में एनडीआरएफ, डीडीआरएफ जवान श्रद्धालुओं को निकालने में जुटे हैं। केदारनाथ पैदल मार्ग से लेकर गौरीकुंड और सोनप्रयाग लिनचोली में आपदा से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। फंसे यात्रियों को हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू किया जा रहा है। सड़क और पैदल मार्ग को क्षतिग्रस्त है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रुद्रप्रयाग में अतिवृष्टि से हुए आपदा प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। इस दौरान वह बचाव व राहत कार्यों की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। केदारनाथ पैदल मार्ग पर जंगलचट्टी से भीमबली के बीच लिंचोली के पास बादल फटने से मंदाकिनी नदी का जलस्तर खतरे के निशाने से ऊपर पहुंच गया है। सुरक्षा को देखते हुए जिला प्रशासन ने देर रात गौरीकुंड और सोनप्रयाग बाजार को खाली करवा दिया। तप्तकुंड और केदारनाथ पैदल मार्ग को करीब 30 मीटर हिस्सा बह गया है। एहतियात के तौर पर 200 लोगों को जीएमवीएन के गेस्ट हाउस और पुलिस चौकी में ठहराया गया है ।गौरीकुंड से सोनप्रयाग के बीच चट्टान रास्ते पर गिरने की भी सूचना है। उधर, टिहरी के घनसाली में भिलंगना ब्लॉक के नौताड़ तोक में एक छोटा होटल ढहने से दंपती भानु व नीलम की मौत हो गई। जबकि गैरसैंण के रोहिड़ा में एक मकान पर मलबा गिरने से एक महिला की मौत हो गई। दूसरी ओर चमोली के बेलचोरी में मकान ढहने से दो लोग लापता हो गए हैं।

दिल्ली कोचिंग सेंटर हादसा: हाईकोर्ट का सवाल

❖ अधिकारी हिरासत में क्यों नहीं? रेवड़ी संस्कृति पर साधा निशाना

नई दिल्ली। दिल्ली के राजेंद्र में कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में तीन छात्रों की मौत के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में डूबकर हुई तीन छात्रों की मौत पर अधिकारियों को फटकार लगाई और कहा कि जब मुफ्तखोरी की संस्कृति के कारण कर संग्रह नहीं होता है तो ऐसी दुर्घटनाएं होती ही रहती हैं ।कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन की अध्यक्षता वाली पीठ ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि एक अजीब जांच चल रही है, जिसमें कार चलाने वाले राहगीर के खिलाफ पुलिस कार्रवाई कर रही है, लेकिन एमसीडी अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। अदालत ने पूछा कि क्या अब तक किसी एमसीडी अफसर को हिरासत में लिया गया है? साथ ही यह भी पूछा कि क्या इस मामले में एमसीडी के अधिकारियों की जांच हुई? अदालत ने कहा कि बहुमंजिला इमारतों को चलने दिया जा रहा है, लेकिन उचित जल निकासी नहीं है। न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि आप मुफ्तखोरी की संस्कृति चाहते हैं, कर संग्रह नहीं करना चाहते, ऐसा होना तय है। अधिकारियों पर कटाक्ष करते हुए अदालत ने कहा कि उन्हें बुनियादी ढांचे का निर्माण करने की जरूरत है, लेकिन वे दिवालिया हैं और वेतन भी नहीं दे सकते। याचिकाकर्ता ट्रस्ट कुटुंब का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता रुद्र विक्रम सिंह ने तर्क दिया कि राजिंदर नगर की घटना नई नहीं है, उन्होंने मुखर्जी नगर और विवेक विहार में आग की घटनाओं का जिक्र किया। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि शहर में पहले आग की घटनाएं हुईं।

हाईकोर्ट से मुस्लिम पक्ष को झटका, मंदिर के पक्ष में सुनाया फैसला

❖ श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद

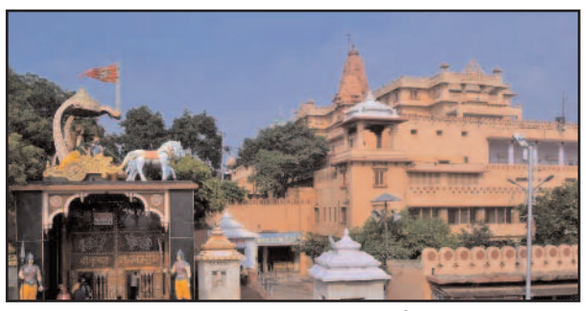

प्रयागराज। मथुरा स्थित कृष्ण जन्मभूमि- शाही ईदगाह विवाद में लंबित 18 सिविल वादों की पोषणीयता पर हिंदू पक्ष को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने कहा कि हिंदू पक्ष की ओर से दाखिल सिविल वाद पोषणीय है। झटके पर झटका खा रही ईदगाह कमेटी हाइकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। मुस्लिम पक्ष की ओर से सभी सिविल वादों की पोषणीयता को लेकर दाखिल याचिका पर न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन अदालत ने दिन प्रतिदिन लंबी सुनवाई की थी। इसके बाद जून में फैसला सुरक्षित कर लिया था। हिंदू पक्ष के सिविल वाद शाही ईदगाह मस्जिद का ढांचा हटाकर जमीन का कब्जा देने और मंदिर का पुनर्निर्माण कराने की मांग को लेकर दायर किए गए हैं। दावा है कि मुगल सम्राट औरंगजेब के समय की शाही ईदगाह मस्जिद का निर्माण भगवान कृष्ण की जन्मस्थली पर बने मंदिर को कथित तौर पर ध्वस्त करने के बाद किया गया है। इसलिए उस विवादित स्थल पर हिंदुओं को पूजा का अधिकार है। वहीं, वादियों की विधिक हैसियत पर सवाल खड़ा करते हुए मुस्लिम पक्ष का कहना है कि श्री कृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट और शाही ईदगाह कमेटी के बीच कोई विवाद नही है। विवाद खड़ा करने वाले पक्षकारों का जन्मभूमि ट्रस्ट और ईदगाह कमेटी से कोई रिश्ता, वास्ता और सरोकार नहीं हैं। इसके अलावा यह भी तर्क दिया है कि ईदगाह स्थल वक्फ की संपत्ति है। 15 अगस्त 1947 को यह मस्जिद कायम थी। पूजा का अधिकार अधिनियम के तहत अब धार्मिक स्थल का स्वरूप बदला नहीं जा सकता। बरहाल, महीनों चली लंबी बहस के बाद गुरुवार को फैसला सुनाते हुए इलाहाबाद हाइकोर्ट ने मुस्लिम पक्षकारों को तगड़ा झटका दिया है।

हिंदू पक्षकारों की दलील

ईदगाह का पूरा ढाई एकड़ एरिया श्रीकृष्ण विराजमान का गर्भगृह है। शाही ईदगाह मस्जिद कमेटी के पास भूमि का कोई ऐसा रेकॉर्ड नहीं है। श्रीकृष्ण मंदिर तोड़कर शाही ईदगाह मस्जिद का निर्माण किया गया है। बिना स्वामित्व अधिकार के वक्फ बोर्ड ने बिना किसी वैध प्रक्रिया के इस भूमि को वक्फ संपत्ति घोषित कर दिया है।

अब नहीं चलेगी मनमानी: कोचिंग सेंटरों के लिए दिल्ली सरकार ला रही नया कानून, छात्र भी दे सकेंगे सुझाव, ईमेल जारी

नई दिल्ली। दिल्ली के राजेंद्र नगर में हुए हादसे के बाद दिल्ली सरकार कोचिंग सेंटरों को नियमित करने के लिए नया कानून लेकर आ रही है। शिक्षा मंत्री आतिशी ने इसकी घोषणा कर दी है। आतिशी ने बताया कि जैसे प्राइवेट स्कूल को एक कानून के तहत रेगुलेट किया जाता है, प्राइवेट अस्पतालों को कानून के तहत रेगुलेट किया जाता है वैसे ही कोचिंग इंस्टिट्यूट को रेगुलेट करने के लिए दिल्ली सरकार कानून लाएगी। आगे कहा कि सभी तरह के कोचिंग इंस्टीट्यूट इसके दायरे में आएंगे। इस कानून के जरिए इंफ्रास्ट्रक्चर, टीचर्स क्वालिफि केशन, फीस रेगुलेशन, मिसलीडिंग विज्ञापन से रोका जाएगा। कोचिंग संस्थानों का रेगुलर इंस्पेक्शन भी किया जाएगा। इसके लिए हम एक कमेटी बनायेंगे। जिसमें अधिकारियों के अलावा कोचिंग संस्थानों के स्टूडेंट्स को भी शामिल किया जाएगा। दिल्ली मंत्री और आप नेता आतिशी ने कहा कि दो महत्वपूर्ण चीजे सामने आई हैं, पहला है कि जो नाले उस क्षेत्र में जलभराव के लिए जिम्मेदार थे। उस पर वहां के सारे कोचिंग सेंटर ने अतिक्रमण किया हुआ था। जिसकी वजह से नाले से पानी नहीं निकल पा रहा था। वहीं दूसरा ये है कि बेसमेंट में क्लास और लाइब्रेरी चल रही थी वो सौ फीसदी गैर कानूनी था। बेसमेंट का प्रयोग पार्किंग और स्टोरेज के लिए किया जा सकता था। प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर एमसीडी ने कार्रवाई शुरू की। जो जेई जिम्मेदार था उसे एमसीडी से बर्खास्त कर दिया है। एई को तुरंत सस्पेंड कर दिया गया है। मैं आपको भरोसा दिलाना चाहती हूं कि जैसे ही पूरी जांच रिपोर्ट सामने आएगी और इन अधिकारियों के अलावा भी कोई भी अधिकारी शामिल हुआ। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

छह महीने में कैंसर की 20 नई दवाएं

❖ तीन लाख रुपये तक की एक डोज

लखनऊ। सिर-गले, स्तन, फेफड़े, लिम्फोमा (लसीका तंत्र से जुड़ा कैंसर) और मूत्राशय के कैंसर के इलाज में उपयोग की जाने वाली पेंड्रालिजुमैब दवाई की महीने भर की खुराक 3,70,000 रुपये में आती है। दो-तीन महीने के इलाज में ही दवाओं का खर्च 10 लाख रुपये का आंकड़ा पार कर जाता है। पेट, फेफड़े और आहार नली के कैंसर में इम्यूनोथेरेपी में अन्य दवाओं के साथ उपयोग में लाए जाने वाले रैमुसिरुमैब इंजेक्शन 21 दिन में एक बार लगाया जाता है। मरीज की स्थिति के हिसाब से इसकी तीन से लेकर छह या इससे भी ज्यादा खुराक दी जाती है। इसकी एक डोज की कीमत करीब तीन लाख रुपये है। ब्रेस्ट कैंसर के रोगियों को पटूर्जुमैब इंजेक्शन हर 21 दिन के अंतराल पर एक साल के लिए दिया जाता है। इसके एक डोज की कीमत 1,35,000 रुपये आती है। ऐसे में इसका कुल खर्च 25 लाख के पार पहुंच जाता है कैंसर के इलाज के लिए जल्दी-जल्दी नई दवाएं आ रही हैं। पेटेंट की वजह से इनकी कीमत आसमान छू रही हैं। नई दवाएं ज्यादा कारगर हैं, लेकिन इनका खर्च 15 हजार रुपये प्रतिदिन तक पहुंच रहा है। ऐसे में कैंसर रोगियों के लिए इलाज कराना काफी मुश्किल हो जाता है। पिछले छह महीने में ही कैंसर की 20 से ज्यादा नई दवाएं आ चुकी हैं। भारत ही नहीं, दुनिया भर में कैंसर के मरीज काफी तेजी से बढ़ रहे हैं। इसकी वजह से दवा कंपनियां नई दवाओं की खोज में काफी बजट खर्च कर रही हैं। नई दवा के विकास में काफी पैसा खर्च होता है और समय भी लगता है। ऐसे में जब भी कोई नई दवा आती है, तो कंपनी उसका पेटेंट हासिल करके अपने खर्च की भरपाई के साथ ही भरपूर लाभ कमाती है। पेटेंट की अवधि समाप्त होने के बाद उस दवाई का जेनेरिक वर्जन बाजार में आता है। इसके बाद ही वह दवा सस्ती हो पाती है।

हमास प्रमुख हानिया की हत्या को लेकर ईरान के सुप्रीम लीडर खामनेई की चेतावनी

❖ इस्राइल को मिलेगी सख्त सजा

तेहरान। तेहरान में हमास प्रमुख इस्माइल हानिया की हत्या को लेकर ईरान के सर्वोच्च नेता अयातोल्ला खामनेई ने इस्त्राइल को चेतावनी जारी की है। खामनेई ने कहा है कि ईरान हमास की राजनीतिक शाखा के प्रमुख की तेहरान में हत्या का बदला लेगा। उन्होंने कहा कि इस्त्राइल ने खुद ही अपने लिए सख्त सजा का रास्ता बनाया है। ईरान के सबसे बड़े नेता ने आगे कहा, आपराधिक और आतंकी यहूदी शासन ने हमारे घर पर ही एक मेहमान को शहीद कर दिया। इससे हमें बेहद तकलीफ हुई है। लेकिन इससे उसने अपने लिए सख्त सजा की पृष्ठभूमि तैयार कर ली है। उन्होंने कहा कि हानिया को कभी भी शहादत से डर नहीं लगा और वह अपने जीवन में हमेशा यही चाहते थे। लेकिन यह कड़वी और कठिन घटना, जो कि ईरान की जमीं पर हुई, इसकी वजह से हम उनकी शहादत का बदला लेना अपनी जिम्मेदारी समझते हैं। खामनेई ने हानिया और उनकी सुरक्षा में तैनात बॉडीगार्ड की मौत पर संवेदना प्रकट की। गौरतलब है कि इस्माइल हानिया की बुधवार सुबह ही तेहरान में एक हमले में मौत हो गई। इस घटना के बाद हमास ने आरोप लगाया कि इस्त्राइल ने एयरस्ट्राइक में इस्माइल हानिया को मारा है। इस बीच ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने कहा कि तेहरान अपनी स्वायत्ता और सम्मान को बचाने के लिए वह सब करेगा जो जरूरी है। उन्होंने कहा कि ईरान और फलस्तीन के बीच संबंध पहले से भी ज्यादा मजबूत होंगे। उन्होंने कहा कि आज हम फलस्तीन के बहादुर नेता के निधन के बाद हम उसके दुख के साथ खड़े हैं। कल मैंने उनका विजयी हाथ उठाया था और आज मुझे उन्हें अपने कंधे पर ले जाकर दफनाना होगा। उन्होंने कहा कि ईरान अपनी स्वायत्ता, सम्मान और गर्व की रक्षा करेगा और आर्तकियों को उनके डरपोक कामों के लिए अफसोस करवाएगा।

भूस्खलन : जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण की उपेक्षा से वायनाड में विनाशकारी भूस्खलन

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्ययन में खुलासा

नई दिल्ली। केरल के वायनाड जिले के पहाड़ी इलाकों में मंगलवार को भारी बारिश के कारण हुई भूस्खलन की घटनाओं मे कम से कम 123 लोगों की मौत हो गई। जबकि 128 अन्य घायल हो गए। मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र की ओर से पिछले साल जारी भूस्खलन के मानचित्र के मुताबिक देश के तीस सबसे अधिक भूस्खलन वाले जिलों में से 10 केरल में हैं। जिसमें वायनाड 13वें स्थान पर है। इसमें कहा गया कि पश्चिमी घाट और कोंकण पहाड़ियों (तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र) में 0.09 मिलियन वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में भूस्खलन का खतरा है। इसमें कहा गया, बहुत अधिक जनसंख्या के कारण पश्चिमी घाट के निवासियों के घरों का घनत्व अधिक महत्वपूर्ण है, खासकर केरल में। स्प्रिंगर की ओर से प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है कि केरल में सभी भूस्खलन वाले संवेदनशील केंद्र पश्चिमी घाट क्षेत्र और इडुक्की, एनार्कुलम, कोट्टायम, वायनाड, कोझिकोड और मलप्पुरम जिलों में केंद्रित थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि केरल में कुल भूस्खलन का 59 फीसदी वृक्षारोपण वाले क्षेत्रों में हुआ। वायनाड में घटते वन क्षेत्र पर 2022 में भी एक अध्ययन किया गया था, जिससे पता चला था कि 1950 और 2018 के बीच जिले में 62 फीसदी जंगल गायब हो गए। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल एंड पब्लिक हेल्थ में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया कि वायनाड के कुल क्षेत्र के करीब 85 फीसदी हिस्से में 1950 के दशक में वन क्षेत्र था। वैज्ञानिकों के मुताबिक, जलवायु परिवर्तन से पश्चिमी घाट में भूस्खलन की संभावना बढ़ रही है। यह दुनिया के जैव विविधता के आठ सबसे गर्म हॉटस्पॉट है। कोचीन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (सीयूएसएटी) के एडवांस्ड सेंटर फॉर एटमॉस्फेरिक रडार रिसर्च के निदेशक एस. अभिलाष ने बताया कि अरब सागर के गर्म होने से गहरे बादल बन रहे हैं, जिससे केरल में कम समय में अत्यधिक भारी बारिश हो रही है और भूस्खलन की संभावना बढ़ रही है। उन्होंने कहा, हमारे शोध में पाया गया कि दक्षिण पूर्व अरब सागर गर्म हो रहा है, जिससे केरल सहित इस क्षेत्र के ऊपर का वायुमंडल अस्थिर हो गया है। यह वायुमंडल की अस्थिरता गहरे बादलों को बनने देती है।

प्रीति सूदन संभालेंगी यूपीएससी अध्यक्ष का पदभार

नई दिल्ली। आईएएस अधिकारी और केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव प्रीति सूदन संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालेंगी। प्रीति सूदन ने खुद एएनआई से पुष्टि की है कि वह संविधान के अनुच्छेद 316 ए के तहत 1 अगस्त को कार्यभार संभालेंगी। श्रीमती प्रीति सूदन एपी कैडर से 1983 बैच की आईएएस अधिकारी हैं, जो जुलाई, 2020 में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव के पद से सेवानिवृत्त हुईं। उन्होंने खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग और महिला एवं बाल विकास तथा रक्षा मंत्रालय में सचिव के रूप में भी कार्य किया। श्रीमती प्रीति सूदन एलएसई से अर्थशास्त्र में एम.फिल और सामाजिक नीति और योजना में एमएससी हैं। उन्होंने राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग, संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवर आयोग और ई-सिगरेट पर प्रतिबंध पर कानून के अलावा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और आयुष्मान भारत सहित भारत के दो प्रमुख प्रमुख कार्यक्रम शुरू किए हैं। यूपीएससी वेबसाइट पर उनकी प्रोफाइल में लिखा है, वह विश्व बैंक की सलाहकार भी थीं। उन्होंने तंबाकू नियंत्रण पर फ्रेमवर्क कन्वेंशन के सीओपी-8 के अध्यक्ष, मातृ, नवजात और बाल स्वास्थ्य के लिए साझेदारी के उपाध्यक्ष, वैश्विक डिजिटल स्वास्थ्य साझेदारी के अध्यक्ष के रूप में और महामारी की तैयारी और प्रतिक्रिया के लिए हल्ड के स्वतंत्र पैनल के सदस्य के रूप में कार्य किया। 2022 में, पूर्व आईएएस अधिकारी प्रीति सूदन ने सदस्य के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ ली।

जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने किया डा0 अम्बेडकर पुस्तकालय एवं प्रशासनिक भवन का शिलान्यास

❖ रीति–रिवाजों के साथ हवन–पूजा कर किया शिलान्यास, भवन कर किया स्थलीय व सूक्ष्म निरीक्षण

लोकतंत्र वाणी / संवाददाता

गाजियाबाद। जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह द्वारा नगर पालिका परिषद मुरादनगर में निर्मित डा० अम्बेडकर पुस्तकालय एवं प्रशासनिक भवन का शिलान्यास किया गया। शिलान्यास कार्यक्रम में मुख्य रूप से मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोयल, उपजिलाधिकारी मोदीनगर डा० पूजा गुप्ता, नगर पालिका परिषद मुरादनगर अध्यक्षा पति वहाब चौधरी एवं अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मुरादनगर डा० शैलेन्द्र कुमार सिंह एवं अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। जिलाधिकारी द्वारा नगर पालिका परिषद मुरादनगर में निर्मित डा० अम्बेडकर पुस्तकालय एवं प्रशासनिक भवन का शिलान्यास किया गया, रीति–रिवाजों के साथ हवन–पूजा किया गया। इसके पश्चात जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिह द्वारा समस्त अधिकारियों/गणमाण्यों की उपस्थिति में ब्लॉक कार्यालय मुरादनगर का निरीक्षण किया जिसमें पुराने जर्जर मकानों के पुर्ननिर्माण का आदेश खण्ड विकास अधिकारी मुरादनगर को दिया।

हापुड़ में मचा हंगामाः कांवड़ियों पर पत्थर फेंकने और थूकने का आरोप, पुलिस ने संभाला मोर्चा तो बनी बात

लोकतंत्र वाणी / संवाददाता

हापुड़। नगर कोतवाली क्षेत्र के बुलंदशहर रोड पर एक बार फिर माहौल बिगड़ने से बच गया। कांवड़ियों ने अराजकतत्वों पर दो जत्थों पर पत्थर फेंकने और थूकने का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। समय रहते भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे अधिकारियों की तत्परता के कारण स्थिति को संभालकर कांवड़ियों को आगे रवाना कर दिया गया। पुलिस ने पूछताछ के लिए दो आरोपियों को हिरासत में लिया है। धौलाना क्षेत्र के रहने वाले कुछ कांवड़ियां गंगाजल लेकर बुलंदशहर रोड से अपने क्षेत्र की ओर निकल रहे थे। जब वह बड़े मदरसे के पास पहुंचे तो अचानक कहीं से एक कांवड़ पर पत्थर आकर गिरा। जिसके बाद कांवड़ियों ने हंगामा शुरू कर दिया। कांवड़ियों द्वारा बड़े मदरसे पर हंगामा करने की सूचना मिलने पर एसडीएम सदर शुभम श्रीवास्तव और सीओ सिटी वरुण कुमार मिश्रा कोतवाली पुलिस के साथ मौके पर पहुंच गए। जिन्होंने किसी प्रकार मामले की जानकारी करते हुए कांवड़ियों को शांत किया। इस दौरान कुछ कांवड़ियों ने मदरसे में घुसने का भी प्रयास किया। लेकिन पुलिस की सूझबूझ से मामला टल गया। इसके थोड़ी देर बाद ही मोहल्ला तगासराय के कुछ कांवड़ियों सिकंदर गेट होते हुए ब्रजघाट से गंगाजल लेने के लिए जा रहे थे। जब उनका जत्था चुंगी के पास पहुंचा तो कांवड़ियों ने कांवड़ पर थूकने का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। कांवड़ियों की मांग थी कि आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार किया गया। सूचना पर एसपी ज्ञानंजय सिंह, एएसपी विनीत भटनागर भी मौके पर पहुंच गए और सडक किनारे बैठ गए कांवड़ियों को समझा बुझाकर शांत किया और ब्रजघाट के लिए रवाना किया। एएसपी विनीत भटनागर ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है, दो लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में भी लिया गया है। मामले को पूरी तरह से शांत करा दिया गया।

मंगलौर में महंत मछेंद्रनाथ पुरी पर हुआ जानलेवा हमला, सिर में लगे सात टांके

गाजियाबाद। नंदग्राम क्षेत्र स्थित हिंडन विहार के बालाजी धाम के महंत मच्छेंद्रनाथ पुरी और उनके शिष्यों पर 28 जुलाई को हरिद्वार के मंगलौर में जानलेवा हमला होने का मामला सामने आया है। मच्छेंद्रनाथ पुरी ने बताया कि उन्होंने मंगलौर में स्थानीय थाने में शिकायत दी लेकिन, कोई कार्रवाई नहीं हुई तो उन्होंने व्हाट्सएप से अपने शिष्य से नंदग्राम थाने में शिकायत दर्ज कराई। मामले में नंदग्राम थाने में नए कानून के तहत जीरो एफआईआर दर्ज की गई है। मच्छेंद्रनाथ पुरी ने बताया कि 24 जुलाई को वह अपने शिष्यों के साथ हरिद्वार जल लेने गए थे। वहां से लौटते समय 28 जुलाई को जब वे मंगलौर पहुंचे तो वहां पहले उन पर हमले की तैयारी करके बैठे मेरठ के परतापुर निवासी चौधरी डीजे के संचालक शहजाद व 40-50 लोगों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में उनके सिर में गंभीर चोटें आई हैं। सिर में सात टांके लगे हैं। शिष्य हार्दिक पुरी के कंधे में चाकू लगा है और चिराग के सिर में चोट आई है। उनकी एक आंख की रोशनी भी चली गई है। उनका कहना है कि वह किसी तरह से वहां से बचकर निकले और पुलिस के पास पहुंचे लेकिन, पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद उन्होंने नंदग्राम थाने में अपने शिष्य के माध्यम से शिकायत भेजी। एसीपी रवि कुमार सिंह का कहना है कि जीरो एफआईआर दर्ज कर ली गई है। मामले में पीड़ित के बयान दर्ज कर संबंधित थाने में ट्रांसफर कर दिया जाएगा।

वायनाड भेजे तीन खोजी कुत्ते और बेली ब्रिज

साहिबाबाद। केरल के वायनाड में भूस्खलन होने के बाद भारतीय वायुसेना का राहत और बचाव कार्य जारी है। हिंडन वायुसेना स्टेशन से सी-17 ग्लोबमास्टर में बेली ब्रिज और तीन खोजी कुत्तों को वायनाड भेजा गया। मुख्यालय से हिंडन स्टेशन को अलर्ट मोड पर रहने के लिए कहा गया है। वायनाड में भूस्खलन होने से अब तक 165 लोगों की मौत और 200 से ज्यादा लापता हैं। वायुसेना वायनाड में जगह-जगह फंसे एक हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित जगह भेजा गया है। सेना और एनडीआरएफ के जवान लगातार अभियान चलाकर लोगों की मदद कर रहे हैं। इसी बीच सी-17 ग्लोबमास्टर से भारतीय वायुसेना के जवानों ने हिंडन एयरबेस से तीन खोजी कुत्ते और एक बेली ब्रिज लेकर उड़ान भरी। इन कुत्तों की मदद से मलबे में फंसे लोगों को ढूंढकर निकाला जाएगा जबकि, बेली ब्रिज को नदी और गहरे पानी के पास रखकर लोगों को एक जगह से दूसरी जगह भेजा जाएगा।

ट्रेडिंग की दुकान में फायरिंग कर नकदी, फोन लूटा, एक गिरफ्तार

इंदिरापुरम। वसुंधरा सेक्टर-एक में मंगलवार शाम तीन बदमाशों ने ट्रेडिंग व्यापारी विकास शर्मा और मैनेजर विष्णु पर हमला कर दिया। विरोध पर बदमाशों ने फायरिंग कर नकदी, लैपटॉप, गाड़ी की चाबी व चार फोन लूट लिए। व्यापारी ने शोर मचाकर लोगों की मदद से एक बदमाश को घेर लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एक बदमाश को दबोच लिया। पुलिस ने उसके पास से नकदी, तमंचा और दो फोन बरामद किए हैं। व्यापारी विकास शर्मा ने शिकायत दी कि वह किसी काम से बाहर गए थे। शाम के समय अंकित सक्सेना नाम का युवक लोअर टीशर्ट बेचने के बहाने उनकी ट्रेडिंग की दुकान पर पहुंचा। अंकित से उनकी मुलाकात जमीनी विवाद में जेल जाने के दौरान अंदर हुई थी, रात नौ बजे जब वह दुकान पर पहुंचे तो मैनेजर विष्णु से अपने और अंकित के लिए चाय लाने के लिए कहा। तभी सतीश और विजय नाम के दो युवकों के साथ अंकित सक्सेना उन्हें धमकी देकर कमरे में ले गया। वहां विष्णु और उनकी हथियार के बल पर पिटाई की। विरोध पर विष्णु के सिर पर तमंचे की बट मार दी।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना को गत्तिशील करने के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक

लोकतंत्र वाणी / संवाददाता

गाजियाबाद। मुख्य विकास अधिकारी, अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में विकास भवन के दुर्गावती देवी सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित आत्म निर्भर भारत अभियान के अन्तर्गत संचालित प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना को गत्तिशील करने के सम्बन्ध में अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग उ०प्र० शासन एवं निदेशालय के निदेर्शानुसार जिला उद्यान अधिकारी, निधि सिंह ने अवगत कराया कि जनपद में योजना की गति बहुत धीमी है और वर्ष 2024-25 के ऋण प्रस्तावकों एवं लाभार्थियों के 419 लक्ष्यों की पूर्ति हेतु योजना को गतिशील करने हेतु बैठक आयोजित की गयी है। बैठक की समीक्षा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी, ने जिला उद्यान अधिकारी और जिला अग्रणी प्रबन्धक केनरा बैंक को निर्देशित किया कि जिला रिसोस पर्सन द्वारा बैंकों में प्रस्तुत लम्बित प्रस्तावों का अपने स्तर से कमियों का निराकरण कराते हुए बैंकों को प्रस्ताव भेजे जाये और बैंक प्रबन्धकों के साथ बैठक कर लम्बित प्रस्तावों का निराकरण कराये। जिला उद्यान अधिकारी द्वारा लम्बित प्रस्तावों के बारे में बैंक वार अवगत कराया। बैठक में निदेशालय लखनऊ से आये सैफुर्रहमान परियोजना प्रबन्धक ने भी योजना के सम्बन्ध में अपने विचार व्यक्त किये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सभी बैंक प्रबन्धकों को निर्देशित किया कि PMFME योजना भी भारत सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं में से है। आप सभी ऋण प्रस्तावों के ऋणों को अन्य बडी योजनाओं की भांति स्वीकृति प्रदान करें। बैठक में जिला उद्यान अधिकारी निधि सिंह और परियोजना प्रबन्धक मौ० सैफुर्रहमान के अलवा जिला अग्रणी प्रबन्धक केनरा बैंक बुधराम, सम्बन्धित बैंकों के प्रबन्धक उद्यमी और जनपद में क्रियाशील जिला रिसोर्स पर्सन्स और उद्यान विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक का संचालन जिला उद्यान अधिकारी, निधि सिंह ने किया।

गाजियाबाद की बेटी समा चौधरी ने किया अपने गांव नहाल का नाम रोशन

लोकतंत्र वाणी / संवाददाता

गाजियाबाद / मसूरी। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में लगभग 2 महीने की ट्रेनिंग पुरी करने के बाद क्लास में टॉप आकर अपने गांव नहाल लौट चुकी है। आपको बता दें लखनऊ के ऋ्रअ अकादमी में रहकर बेहतर परफॉर्मेंस किया है। आपको बता दें शमा चौधरी ने ग्रेजुएशन के बाद अप्लाई किया जिसमे तीन इंटरव्यू ऑनलाइन घर से दिये तीनो इंटरव्यू में सेलेक्ट होने के बाद शमा चौधरी का नाम लिस्ट में आने के बाद लखनऊ एकेडमी बुला लिया गया। एकेडमी में रहने और खाने की सुविधा मोहय्या कराई गई। इसके बाद 2 महीने की कड़ी मेहनत के साथ ट्रेनिंग कराई गई ट्रेनिंग करने के पश्चात एक एग्जाम भी कराया गया इस एग्जाम में एकेडमी में भारत के अन्य राज्यों से 400 बच्चों का सिलेक्शन हुआ था। उन्होंने भी इस एग्जाम में हिस्सा लिया जिसमें शमा चौधरी व ट्रेनिंग साथियों ने भी अच्छा परचम लहराया ।अपने-अपने जिले का नाम रोशन किया। पास होने वाले छात्र-छात्राओं को सर्टिफिकेट देकर भी सम्मानित किया गया। शमा चौधरी से बात करने पर पता चला कि एकेडमी में रहने वाले सभी छात्र-छात्राओं के रहने खाने एवं ट्रेनिंग के साथ साथ बहुत ही अच्छा व्यवहार वहां के टीचर द्वारा किया जाता हैं। एकेडमी बहुत अच्छे तरीके से वहां रहने वाले सभी छात्राओं की बहुत अच्छे से देख रेख भी करता है। जिससे वहा रहने वाले सभी छात्र-छात्राओ ने एकेडमी एवं वहाँ के स्टाफ को दिल से धन्यवाद किया। सभी के घर लौट आने के बाद उनके दी गई लोकेशन पर एक केंद्र खोला जाएगा जिसमें गरीब बच्चे देश का भविष्य बन सकेंगे और इस शिक्षा को मुफ्त में ले सकेंगे, जिसकी तैयारी गाजियाबाद जिले की लोकेशन पर एक कंप्यूटर ट्रेनिंग सेंटर खोला जाएगा जिसमें बच्चों को बेच द्वारा कंप्यूटर से संबंधित पढ़ाई और इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स कराया जाएगा जिससे अलग-अलग समय में बेच मैनेज किये जाएंगे। कोचिंग सेंटर में मुफ्त में आपको कंप्यूटर पर्सनालिटी डेवलपमेंट का कोर्स भी कराया जाएगा उसके बाद कोचिंग सेंटर में कोर्स कंप्लीट करने के बाद आपको सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा ।फिलहाल गाजियाबाद लोकेशन कोचिंग सेंटर की जिम्मेदारी शमा चौधरी संभालेंगी। अपनी 2 महीने कि कड़ी ट्रेनिंग पूरी करने के बाद नाहल गांव लौटने पर शमा चौधरी के बेहतर परफॉर्मेंस से परिवार जनो में बेहद खुशी की लहर है।

श्रीमहंत नारायणगिरि जी महाराज ने किया दूधेश्वर महादेव के महात्मय का गुणगान

लोकतंत्र वाणी / संवाददाता

गाजियाबाद। दूधेश्वर पीठाधीश्वर श्रीमहंत नारायणगिरि जी महाराज ने सभी शिव भक्तों एवं समस्त विश्व की जनता को श्रावण मास की शिव रात्रि की शुभकामनाऐं देते हुए भगवान दूधेश्वरनाथ से सभी के लिए मंगल कामना की। इस अवसर पर श्रीमहंत नारायणगिरि जी महाराज ने बताया कि प्रभू दूधेश्वर महादेव जी के इतिहास एवं महात्म्य के बारे में जितना गुणवान किया जाए उतना कम है। जगत पिता, विश्व पिता, सम्पूर्ण ब्रह्माण के स्वामी, देवों के देव महादेव, सम्राट महादेव हैं, मेरे शब्द कोष में प्रभू के महात्म्य के गुणवान करने के लिए शब्द पर्याप्त नहीं है।

श्रीमहंत नारायणगिरि जी महाराज ने कहा दूधेश्वर महादेव मठ के महान सिद्ध संतों में अलौकिक संत गरीबगिरि जी महाराज, तपोमूर्ति इलायचीगिरि जी महाराज, सिद्ध बाबा गुजरानगिरि जी महाराज, सिद्धसंत नारायणगिरि जी महाराज, सिद्ध बाबा कैलाशगिरि जी महाराज, सिद्ध बाबा गंगागिरि जी महाराज, सिद्ध योगी एतबारगिरि जी महाराज, सिद्ध संत बुधगिरि जी महाराज, पूज्य बाबा दौलतगिरि जी महाराज, बंगाली बाबा नित्यानंदगिरि जी महाराज रहे है, जिनसे सम्बंधित कथाओं के कुछ अंशों को दूधेश्वर महादेव इतिहास एवं महात्म्य नामक पुस्तक में प्रकाशित किया गया। इस पुस्तक में दूधेश्वर महादेव पीठ, सिद्ध संतो, श्रीमंहतों और पीठ द्वारा विशेष आयोजनों के बारे में बताया गया है।

श्रीमहंत नारायणगिरि जी महाराज ने बताया कि वे दूधेश्वरपीठ के 16वें श्रीमंहत हैं और उन्हें पीठ का श्रीमंहत उनके गुरू श्रीमहंत रामगिरि जी महाराज द्वारा सन 1986 बनाया गया था। उन्होने बताया कि दूधेश्वरपीठ के प्रथम श्रीमहंत वेणीगिरि जी महाराज, श्रीमहंत सन्ध्यागिरि जी महाराज, श्रीमहंत प्रेमगिरि जी महाराज, श्रीमहंत अधीनगिरि जी महाराज, श्रीमहंत राजगिरि जी महाराज, श्रीमहंत धनीगिरि जी महाराज, श्रीमहंत दयागिरि जी महाराज, श्रीमहंत पलटूगिरि जी महाराज, श्रीमहंत सोमवारगिरि जी महाराज, श्रीमहंत वसंतगिरि जी महाराज, श्रीमहंत निहालगिरि जी महाराज, श्रीमहंत मंगलगिरि जी महाराज, श्रीमहंत शिवगिरि जी महाराज, श्रीमहंत गौरी गिरि जी महाराज सहित उनके गुरू श्रीमहंत रामगिरि जी महाराज 15वें श्रीमहंत रहे। श्रीमहंत नारायणगिरि जी महाराज ने सभी शिवभक्तों हेतु जानकारी दी कि हाजिरी का जल लगातार ही चढ़ाया जा रहा है, वहीं 02 अगस्त 2024 दोपहर 03:36 तक त्रयोदशी का जल व 03:36 के उपरान्त 03 अगस्त 2024 दोपहर 03:00 बजे तक चतुर्दशी/शिवरात्रि का जल चढ़ाया जायेगा। श्रीमहंत नारायणगिरि जी महाराज ने सभी शिव भक्त कांवड़ियों सहित अन्य शिव भक्तों से अनुरोध किया कि वे दूधेश्वर महादेव के नाम के स्मरण के साथ शांतिपूर्वक, श्रद्धाभाव से गंगाजल/जल/दूध चढ़ायें। आपकी सेवा हेतु ही जिला प्रशासन एवं सम्मानित नागरिकों द्वारा समुचित व्यवस्थाऐं की गई हैं। श्रीमहंत नारायणगिरि जी महाराज ने बताया कि श्रावण शिवरात्रि पर 10–15 लाख भक्तों द्वारा जलाभिषेक करने की सम्भावना है। अतः आप सभी सहयोग एवं प्रेम की भावना के साथ श्रावण शिवरात्रि के इस पर्व को सम्पन्न करायें।

महापौर श्रीमती सुनीता दयाल, जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिह मलिक, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने की कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा

❖ सभी विभागों, जनपदवासियों और पत्रकारों द्वारा कांवड़ यात्रा में सहयोग के लिए धन्यवादः जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह

❖ शिव भक्त कांवड़ियों में उत्साहवर्धन करने हेतु करते है पुष्प वर्षा, होती है आनन्द की प्राप्तिः इन्द्र विक्रम सिंह

लोकतंत्र वाणी / संवाददाता

गाजियाबाद। कांवड़ यात्रा एवं पावन पर्व श्रावण शिवरात्रि के मद्देनजर शिवरात्रि से एक दिन पूर्व, महापौर श्रीमती सुनीता दयाल, जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिह मलिक, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल, अपर नगर आयुक्त अरूण सहित अन्य अधिकारियों एवं गणमान्यों द्वारा मेरठ रोड़ तिराहा गाजियाबाद पर व जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह सहित अन्य अधिकारियों द्वारा गंगनहर घाट पर नगर पालिका परिषद मुरादनगर के प्रशासनिक कैम्प में शिव भक्त कांवड़ियों पर कांवड़ यात्रा के दौरान पुष्प वर्षा की। इस दौरान जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह द्वारा पत्रकारों से भी वार्ता की गई। जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि कांवड़ यात्रा के सम्बंध में जनपद गाजियाबाद एक महत्वपूर्ण जनपद है, शिव भक्त कांवड़ियों हरिद्वार से जल लेकर गाजियाबाद आते हैं और लाखों की संख्या में कांवड़ियो दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान सहित अन्य राज्यों में जाते हैं। जनपद गाजियाबाद तक आते–आते कांवड़ियों को थकान, अनिन्द्रा, पैरों में छाले सहित अन्य दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। जिसके लिए हमें अपना जनपद उसी के अनुरूप तैयार करना होता है।

हमने कांवड़ यात्रा शुरू होने से पूर्व ही कांवड़ियों के लिए सुगम राह, साफ–सुथरा वातावरण, जगह–जगह चिकित्सा सुविधाएं, सुरक्षित वातावरण तैयार किया और सिविल डिफेंस, एनजीओ सहित अन्य व्यापारियों/उद्योगपतियों के सहयोग से भोजन एवं पानी की व्यवस्था, जगह–जगह आराम करने हेतु कैम्पों की व्यवस्था की है। गाजियाबादवासी धर्म के क्षेत्र में दिल खोलकर तन–मन–धन से भक्तों की सेवा में लगा रहते हैं। उसी प्रकाश पुलिस विभाग, जिला प्रशासन, नगर निगम, विद्युत विभाग, चिकित्सा विभाग, सिविल डिफेंस, समाजसेवी एनजीओ सहित अन्य के द्वारा भी पूर्ण सहयोग करत हुए कांवड़ यात्रा को सम्पन्न कराने में विशेष योगदान दे रहे हैं। मीडिया बन्धुओं द्वारा जनपदवासियों के हित एवं किसी भी कार्य को सफल एवं सुव्यवस्थित कराने में प्रशासन का पूर्ण सहयोग किया जाता है। मीडिया बन्धु समय–समय पर जिन क्षेत्रों में सुव्यवस्थित तैयारियां नहीं हो रही होती है, उनके बारे में हमें समय से अवगत करा देते है जो कि एक सराहनीय कार्य है।

जिलाधिकारी ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पावन पर्व शिवरात्रि के एक दिन पूर्व पुष्प वर्षा कार्यक्रम का आयोजन किया जाता हैं, जिससे शिव भक्त कांवड़ियों को आगे की यात्रा हेतु उत्साहवर्धन होता है और शिव भक्तों पर पुष्प वर्षा करने से हमें भी आनन्द की अनुभूति होती है। कहा कि पूर्व की वर्षों की अपेक्षा इस वर्ष की तैयारियों अधिक सुव्यवस्थित एवं अच्छी रही। इस दौरान जो भी कमी रह गई होगी उसे आगामी वर्षों में सुधार करते हुए और अधिक सुव्यवस्थित किया जायेगा।

अनियमितताओं के खिलाफ पूरे देश से उठ रही आवाज : गोपाल राय

❖ हम छात्रों और अभिभावकों के साथ खड़े हैं

नई दिल्ली। राव के आईएएस कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में बाढ़ की घटना में 3 यूपीएससी उम्मीदवारों की मौत के बाद दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर में कोचिंग संस्थानों के बाहर विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर, दिल्ली के पर्यावरण मंत्री और आप नेता गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली सरकार प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ चर्चा के लिए तैयार है। गोपाल राय ने कहा कि कोचिंग सेंटरों, उनकी फीस, प्रशासनिक हिस्से और अनियमितताओं के खिलाफ पूरे देश से आवाज उठ रही है। कोचिंग सेंटरों और उनकी फीस, प्रशासनिक हिस्से और अनियमितताओं के खिलाफ पूरे देश से आवाज उठी। आप नेता बोले कि यह स्थिति केवल दिल्ली में ही नहीं बल्कि पूरे देश में है। आप पार्टी एक संयुक्त समिति की मांग करती है जिसमें सभी राजनीतिक दलों, अभिभावकों और छात्रों के साथ-साथ कोचिंग संस्थानों के प्रतिनिधियों का भी प्रतिनिधित्व हो। राष्ट्रीय स्तर पर एक कानून बनाया जाना चाहिए। प्रदर्शनकारियों से मिलने के दिल्ली सरकार के प्रयासों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार और दिल्ली एमसीडी उनके मुद्दों को हल करने के लिए तेजी से निर्णय ले रहे हैं। राय बोले कि सरकार चर्चा के लिए तैयार है। हमने आवश्यक कदम उठाए हैं। सरकार और मेयर मुद्दों को सुलझाने के लिए कदम उठा रहे हैं। पर्यावरण मंत्री ने आगे कहा कि हम छात्रों और अभिभावकों के साथ खड़े हैं। हम पुलिस से छात्रों को शांति से संभालने का अनुरोध करते हैं, क्योंकि वे दुख में हैं। इससे पहले आज, छात्रों के एक प्रतिनिधिमंडल को दिल्ली में अधिकारियों के साथ बैठक के लिए पुलिस बस से एमसीडी आयोग कार्यालय ले जाया गया। एमसीडी के अतिरिक्त आयुक्त तारिक थॉमस ने उन प्रदर्शनकारी छात्रों से बातचीत की, जो 27 जुलाई को ओल्ड राजेंद्र नगर में एक कोचिंग संस्थान के बेसमेंट में बारिश का पानी भर जाने से 3 छात्रों की मौत के खिलाफ भूख हड़ताल पर बैठे थे। प्रदर्शनकारी छात्रों से बात करते हुए, एमसीडी के अतिरिक्त आयुक्त तारिक थॉमस ने कहा, यह हम सभी के लिए और व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए भी विफलता है। अधिकारियों के रूप में यह हमारे लिए विफलता है कि यह घटना हुई। ऐसा नहीं होना चाहिए था। हमें अपना कर्तव्य बेहतर ढंग से निभाना चाहिए था, कोई बहाना नहीं है।

दिल्ली के पुराने राजेंद्र नगर में कोचिंग सेंटर के बाहर प्रदर्शन कर रहे छात्रों को पुलिस ने हटाया

नई दिल्ली। ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित कोचिंग सेंटर में शनिवार शाम हुए हादसे के बाद से छात्र लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। छात्र राजेंद्र नगर और मुखर्जी नगर दोनों ही जगहों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच दिल्ली पुलिस ने राजेंद्र नगर में प्रदर्शनकारी छात्रों को हटा दिया है। साथ ही कुछ छात्रों को पुलिस हिरासत में भी लिया गया है। दरअसल जिले के डीसीपी एम. हर्षवर्धन ने छात्रों से बात कर उनकी सभी मांगों पर विचार किए जाने और एक्शन लिए जाने का भरोसा दिलाते हुए प्रदर्शन खत्म करने की अपील की थी, लेकिन छात्र फिर भी डटे हुए थे। हालांकि अभी भी मौके पर कुछ छात्र डटे हुए हैं। बाकी छात्रों को हटा दिया है। प्रदर्शन कर रहे छात्रों का आरोप है कि यहां पर कोई एमसीडी के कमिश्नर आए थे और उनके आदेश पर हम छात्रों को दिल्ली पुलिस ने यहां से हटा दिया है, लेकिन हमें जब तक न्याय नहीं मिलेगा, तब तक हम यहां से नहीं हटेंगे। फिलहाल मौके पर बीएसएफ अर्ध सैनिक बल के जवानों की तैनाती की गई है। दूसरी तरफ दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने प्रेस वार्ता करते हुए कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि दो महत्वपूर्ण चीजें सामने आई हैं, पहला ये कि जो नाले उस क्षेत्र में जलभराव के लिए जिम्मेदार थे। उस पर वहां के सारे कोचिंग सेंटर ने अतिक्रमण किया हुआ था, जिसकी वजह से नाले से पानी नहीं निकल पा रहा था।

यह हमारी विफलता, अपने कर्तव्य को बेहतर तरीके से निभाना चाहिए था, ओल्ड राजेंद्र नगर हादसे पर एमसीडी

नई दिल्ली। ओल्ड राजेंद्र नगर हादसे ने देशभर को झकझोर दिया। कोचिंग सेंटर में हुई इस घटना ने प्रशासनिक, नगर निगम की लापरवाही उजागर कर दी, जिनकी वजह से कोचिंग सेंटरों में छात्रों की जान के साथ खिलवाड़ हो रहा है। दिल्ली नगर निगम ने बुधवार को घटना को लेकर उसकी तरफ से हुई विफलता को स्वीकार किया है।

एमसीडी के अतिरिक्त आयुक्त तारिक थॉमस ने बुधवार को ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित राव कोचिंग सेंटर में तीन छात्रों की मौत में नगर निकाय की विफलता को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि हादसे से पता चलता है कि भवन निर्माण को लेकर कई गंभीर संरचनात्मक मुद्दे हैं, जिन्हें सामने लाने की आवश्यकता है।

एजेंसी को अपना कर्तव्य निभाना चाहिए

ओल्ड राजेंद्र नगर में प्रदर्शन कर रहे यूपीएससी एस्पिरेंट्स से बातचीत करते हुए वरिष्ठ एमसीडी अधिकारी ने कहा कि इस घटना के लिए कोई बहाना नहीं हो सकता है, एजेंसी को अपना कर्तव्य बेहतर तरीके से निभाना चाहिए था। तारिक थॉमस ने राव आईएएस स्टडी सर्किल के बाहर प्रदर्शन कर रहे छात्रों की चिंताओं पर बात करते हुए कहा कि जैसा आपने कहा, हमारे पास कई संरचनात्मक मुद्दे हैं। इन्हें व्यवस्थित तरीके से सुधारने की आवश्यकता है। यही मेरा समाधान है।

एक छात्र की शिकायत का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि मैं स्वीकार करता हूं कि यह हम सबकी और व्यक्तिगत रूप से मेरी विफलता है। मैं यह दावा नहीं कर रहा हूं कि यह नहीं है, यह अधिकारियों के रूप में हमारी विफलता है।

मैं खुले तौर पर कह रहा हूं कि ऐसा नहीं होना चाहिए था। एक छात्र ने पूछा कि इस घटना में प्रशासन के प्रदर्शन का मूल्यांकन किन मापदंडों पर किया जाना चाहिए? इस पर उन्होंने कहा कि जांच चल रही है, इसे समझने दीजिए। घटना में जो भी जिम्मेदार होगा, उस पर कार्रवाई की जाएगी। मैं स्वीकार करता हूं कि हमें अपना कर्तव्य बेहतर तरीके से निभाना चाहिए था और ऐसा नहीं होना चाहिए था। इसमें कोई बहाना नहीं है। उन्होंने कहा कि इमारत, भवन निर्माण में संरचनात्मक मुद्दे गंभीर हैं। इन पर कारने की आवश्यकता है. दिल्ली में विकास इतना तेज रहा है कि यह मास्टल प्लान से दूर था।

महान गायक मौहम्मद रफी को श्रद्धांजलि- ना फनकार तुझसा तेरे बाद आया

नई दिल्ली। ट्रिपल एस० म्यूजिक एण्ड डांस एकेडमी द्वारा महान गायक मौहम्मद रफी की पुण्यतिथि के मौके पर ना फनकार तुझसा तेरे बाद आया शीर्षक के तहत एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन ट्रिपल स्टूडियो में किया गया। एकेडमी के फाउंडर सोनू चंदेल और डायरेक्टर रेखा चंदेल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में इवेंट आग्रनाईजर एवं सिंगर योगेश मलिक व तिलक खेड़ा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

इसके अलावा पुलिस इंस्पेक्टर इंद्रपाल सिंह, फेस ग्रुप के चेयरमैन डॉड्ड मुश्ताक अंसारी, धर्मेन्द्र तोमर,शालू राठी, श्वेता चुग, सीमा डोगरा, विजय किशोर व राजा भार्गव आदि को विशेष अतिथि के रूप में सम्मानित किया गया। मंच का संचालन सरताज आलम द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में अन्नु सिंह, राधा सिंह, तपस्या ठाकुर, साक्षी कुमारी, हेमंत, विजय किशोर, राजू शील, सुनील श्रीवास्तव, किरण श्रीवास्तव, अनिल चौहान आदि गायकों ने रफी साहब के गीतों को अपने स्वर में पेश कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर योगेश मलिक ने कहा कि मौड्ड रफी साहब जैसा दूसरा कोई गायक धरती पर पैदा नही हुआ। आज भी हजारों लाखों सिंगर उनकी गायिकी से प्रेरणा लेते हैं। इंद्रपाल सिंह ने कहा कि रफी साहब व अन्य गायकों के गीत हमारे देश की धरोहर हैं जिसका हम मुफ़्त में लाभ लेते हैं। डॉड्ड मुश्ताक अंसारी ने कहा कि रफी साहब की आवाज में जो उतार-चढ़ाव सुनने को मिलता है वह अन्य किसी गायक में नही मिलता। उन्होंने कहा कि रफी साहब को संगीत प्रेमी इतना अधिक पसंद करते हैं कि पूरे विश्व में हर क्षण वह कहीं ना कहीं सुने जाते हैं।

दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य कर्मचारियों की भाजपा अध्यक्ष से अपनी मांगों पर हस्तक्षेप की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली राज्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अनुबंधित कर्मचारी एवं एचआईवी नियंत्रण कर्मचारी कल्याण संघ, दिल्ली सरकार के अनुबंधित स्वास्थ्य कर्मचारियों के दो प्रमुख संघों के पदाधिकारियों ने आज दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा से मुलाकात की और उनकी मांगों को पूरा कराने में हस्तक्षेप की मांग की।

दोनों संघों के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व श्री रत्नेश गुप्ता ने किया और इसमें भावना, रितु मलिक एवं नितिन भारद्वाज और अन्य लोग शामिल थे। दोनों संघों ने श्री सचदेवा से अनुबंधित नौकरियों की सुरक्षा, प्रोत्साहनों में वृद्धि, नियमित कर्मचारियों की तरह स्थानांतरण, सभी एनएमएच कर्मचारियों का नियमितीकरण, 7वें सीपीसी का कार्यान्वयन और कुछ अच्छे सेवानिवृत्ति लाभों से संबंधित अपनी मांगों को पूरा करने में मदद मांगी।

भाजपा देश के अल्पसंख्यक युवा प्रतिभा को देगी डॉ. कलाम स्टार्टअप यूथ अवार्ड : जमाल सिद्दीकी

नई दिल्ली। पीएम नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के मार्गदर्शन में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा देश के अल्पसंख्यक युवाओं को डॉ. कलाम स्टार्टअप यूथ अवार्ड देगा। मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी के नेतृत्व में कार्यक्रम की तैयारियां पूरी की जा चुकी है। मोर्चा की वेबसाइड के माध्यम से रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुके हैं। देश भर से अल्पसंख्यक युवा अपना रजिस्ट्रेशन करा रहे हैं। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है कि जो युवा प्रतिभागी इस अवॉर्ड कार्यकर्म में प्रतिभाग करेंगे और वह योग है तो सरकार से उनको मदद दिलाने के लिए सिफारिश करने का काम भी भाजपा करेगी। जो अपने आप में एक नई कोशिश है। जो सबका साथ सबका विकास, और सबका विश्वास का खुला प्रमाण है। इस कार्यक्रम के लिए अल्पसंख्यक मोर्चा की राष्ट्रीय सोशल मीडिया सह प्रभारी मरियम फारूकी को राष्ट्रीय प्रभारी नियुक्त किया गया है। जमाल सिद्दीकी का कहना है कि कलाम के नाम युवाओं प्रतिभा को सलाम कार्यक्रम के माध्यम से उन अल्पसंख्यक युवाओं को जो जिन्होंने सरकार की योजना का फायदा लेकर अलग अलग क्षेत्रों में स्टार्टअप शुरू किया है, प्रधानमन्त्री मोदी एक नई पहचान देंगे। जिससे अल्पसंख्यक युवाओं के नाम और उनके संघर्ष की कहानियां देश ही नही दुनिया के कोने कोने में पहुंचेंगी। जिससे दूसरे युवाओं को भी प्रेरणा मिलेगी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने मीडिया को बताया कि देश के सभी प्रदेशों में मोर्चे की वेबसाइट के माध्यम से डॉ. कालम स्टार्टअप यूथ अवार्ड के रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुके हैं। जिसमें सभी प्रदेशों से 7-7 युवाओं का चयन किया जाएगा। अवॉर्ड के लिए 6 अगस्त तक आवेदन किए जाएंगे जबकि चयनित युवाओं के नामों की सूची 12 अगस्त अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर जारी की जायेगी। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय प्रभारी दुष्यन्त गौतम के मार्गदर्शन में केंद्रीय जांच कमेटी स्कुटनी के आधार पर चिन्हित उम्मीदवारों को सभी प्रदेश हेड क्वार्टर पर 12 अगस्त को अवॉर्ड फंक्शन में अवॉर्ड दिए जायेंगे दिए जायेंगे। दिल्ली प्रदेश में दिल्ली-एनसीआर के युवा प्रतिभाग करेंगे। ये अवार्ड मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, एवं पादरी आदि समाज के युवा प्रतिभाओं को दिए जायेंगे। गौरतलब है कि मिसाइल मैन की 9वीं पुण्यतिथि पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिदीकी ने नेतृत्व में देश भर में अभियान चलाकर ज़िला स्तर पर कालम को सलाम कार्यक्रम के माध्यम से उन्हें श्रद्धांजलि पेश की गई। जिस का आगाज रामेश्वरम तमिलनाडू स्थिति एपीजे अब्दुल कलाम के हाऊस से किया गया। जिसमें जमाल सिद्दीकी ने भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा देश के अल्पसंख्यक युवाओं को डॉ. कालम स्टार्टअप यूथ अवार्ड देने की घोषणा की थी।

ओएनडीसी ने इंटरऑपरेबल क्यूआर कोड लॉन्च किया: भारतीय ईकॉमर्स कंपनियों के लिए गेम-चेंजर साबित होगा

नई दिल्ली। क्या आप एक ऐसी दुनिया की कल्पना कर सकते हैं, जहां छोटे बिजनेस मालिक डिजिटल मार्केट में प्रतिस्पर्धा करने के लिए संघर्ष करते हैं। बड़े खिलाड़ियों से हार जाते हैं। इसकी एक बड़ी वजह होती है- उनके पास ग्राहकों तक पहुंचने के साधन नहीं होना। यह अब तक भारत में अनगिनत विक्रेताओं की हकीकत रही है। आज ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) अपने क्रांतिकारी इंटरऑपरेबल क्यूआर कोड को लॉन्च करते हुए रोमांचित है, जो ई-कॉमर्स की दुनिया को बदलने और स्थानीय कारीगरों से लेकर पड़ोस के दुकानदारों तक हर विक्रेता को सशक्त बनाने के लिए तैयार है। लंबे समय से विक्रेताओं को डिजिटल मार्केट में अपनी मौजूदगी स्थापित करने में कठिन चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। वे किसी न किसी प्लेटफॉर्म पर आश्रित हैं और उसकी दिक्कतों की वजह से सीमित हैं। वह अपने उत्पादों को ज्यादा से ज्यादा लोगों के पास ले जाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ओएनडीसी का इंटरऑपरेबल क्यूआर कोड सब बदल देगा। इस समय यह अपने अल्फा स्टेज में है। यह इनोवेटिव टूल विक्रेताओं को एक अनूठा क्यूआर कोड बनाने की अनुमति देता है जिसे ग्राहक ओएनडीसी-रजिस्टर्ड बायर ऐप का उपयोग कर स्कैन कर सकते हैं। इसकी शुरूआत मैजिकपिन और पेटीएम से हो रही है। प्रारंभिक परीक्षण के बाद जल्द ही यह पूरे नेटवर्क में विस्तार करेगा। ओएनडीसी के एमडी और सीईओ टी कोशी ने लॉन्च इवेंट में ओएनडीसी के क्यूआर कोड को लॉन्च करते हुए कहा कि, आज भारतीय कॉमर्स में बड़े बदलाव का क्षण है। ओएनडीसी का इंटरऑपरेबल क्यूआर कोड उन बाधाओं को तोड़ता है जो छोटे बिजनेस को पीछे रखती हैं। अब हर विक्रेता के पास ई-कॉमर्स दिग्गजों की तरह डिजिटल रूप से ग्राहकों तक पहुंचने की ताकत है। यह एक खुले, समावेशी और लोकतांत्रिक डिजिटल मार्केट की ओर एक बड़ी छलांग है। इस तकनीक की खूबसूरती इसकी सरलता और दूरगामी प्रभाव की क्षमता में निहित है। विक्रेता अपने क्यूआर कोड कहीं भी प्रदर्शित कर सकते हैं - स्टोरफ्रंट, उत्पाद, मार्केटिंग सामग्री या सोशल मीडिया पर - ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरह से ग्राहकों से तुरंत जुड़ सकते हैं। उपभोक्ताओं के लिए इसका मतलब है बेजोड़ सुविधाः किसी भी क्यूआर स्कैनर ऐप या ओएनडीसी बायर ऐप (वर्तमान में पेटीएम और मैजिकपिन) के साथ एक स्कैन उन्हें उनके पसंदीदा बायर ऐप के माध्यम से सीधे विक्रेता के ऑनलाइन स्टोर से जोड़ता है। कोशी ने कहा, स्थानीय दुकानदार, स्ट्रीट वेंडर, कारीगर के बारे में सोचें- अब उन्हें कोई भी कहीं भी खोज सकता है और उनका प्रोडक्ट खरीद सकता है। यह सिर्फ.एक नई सुविधा नहीं है; यह आर्थिक विकास और डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देने वाली तकनीक है। लाखों बिजनेस ऑनलाइन आएंगे, नए अवसर पैदा करेंगे और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाएंगे। ओएनडीसी के इंटरऑपरेबल क्यूआर कोड से पहले विक्रेता या तो डिमांड जनरेशन कॉस्ट के कारण ऑनलाइन नहीं थे या उन्हें रेवेन्यू में बहुत ज्यादा हिस्से का भुगतान करना पड़ रहा था।

शिवालय में कांवड़िये शुक्रवार को करेंगे जलाभिषेक

नई दिल्ली। कांवड़ शिविरों में गुरुवार को बम भोले के जयघोष की गूंज रही। डाक कांवड़ लाने वालों की भी सड़कों पर रौनक देखने को मिली। कांवड़िये तेजी अपने गंतव्य की ओर जाते दिखाई दिए। शुक्रवार को जलाभिषेक किया जाएगा। इस दौरान शिविरों और मंदिरों में रुकने वाले कांवड़ियों के लिए सभी इंतजाम किए गए हैं।

चांदनी चौक स्थित श्री गौरीशंकर मंदिर के प्रबंधक तेज प्रकाश शर्मा ने बताया कि कांवड़िये परिवार संग शुक्रवार सुबह से गर्भगृह में जल चढ़ा सकेंगे। मंदिर में चार से पांच हजार के करीब कांवड़ चढ़ती हैं। भंडारे का आयोजन किया जाएगा। छतरपुर मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. किशोर चावला ने बताया कि मंदिर में 250-300 कांवड़िये रुके हुए हैं। उनको प्रसाद में 36 तरह के व्यंजन परोस जा रहे हैं। सुबह पांच बजे से मंदिर में कांवड़ का जल चढ़ना शुरू हो जाएगा। प्रीत विहार स्थित शिव मंदिर (गुफा वाला) के प्रधान सुरेंद्र दीवान ने बताया कि मंदिर में कांवड़िये तीन जगहों पर जल चढ़ा सकेंगे। इसमें द्वादश ज्योतिर्लिंग, 111 शिवलिंग पर और शिव परिवार पर कांवड़ का जल चढ़ेगा। अभी मंदिर में 60 कांवड़िये ठहरे हुए है। झंडेवाला देवी मंदिर के मीडिया प्रमुख नंद किशोर सेठी ने बताया कि मंदिर में कांवड़ का जल चढ़ाने वाले काफी कम आते हैं। अगर जो भी आएगा सेवादार की मदद से वह जल चढ़ा सकेगा। साथ ही कांवड़ियों को प्रसाद वितरित किया जाएगा। यात्रा में दिखी सुंदर झांकियां : शिवभक्तों ने कांवड़ को तिरंगा झंडा से लेकर जय श्री राम के झंडे से सजाया हुआ था। एक से एक सुंदर झांकी देखने को मिली। कोई भगवान शंकर की प्रतिमा को कंधे पर जल के साथ आगे लेकर बढ़ता दिखा तो कहीं भगवान शंकर के परिवार की झांकी को रथ में कांवड़िये खींचते दिखे। कंधे पर कांवड़िये 100 लीटर तक जल लेकर चल रहे थे। डाक कांवड़ लाने वालों ने तेज धुन वाले डीजे लगा रखे थे, जिसकी आवाज की गूंज दूर तक सुनाई दी।

सावन की फुहारों के बीच शिवमय हुई दिल्ली

नई दिल्ली। सावन की फुहारों के बीच राजधानी दिल्ली शिवमय हो गई है। सड़कों पर जय भोले और बम बम भोले की गूंज है। राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली के कांवड़िये कांवड़ लेकर गंतव्य स्थल की ओर से तेजी से बढ़ रहे हैं। कांवड़ यात्रा में एक से बढ़कर एक सुंदर झांकी देखने को मिल रही है। कोई भगवान शंकर की प्रतिमा को कंधे पर जल के साथ आगे लेकर बढ़ रहा है तो कहीं भगवान शंकर के परिवार की झांकी को रथ में कांवड़िये खींचते दिखते हैं। कई कांवड़िये 100 लीटर गंगाजल लेकर चल रहे हैं। बुधवार शाम से डाक कांवड़ियों के आने का सिलसिला भी शुरू हो गया। डाक कांवड़ लाने वालों ने ट्रकों पर तेज धुन वाले डीजे लगा रखे हैं, जिसकी आवाज की गूंज दूर तक सुनाई दे रही है। कांवड़ शिविरों में कांवड़िये भक्ति में सराबोर होकर नाच-गा रहे हैं। शिविरों में इनके भोजन से लेकर नहाने के इंतजाम हैं। शास्त्री पार्क स्थित श्री महादेव कांवड़ समिति सिद्ध श्री हनुमान मंदिर के संरक्षक दिवाकर पांडेय और प्रधान वीनू गुप्ता ने बताया कि उनके यहां रोजाना कांवड़ शिविर में 1500 से ज्यादा कांवड़िये पहुंच रहे हैं। कांवड़ियों के रुकने के लिए सभी इंतजाम किए गए हैं। बीच-बीच में पानी के संकट से जूझना पड़ रहा है। एक अनुमान के मुताबिक 400 से ज्यादा कांवड़ शिविर राजधानी में लगे हैं। जीटी रोड पर श्याम लाल कॉलेज के सामने लगे कांवड़ शिविर के बाहर मिले कांवड़िये साजन ने बताया कि वह 23 जुलाई को हरिद्वार से जल लेकर चले थे। चांदनी चौक स्थित श्री गौरी शंकर मंदिर में वे जल चढाएंगे। उन्होंने कहा कि पिछले नौ सालों से कांवड़ ला रहा हूं। कांवड़िये पुनीत खुराना ने बताया कि वह सातवीं बार कांवड़ लाए हैं। रोजाना 25-30 किलोमीटर की दूरी तय करके बुधवार को दिल्ली पहुंचा हूं।

मिशन एडमिशन : डीयू में 16 अगस्त से स्नातक के दाखिले होंगे

नई दिल्ली। सीयूईटी-यूजी के परिणामों की घोषणा के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय ने स्नातक प्रवेश के लिए कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस) के दूसरे चरण की प्रक्रिया गुरुवार से शुरू कर दी है। साथ ही शेड्यूल भी जारी किया। 16 अगस्त को पहले चरण के दाखिले की काउंसलिंग शुरू होगी। डीयू के अनुसार, जिन उम्मीदवारों ने पहले चरण को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, उन्हें पात्रता मानदंडों को पूरा करने के बाद पसंदीदा कोर्स और कॉलेज संयोजन चुनने के लिए अपने (https://ugadmission.uod.ac.in) लॉग इन करना होगा। जिन अभ्यर्थियों ने अभी तक सीएसएएस पोर्टल पर पंजीकरण नहीं कराया है, वे भी पंजीकरण करा सकेंगे। विश्वविद्यालय ने दोनों चरणों को सात अगस्त शाम 04:59 बजे तक खुला रखने का निर्णय लिया है। पहले राउंड के दाखिले 16 अगस्त से शुरू होंगे और दूसरे राउंड की फीस का भुगतान 30 अगस्त तक होगा। विश्वविद्यालय ने कहा कि यदि सीट खाली होती है तो अतिरिक्त राउंड की भी घोषणा की जाएगी। डीयू ने कहा कि केवल उन्हीं विषयों के सीयूईटी पेपरों पर विचार किया जाएगा, जिनमें अभ्यर्थियों ने कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण की है। विषयों की समानता से संबंधित विवरण के लिए अभ्यर्थियों को सूचना बुलेटिन का संदर्भ लिया जाएगा।

ये महत्वपूर्ण तिथियां

पहला चरण
-चार अगस्त तक सुधार विंडो खुली रहेगी -एक से सात अगस्त तक अभ्यर्थी अपने कॉलेज औश्र कोर्स की प्राथमिकताएं भर सकेंगे
-नौ अगस्त शाम पांच बजे तक चयनित विषय और कॉलेज ऑटो लॉक हो जाएगा
-11 अगस्त शाम पांच बजे तक डीयू एक अनुमानित रैंक वेबसाइट पर दर्शाएगा
-पहले कॉमन सीट एलोकेशन के तहत दाखिला सूची 16 अगस्त से जारी की जाएगी
-सीट स्वीकार करने और उसका सत्यापन 16 से 20 अगस्त के बीच होगा
-पहली काउंसलिंग के तहत फीस भुगतान 21 अगस्त तक होगा
-22 अगस्त को खाली सीटों का ब्यौरा डीयू जारी करेगा

दूसरा चरण

-25 अगस्त शाम शाम बजे से 27 अगस्त शाम शाम बजे तक दाखिले होंगे
-25 अगस्त से 29 तक कॉलेज प्रमाणपत्रों का सत्यापन करेंगे
-30 अगस्त तक अभ्यर्थी फीस जमा कर सकते हैं
-छात्रों की सुविधा के लिए वेबिनार का आयोजन।

अश्लील संदेश भेजने वाले शख्स को सामुदायिक सेवा करने के निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक व्यक्ति को अस्पताल, अनाथालय और वृद्धाश्रम में तीन महीने तक सामुदायिक सेवा करने का निर्देश दिया है। उच्च न्यायालय ने यह आदेश महिला को कथित तौर पर अश्लील संदेश भेजने के आरोप में उसके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने की प्रक्रिया के तहत दिया है। उच्च न्यायालय ने कहा कि उसे अपने पापों का प्रायश्चित करना होगा है। व्यक्ति पर 25 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। साथ ही उच्च न्यायालय ने कहा कि उसे यह समझना चाहिए कि वह अदालतों को हल्के में नहीं ले सकता। आरोपी को यह नहीं लगना चाहिए कि वह पीड़िता के साथ समझौता करके अपराध से बच सकता है। इसके अलावा, उच्च न्यायालय ने व्यक्ति को अपने इलाके में अपने खर्च पर 50 पेड़ लगाने और उसकी देखभाल करने का निर्देश भी दिया है।

संपादकीय

किशोरावस्था जीवन का अतिसंवेदनशील दौर

किशोरावस्था जीवन का वह दौर है जब व्यक्तित्व अपना स्वरूप लेना शुरू करता है। किशोरों के सामने संभावनाओं का खुला आसमान होता है। इतना कुछ सीखने के लिए होता है कि चुनाव मुश्किल हो जाता है मन डांवाडोल रहता है। कभी कोई क्षेत्र लुभाता है तो कभी कोई क्षेत्र। चूंकि उनका व्यक्तित्व अभी कोई आकार नहीं ले पाता है उसमें ठहराव नहीं होता है। किशोर जहां किसी बात को लेकर बेहद उत्साहित महसूस करते हैं वहीं जरा सी बात उनका मनोबल तोड़ कर रख देती है। उनका आत्मविश्वास चूकने लगता है। यहां तक कि वे कई मनोवैज्ञानिक समस्याओं को आमंत्रण दे बैठते हैं जटिल ग्रंथियां पालकर। बच्चों पर पिता से ज्यादा मां का प्रभाव पड़ता है। एक समझदार मां बातों ही बातों में बच्चों को बहुत कुछ सिखा कर उनका सही मार्गदर्शन कर सकती है। दिन प्रतिदिन में लोगों से कैसे डील करें यह मां ही अच्छी तरह बगैर उपदेश दिए समझा सकती है। डॉ. रेणु तनेजा के अनुसार मां से मिलने वाला मॉरल सपोर्ट बच्चे के लिए अमूल्य है। जब कभी बच्चा अनिर्णय की स्थिति में होता है तो उसे पूर्ण विश्वास होता है कि मां ऐसे में सही गाइड साबित होगी। किशोर उम्र के लोग दोस्तों की कंपनी बहुत पसंद करते हैं। इस समय की दोस्ती पक्की और कई बार निर्दोष होती है। दोस्तों का प्रभाव इस समय में अत्यधिक रहता है। अमेरिका में सेटल्ड मनोविशेषज्ञ रानी केसरीवाल कहती हैं चूंकि यह जीवन का एक ट्रांजिशनल पीरिएड है। बच्चे बदलाव के दौर से गुजरने का प्रेशर झेलते हुए अत्यधिक संवेदनशील हो जाते हैं। कोई उन पर जरा सी भी विरोधी टिप्पणी कर दे तो वे इस बात को मन से लगा लेते हैं। जब कि टिप्पणी करने वाला पूर्वाग्रही भी हो सकता है ,ईर्ष्या के वशीभूत होकर भी ऐसा कर सकता है। इसलिए जरूरी है कि उसकी मंशा को समझा जाए। तत्पश्चात उस पर उचित समझें तो एक्शन लें या उपेक्षित छोड़ दें। सारे झगड़े की जड़ मुंह का बोल ही है इसलिए सोच समझ कर बोलने वाले ही सुखी रहते हैं। सच बोलना अच्छी बात है लेकिन सच बोलना हमेशा हितकारी नहीं होता। कई बार सच बोलकर आप अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार लेते हैं। जब कि चुप रहने से किसी का भी अनिष्ट नहीं होने वाला। ऐसी जगह गोपनीयता बनाए रखने की कला आपको आनी चाहिए। दूसरों से ऐसी बातें भी न कहें जिससे उनका दिल दुखे। सेडिज्म को अपने व्यवहार में जगह न दें, न किसी पर कमेंट करें। हो सके तो प्रशंसा करें और वह भी दिल खोलकर अपनी ही तारीफ हर समय करते रहना भी अच्छा नहीं। किशोर वय ऊर्जा से भरपूर होती है इसे प्रॉपर चैनल दें। स्पोर्टस, रचनात्मक कला, म्युजिक, पेंटिंग, डांस योग, एरोबिक इत्यादि अपनाकर। टी.वी पर हिंसा से भरपूर प्रोग्राम न देखें न ही हिंसा और अश्लीलता से भरी मूवीज देखें। मनोरंजन के लिए साफ सुथरी पिक्चर देख सकते हैं। आज की हाईटैक लाइफ में किशोरावस्था से ही बच्चों पर कड़ी प्रतिस्पर्द्धा का गहरा तनाव होता है। जिसके चलते उनमें छोटी उम्र से ही डिप्रेशन घिरने लगता है। यह मानसिक स्थिति उन्हें हिंसक बना देती है। अभिभावकों का फर्ज है कि वे बच्चों को इस स्थिति से बचायें। उन्हें स्वस्थ मनोरंजन के लिये प्रेरित करें। पैसा जीवन में जीने के लिए जरूरी है, कुछ हद तक अहम है लेकिन पैसा ही सब कुछ नहीं। किस तरह इच्छाओं पर काबू पाया जा सकता है। इसकी नींव बचपन से ही पड़ती है। अभिभावकों का फर्ज है बच्चों को ऐसी सीख दें कि पैसे से बढ़कर है परिवार, अपनत्व, स्नेह, प्यार, अच्छे संस्कार। अच्छे संस्कार होने पर ही एक सुखी सफल जीवन की नींव रखी जा सकती है। आज हमारा किशोर वर्ग राह भटक रहा है। एक समाचार के अनुसार एक छात्र की अन्य छात्रों ने गला घोंटकर हत्या कर दी और उसकी प्रेरणा उन्हें कहां से मिली? किसी टिपिकल हिंसक फिल्म से। कमी जरूर कहीं ऐसे बच्चों के पालन पोषण में होती है। मां बाप से संवादहीनता एक बड़ा कारण है। बच्चों के प्रति माता पिता की लापरवाही भी उनके गुमराह होने का कारण बनती है। अपनी किसी कमी को लेकर मन में हीन भावना न पलने दें। अगर किसी में कोई कमी होती है तो दस खूबियां भी होती हैं। जगत में संपूर्ण कोई नहीं होता। संपूर्णता काल्पनिक होती है इसे हम जितनी जल्दी स्वीकार लें तो अच्छा होगा।

नोट : समाचार पत्र में छपे सभी लेख अवैतनिक हैं। यानी इनके भुगतान के प्रति समाचार पत्र उत्तरदायी नहीं हैं। सभी लेख लेखक के निजी विचार हैं। संस्था का उनके विचारों के साथ सहमत होना जरूरी नहीं है।

आज का भविष्य

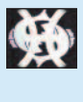

मेष : आप अपने दोस्त की गलती की जिम्मेदारी खुद लेने पर तुले हुए हैं लेकिन इसके नतीजों के बारे में भी सोच लें। किसी कानूनी पचड़े में भी पड़ सकते हैं।

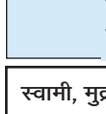

वृषभ : अपने प्रति ईमानदार रहें क्योकि इसी से आप हरेक स्थिति में खुश रह पायेंगे। केवल दूसरों की परवाह करने के लिए अपनी इच्छाओं का बलिदान न करें।

मिथुन : आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है। आपको कई दिशायों में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे।

कर्क : यह सही समय है जबकि आपको अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकलकर अपने आस पास की स्थितियों और अपनी स्थिति को ध्यान से समझना है।

सिंह : आज का दिन सृजनात्मक प्रवृति के लोगों के लिए बहुत अच्छा साबित होगा। आपके हुनर और कार्यों दोनों की ही प्रशंसा होगी। अपने कार्य के लिए धन प्राप्ति भी हो सकती है।

कन्या : अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें इससे जो निष्कर्ष निकलेगा उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी।

तुला : आज पैसे को संभलकर खर्च करें। सितारों के अनुसार आज आप बिना किसी बात के काफी खर्च कर सकते हैं। अगर आप ध्यान नही देंगे तो काफी बड़ी रकम खर्च हो सकती है।

वृश्चिक : आप आज आत्मविश्वास से भरे रहेंगे और किसी अधूरे पड़े काम को हाथ में लेंगे। समस्याएं आएँगी लेकिन आपका रास्ता नही रोक पाएंगी। कोई अच्छा दोस्त आपका साथ देगा।

धनु : यह तो आप देख ही चुके की आकस्मिक प्रवृति पर आधारित फैसले कई बार सही साबित नही हुए हैं इसीलिए यह जरूरी है कि आप अपने फैसले तर्क की कसौटी पर कसें।

मकर : आप आज होने वाली घटनाओं के कारण और कई तरह की उलटी -सीधी सूचनाओं के कारण खुद को उलझन में फंसा हुआ अनुभव करेंगे। इस समय आपका सही मार्गदर्शन की जरुरत है।

कुंभ : आप पिछले कुछ समय से उपेक्षित महसूस कर रहे हैं लेकिन आज आप पर सबका ध्यान आएगा। लाइमलाइट आप पर रहेगी और आप आसानी से इस अवसर का लाभ उठाएंगे।

मीन : आज सब कुछ आपके मनचाहे तरीके से होगा और आपको अपने प्रयासों में सफलता मिलेगी। आप पुराने नुक्सान की भरपाई भी कर लेंगे। इसके परिणामस्वरूप सफलता की ओर आगे बढ़ेंगे।

डिजिटल मोड जनता की पहली पसंद

हम एक ऐसे देश में रह रहे हैं जहां चाय, ब्रेड, दूध आदि जैसे रोजमर्रा के खचरे और खरीदारी के लिए डिजिटल मोड जनता की पहली पसंद बन चुका है। अमेजॉन के एक सर्वे में यह बात सामने आई है कि ऑनलाइन खरीदारी के लिए जहां 90 प्रतिशत भुगतान डिजिटली किया जा रहा है वहीं स्टोर्स में भी डिजिटल भुगतान 50 प्रतिशत जनता की पहली पसंद बन गया है।

-अमित भनोट-

आज हम एक ऐसे देश में रह रहे हैं जहां चाय, ब्रेड, दूध आदि जैसे रोजमर्रा के खचरे और खरीदारी के लिए डिजिटल मोड जनता की पहली पसंद बन चुका है। अमेजॉन के एक सर्वे में यह बात सामने आई है कि ऑनलाइन खरीदारी के लिए जहां 90 प्रतिशत भुगतान डिजिटली किया जा रहा है वहीं स्टोर्स में भी डिजिटल भुगतान 50 प्रतिशत जनता की पहली पसंद बन गया है। देश में डिजिटल क्रांति ने जीवन के हर पहलू को न सिर्फ छुआ है, बल्कि बदल कर रख दिया है। ऐसे में जब हम ऐसी खबरें सुनते हैं कि उत्तर प्रदेश में योगी सरकार द्वारा परिषदीय स्कूलों में लागू की गई डिजिटल अटेंडेंस व्यवस्था का प्रदेश के शिक्षकों द्वारा यह कहते हुए विरोध हो रहा है कि यह अव्यावहारिकहै, तो निश्चिय ही आश्चर्य होता है। कोई बड़ी बात नहीं कि विरोध कर रहे शिक्षकों के मोबाइल में भुगतान करने के लिए भीम एप्, मनोरंजन के लिए ओटीटी ऐप, खाना ऑर्डर करने के लिए डिलीवरी एप्, खरीदारी के लिए भी विभिन्न ऐप पहले से ही मौजूद हों। ऐसे में सिर्फ डिजिटल अटेंडेंस का विरोध करना खुद ही व्यावहारिक नहीं लगता। योगी सरकार ने 8 जुलाई से सभी परिषदीय स्कूलों में मौजूद सभी 12 रजिस्टरों को डिजिटल करने का फैसला लिया है, और सभी बेसिक शिक्षा अधिकारियों को इसे सख्ती से लागू करवाने का निर्देश दिया है। इन्हीं रजिस्टरों में शिक्षकों की अटेंडेंस का रजिस्टर भी शामिल है, जिसमें फेस रिकग्निशन के जरिए स्कूल परिसर में ही स्कूल खुलने और बंद होने के 15 मिनट पहले और बाद में हर शिक्षक को अपनी उपस्थिति टैब के जरिए डिजिटली दर्ज करानी है। नई व्यवस्था के विरोध को देखते हुए प्रदेश सरकार ने इसमें 30 मिनट का ग्रेस टाइम भी दे दिया है। इसी व्यवस्था का विरोध यह कहते हुए हो रहा है कि इसमें व्यावहारिक दिक्कतें हैं, वहीं बरसात में मौसम और आकस्मिक स्थिति में शिक्षक द्वारा इस व्यवस्था का अनुसरण करना संभव नहीं होगा। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या यह विरोध सिर्फ इसलिए है कि इसमें कुछ दिक्कतें आएंगी या फिर किसी और चीज की पदार्दारी है। प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था की स्थिति किसी से छुपी नहीं है। एक ओर तो प्रदेश के 133035 प्राथमिक, कंपोजिट और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की कमी हमेशा ही बनी रहती है वहीं जो शिक्षक हैं भी, उनमें से कई, स्कूलों में नहीं आते हैं, या सिर्फ एक बार रजिस्टर में उपस्थिति दर्ज कर, निकल लेने की फिराक में रहते हैं। राज्य के शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 2022-23 में प्रदेश में कुल 453594 शिक्षक थे जबकि 126028 पद रिक्त हैं, ऐसे में यदि मौजूद शिक्षक भी विद्यालय न आएं तो शिक्षा की स्थिति समझी जा सकती है। यह सीधे-सीधे बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। यदि हमें प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद करनी है तो सरकार को व्यवस्था में अमूलचूल परिवर्तन करने होंगे। डिजिटल रजिस्टर उसी दिशा में उठाया गया कदम जान पड़ता है। इसके लिए शिक्षा विभाग द्वारा परिषदीय प्राथमिक, कंपोजिट विद्यालयों के शिक्षकों के उपयोग के लिए 2, 09, 863 टेबलेट्स उपलब्ध कराए गए हैं। परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के लिए टेबलेट उपलब्ध कराए जाने की प्रक्रिया जारी है। निदेर्शों के अनुसार समस्त अध्यापक 1 अप्रैल से 30 सितम्बर तक आगमन उपस्थिति प्रातः 7.45 से 8 बजे तक और प्रस्थान दोपहर 2.15 से 2.30 बजे तक लगाएंगे। एक अक्टूबर से 31 मार्च तक आगमन उपस्थिति सुबह 8.45 बजे से सुबह नौ बजे तक और प्रस्थान उपस्थिति 3.15 बजे से 3.30 बजे तक दर्ज कर सकेंगे। एक प्रश्न हमें और शिक्षकों को खुद से भी पूछना चाहिए। यदि पुरानी फिजिकल रजिस्टर वाली व्यवस्था दुरुस्त थी तो प्राथमिक और उच्च प्राथमिक शिक्षा की स्थिति ऐसी क्यों है? 2023-24 में 2022-23 की तुलना में प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट स्कूलों में छात्रों की संख्या में 24 लाख से अधिक की गिरावट दर्ज की गई, जो चौंकाने वाला आंकड़ा है। 2023-24 में इन स्कूलों में छात्रों की संख्या 16784645 थी जो पिछली बार से 24 लाख कम है। यह तब है जब कोरोना काल में घटती आमदनी के चलते सरकारी स्कूलों में छात्रों का पंजीकरण खासा बढ़ा था। घटती संख्या के पीछे मुख्य कारण यह भी है कि शिक्षक पढ़ाने आते ही नहीं। ऐसे में डिजिटल अटेंडेंस की व्यवस्था इसमें अपेक्षित सुधार ला सकती है। डिजिटल व्यवस्था के विरोध में एक बात और कही जा रही है कि यह ऐप कई बार शिक्षक की लोकेशन स्कूल से अलग कहीं और दिखाता है। डिजिटल दुनिया में शुरूआती समय में कई बार ऐसा होता है लेकिन यह कमी किसी भी ऐप में समय के साथ ठीक की जा सकती है, लेकिन इसके लिए पूरी व्यवस्था को अव्यावहारिक कह कर नकार देना कतई सही नहीं है। सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर, दोनों स्तरों में लगातार सुधार जारी हैं, वहीं जरूरत के अनुसार नियमों में रियायतें भी दी जा रही हैं। आधे घंटे का ग्रेसइ इसी दिशा में उठाया गया कदम है। अगर समग्र रूप से देखें तो किसी भी राज्य की शिक्षा व्यवस्था सीधे हमारे मानव संसाधन के भविष्य से जुड़ाव रखती है, और समय के साथ इसमें बदलाव विकसित भारत के सपने को साकार करने में अहम है। यदि प्रदेश का शिक्षा तंत्र और शिक्षक अपने ध्येय का बखूबी पालन करते हैं, तो इसका सकारात्मक असर सीधे प्रदेश की प्रोडक्टिविटी पर तो होगा ही, वहीं हम बेहतर नागरिकों का निर्माण भी करेंगे। इसे देखते हुए एक समाज के तौर पर हमें अपनी शिक्षा व्यवस्था को पूरी गंभीरता से लेना चालिए। हमें ऐसे शिक्षा के मंदिरों का निर्माण करना है जहां स्कूल में हमारे बच्चों के लिए सभी मूलभूत सुविधाएं हों, शौचालयों की व्यवस्था हो, मिड डे मील के रूप में भोजन की उचित व्यवस्था हो, पक्का स्कूल हो, बैठने के लिए डेस्क हो, कॉपी-किताबें हों और सबसे महत्त्वपूर्ण उचित संख्या में शिक्षक हों, जो विद्यालय में समय से आएं और बच्चों को शिक्षित कर विकसित भारत का निर्माण करने में सहयोग करें जिसके लिए डिजिटल प्रक्रिया क्रांतिकारी कदम है। सभी शिक्षकों को आगे आकर डिजिटल प्रक्रिया का स्वागत करना चाहिए, वहीं प्रदेश सरकार को भी चाहिए कि शिक्षकों की मांग पर ध्यान दे और इस ऐप में सभी व्यावहारिक स्थितियों जैसे कनेक्टिविटी, टैगिंग, जीपीएस लोकेशन संबंधी समस्याओं से निपटने के लिए जरूरी बदलाव लगातार करे।

संपदा एवं महानता में से करें एक का चयन

प्रत्येक वर्ष 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने सम्बन्धी अधिसूचना जारी की है। केंद्र सरकार की इस इस अधिसूचना के अनुसार 25 जून 1975 को आपातकाल की घोषणा की गई थी, उस समय की सरकार ने सत्ता का घोर दुरुपयोग किया था और भारत के लोगों पर ज्यादतियां और अत्याचार किए लिहाजा हर साल 25 जून को देश उन लोगों के महान योगदान को याद करेगा, जिन्होंने 1975 के इमरजेंसी के अमानवीय दर्द को सहन किया था। केंद्र सरकार द्वारा 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने के फैसले को पूरी तरह राजनैतिक, द्वेषपूर्ण व रक्षात्मक कहना गलत नहीं होगा। क्योंकि केवल इंदिरा गांधी ही नहीं बल्कि मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी व राहुल गाँधी जैसे कांग्रेस के सर्वोच्च नेता इस बात को स्वीकार कर चुके हैं कि देश में 1975 में आपातकाल लगाने का फैसला एक गलती थी।

-पं. लीलापत शर्मा-

प्रगतिशीलता का अर्थ यदि संपन्नता लिया जाएगा और उसके साथ चिंतन की श्रेष्ठता को न जोड़ा जाएगा तो फिर लक्ष्य यही बन जाए कि भौतिक समृद्धि के मनचाहे उपयोग में आकर्षण की अधिकता रहती है। यदि उस पर भावनात्मक उत्कृष्टता का अंकुश न रहे, तो फिर समृद्धि को किसी भी प्रकार उपार्जित किया जा सकता है। समृद्धि की उत्कण्ठा ऐसी आतुरता उत्पन्न करेगी कि उसे धर्म मयार्दाओं का स्मरण दिलाने से भी नियंत्रित न किया जा सकेगा और वह कुछ भी, किसी उपाय से कर गुजरने, अनीति और उच्छृंखलता बरतने तक में प्रवृत्त होती दिखाई पड़ेगी। ऐसी प्रगति व्यक्ति को दुगुर्णी और समाज को अनाचारी बना देगी। कहना न होगा कि प्रकृति और चेतना के शाश्वत नियम इस प्रकार के अनुपयुक्त मार्ग से उपार्जित संपदा को सहन न करेंगे, फलतः सर्वत्र संकट, विग्रह और विनाश के दृश्य उपस्थित होंगे।

जीव-चेतना के साथ जुड़ी हुई जिस प्रगति, आकांक्षा की चर्चा की जाती है, उसे सुसंस्कृत दृष्टिकोण एवं शालीनता युक्त चरित्र के रूप में ही मान्यता दी जा सकती है। उसी के माध्यम से व्यक्ति की विशिष्टता बढ़ती है। व्यक्तित्व की विशिष्टता एक शक्तिशाली चुंबक है, जिसके आकर्षण से उपयोगी साधन-सामग्री उतनी मात्रा में सहज ही उपार्जित होती रहती है, जितनी कि निर्वाह के लिए आवश्यक है। इससे अधिक मात्रा का उपार्जन एवं उपयोग व्यक्ति में अनेक दुर्व्यसन उत्पन्न करेगा और समाज में अपराधी दुष्प्रवृत्तियों को जन्म देगा। दूरदर्शी विवेकशील सदा से ही यही कहते रहे हैं कि यदि भौतिक उपार्जन अधिक मात्रा में होता है तो भी उसका उपयोग औसत नागरिक स्तर का ही किया जाना चाहिए। उसे संग्रह में, कुटुंबियों में, मुफ्त बांटने में, बर्बाद न कर-के लोकोपयोगी कार्य में खर्च कर दिया जाए। लालच इस नीतियुक्त दृष्टिकोण को स्वीकार नहीं करता। फलतः बढ़ी हुई संपदा, प्रगति दिखते हुए भी सुखद प्रतिक्रिया उत्पन्न नहीं करती। यही कारण है कि उत्कृष्टता का अंकुश न रहने पर समृद्धि सर्वत्र दुष्परिणाम ही उत्पन्न करती देखी गई है। भले ही उसके अधिपति कुछ समय तक विलासी, संग्रही के रूप में अपने अहंकार का प्रदर्शन करते फिरें। यह कठिनाई भावनात्मक प्रगति में नहीं है। दृष्टिकोण में उत्कृष्टता, विचारों में दूरदर्शिता और गतिविधियों में वजन बढ़ता जाएगा। ऐसा व्यक्ति अपनी आंखों में समूचे समुदाय की आंखों में वजनदार बनता जाएगा। जिनका जितना मूल्यांकन किया जाता है उसे उसी स्तर के प्रतिफल, अनुदार एवं उपहार भी

मिलते रहते हैं। सज्जनों की अपनी क्षमताएं विकसित होती हैं और उनके सहारे उपयुक्त निर्वाह की साधन-सामग्री सहज ही उपार्जित की जा सकती है। इसके विपरीत संकीर्ण-स्वार्थपरता में निमग्न व्यक्ति प्रायः अनुदार असामाजिक और कई बार अपराधी प्रवृत्ति के भी होते हैं। ऐसे लोगों का मूल्य सर्वसाधारण की दृष्टि में गिर जाता है। फलतः वे दूसरे की सहानुभूति, सहायता, आत्मीयता से वंचित रहने पर उपार्जन उपयोग भी एक सीमा तक ही कर पाते हैं। छीन-छपट का एक नया सिलसिला चल पड़ता है। फलतः कड़-वे-मीठे आक्रमण करने वालों, अपने परायों से चमड़ी बचाना तक कठिन हो जाता है।

गुण-अवगुण की कतिपय कसौटियां पार करने के उपरांत इसी निष्कर्ष पर पहुंचना होता है कि एकांगी समृद्धि चमकीले सांप की तरह लगती तो आकर्षक है, पर वह अपने विष-दंश से असीम हानि पहुंचाती हैं। इसके विपरीत व्यक्तित्व को उच्चस्तरीय बनाने का लक्ष्य निर्धारित करने पर घाटा तो इतना ही हो सकता है कि निर्वाह के अनिवार्य साधनों से संतुष्टद रहना पड़े और ठाट-बाट में धनवानों जैसा सरंजाम न जुट सके। इतने पर भी इस मार्ग पर चलते हुए जो संतोष और सम्मान मिलता है, उसका वैयक्तिक एवं सामाजिक मूल्य कुछ कम नहीं है।

वे दिन बहुत पीछे रह गए, जब संपन्नताजन्य ठाट-बाट को, अपव्यय करने वालों को लोग भाग्यवान, बुद्धिमान मानते और नत-मस्तक होते थे। अब मूल्यांकन की कसौटियों में जमीन-आसमान जितना अंतर आ गया है। इन दिनों समाजवादी, साम्यवादी, चिंतन व्यवहार में भले ही स्थान न पा सका हो, अर्थ-दर्शन के रूप में वह पूरी तरह लोक-समर्थन प्राप्त कर रहा है। उस मान्यता के अनुरूप अधिक संग्रही, अधिक विलासी, अधिक अपव्ययी लोग नीतिवान, नहीं समझे जाते। अस्तु उन पर अनीति की कमाई, विलास में उड़ाई की उक्ति के अनुरूप तरह-तरह के लांछन लगाए जाते हैं। वैभव की चकाचौंध तो सभी चाहते हैं, किन्तु इसमें तनिक भी संदेह नहीं कि, वैभववानों की प्रशंसा एवं प्रभावों के दिन लद गए। उन पर हर कोई अनीति उपार्जन का लांछन लगाता है, भले ही वह अनुचित ही क्यों न हो? पुरातन काल में अपना-अपना भाग्य कहकर संतोष कर लिया जाता था, पर अब तो ईर्ष्या के उभार का मौसम है।

समाजवादी प्रतिपादन ने ऐसी ही लोक-दृष्टि का विस्तार किया है और वह अधिकांश जन समुदाय के गले उतर गई है। लोगों के बीच बढ़ी हुई आर्थिक असमानता ने अपराधी दुष्प्रवृत्तियों को इन दिनों अत्यधिक बढ़ावा दिया है। विश्लेषण करने पर इसी नतीजे पर पहुंचना पड़ता है कि दूसरों को प्रभावित करने, उनसे इज्जत पाने का सपना सर्वथा निरर्थक निकला, उल्टे तीन हानियां हुईं, पैसा गया, प्रमाणिकता घटी, संकट बढ़ा और दुगुर्णी दुर्व्यसनों का ऐसा भार अकारण ही लद गया जो व्यक्तित्व का मूल्य गिराता और मनःसंस्थान पर तनाव उत्पन्न करने वाले जंजालों से जकड़ता है।

संचय को उत्तराधिकारियों के लिए छोडड़ा या भोगना उसी हालत में, उसी मात्रा में उचित है, जितने से उनके वयस्क होने तक का गुजारा एवं स्वावलंबन का आधार खड़ा हो सके। ब्याज-भाड़े की कमाई बैठे-बैठे खाते रहने का प्रबंध करना, मुफ्त का माल अनगढ़ पीढ़ी पर छोड़कर चले जाना, उनका हित-साधन नहीं है और न दुलार का परिचय देने वाला तरीका। यह तो विनाश का मार्ग है, जिस पर अभिभावक अनजाने ही दुलार के नाम पर अपनी संतान को धकेलते हैं। यही सब है, उन सफलताओं की परिणिति, जिन्हें भौतिक संपदा कहते हैं, विद्या, बुद्धि, प्रतिभा, कला का पदासीन या प्रतापी होने का लाभ तभी है, जब उनके साथ शालीनता का अनुशासन जकड़ा रहे। उसकी पकड़ ढीली होते ही यह सभी विभूतियां अनुपयुक्त मार्ग पर चल पड़ती हैं। दुर्बलों को दबोचने और उनसे अपना उल्लू सीधा करने के काम आती हैं। मात्र वैभव बड़प्पन का मार्ग तो बारूद का खेल खेलने की तरह है। उसमें फुलझड़ी उड़ती तो दिखती है, पर चिंगारी से जलने और पैसे की बबार्दी होने की हानि भी स्पष्टतः सामने खड़ी रहती है। वैभव का उपार्जन एक बात है और उसके उत्पादन एवं उपयोग में शालीनता का समावेश होना-सर्वथा दूसरी बात। संपदा तो दुधारी तलवार है। यदि उसका अभ्यास एवं प्रयोग सही न हुआ तो उसका होना, न होने से अधिक महंगा पड़ेगा। अविवेकी के हाथ में पड़ा हुआ वैभव तो बंदर के हाथ में तलवार के समान है, जिसने मक्खी मारने का लाभ सोचने पर भी मालिक की नाक काटकर हानि पहुंचाई थी। इन तथ्यों पर विचार करते हुए शांत चित्त से निष्पक्ष न्यायाधीश जैसे विवेक का उपयोग करते हुए यह देखना होगा कि संपदा को प्रमुखता दी जाए या महानता को? निश्चय ही दूरदर्शिता का फैसला महानता की गरिमा स्वीकार करने और उसे उपलब्ध करने के प्रयास में जुट पड़ने का ही होगा।

आतंकवाद का नया कश्मीर

पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल एवं उत्तरी कमान के प्रमुख जनरल रहे दीपेन्द्र सिंह हुड्डा का मानना है कि जम्मू संभाग के इस इलाके में मैदान कम और जंगल ज्यादा, घने हैं। डोडा में जहां आतंकी हमला हुआ, वहां पहाड़ के एक तरफ 200 वर्ग किमी का जंगल है, जबकि हमारा तलाशी अभियान सिर्फ 50 वर्ग किमी में ही चलता रहा है।

-अमित भनोट-

अब डोडा जिले की बारी है। राजौरी-पुंछ, कठुआ और डोडा सभी जम्मू संभाग के हिस्से हैं। बीते तीन सप्ताह के दौरान तीन आतंकी हमले हो चुके हैं। डोडा आतंकी मुठभेड़ में कैप्टन समेत चार सैनिक शहीद हुए हैं। इससे पहले कठुआ में पुलवामा का सारांश सरीखा हमला किया गया था, जिसमें 5 जवान शहीद हुए थे। बीते दो साल में 1 कर्नल, 3 कैप्टन, 5 मेजर समेत 10 अफसर कुर्बान करने पड़े हैं। हालांकि 2005 से 2021 तक जम्मू संभाग बिल्कुल शांत रहा। यह सेना प्रमुख से लेकर सत्ताधारी लोगों का मानना और दावा भी है, लेकिन अब जम्मू आतंकवाद का नया कश्मीर बनता जा रहा है। पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल एवं उत्तरी कमान के प्रमुख जनरल रहे दीपेन्द्र सिंह हुड्डा का मानना है कि जम्मू संभाग के इस इलाके में मैदान कम और जंगल ज्यादा, घने हैं। डोडा में जहां आतंकी हमला हुआ, वहां पहाड़ के एक तरफ 200 वर्ग किमी का जंगल है, जबकि हमारा तलाशी अभियान सिर्फ 50 वर्ग किमी में ही चलता रहा है। कश्मीर में जंगल कम और बर्फ के पहाड़ ज्यादा हैं, लिहाजा आतंकियों पर दूर से भी नजर रखी जा सकती है। जम्मू के लिए हमें नई, आक्रामक रणनीति बनानी चाहिए। कश्मीर घाटी में इतने सुरक्षा बल आज भी हैं कि आतंकी हरकत करने के घंटे-दो घंटे में आतंकियों को ढेर किया जा सकता है। जम्मू में सुरक्षा बल अपेक्षाकृत कम हैं। आतंकी उसी का फायदा उठाकर भाग जाते हैं। जंगल इतने घने हैं कि हेलीकॉप्टर या ड्रोन से आतंकियों के सुराग नहीं लगाए जा सकते। बहरहाल यदि रणनीति बदलनी है, तो वह कब तक बदली जाएगी? अथवा हम शहादतों के आंकड़े गिनते रहेंगे? बेशक हमारे सुरक्षा बलों ने 2023 में 87 आतंकी

और 3 जुलाई, 2024 तक 21 आतंकियों को ढेर किया है, लेकिन इससे क्या फर्क पड़ता है? आतंकी तो मरने के लिए या जेहाद की खातिर सीमा पार करके हमारे जम्मू-कश्मीर में घुसते हैं। उनके साथ मुठभेड़ में या आतंकी हमले में भारत के जो सैनिक शहीद होते हैं, क्या उनका मूल्यांकन किया जा सकता है? क्या उनकी भरपाई की जा सकती है? एक लंबी, थकाऊ ट्रेनिंग और लाखों रुपए खर्च करके औसतन एक सैनिक तैयार किया जाता है। आखिर शहादत का यह सिलसिला कब तक चलेगा? क्या हमारे सैन्य ऑपरेशन आतंकियों और कश्मीर टाइगर्स सरीखे आतंकी गुट को नेस्तनाबूद करने के मद्देनजर संचालित नहीं किए जा सकते? कठुआ वाला हमला भी इसी आतंकी गुट ने किया था। वह संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मुहम्मद का जम्मू-कश्मीर में एक फर्जी, नकली नाम है। कश्मीर टाइगर्स के आतंकी पाकिस्तान में भर्ती होते हैं, वहीं ट्रेनिंग लेते हैं और दिवालिया पाकिस्तान ही उन्हें पैसा देता है। सवाल है कि ऐसे संगठन को जम्मू-कश्मीर की सरजमीं पर ही चित्त क्यों नहीं किया जा सकता? इन आतंकियों के जो मददगार स्थानीय जयचंद हैं, उन्हें भी ढेर क्यों नहीं किया जा सकता? क्या भारत सरकार ने सैनिकों के हाथ बांध रखे हैं? 2021 से अब तक सेना और पुलिस के 52 जवान आतंकी हमलों में जान गंवा चुके हैं। इस पर संतोष किया जा सकता है कि 54 आतंकी भी ढेर किए गए हैं। इस पर क्या कहेंगे कि 70 से अधिक नागरिक भी मारे गए हैं। कश्मीर घाटी का ज्यादातर हिस्सा पाकिस्तान वाली नियंत्रण-रेखा से लगता है, लेकिन डोडा तो नियंत्रण-रेखा के करीब भी नहीं है, फिर वहां तक आतंकियों ने घुसपैठ कैसे की? जम्मू-कश्मीर में बहुत जल्द विधानसभा चुनाव होने हैं। कश्मीरी अपनी सरकार और प्रतिनिधि चुन सकेंगे। लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल होगी। उसके मद्देनजर आतंकवाद बढ़ा है। उसे कुचला जा सकता है। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने जो बयान दिया है और डीजीपी आरआर स्वैन को बर्खास्त करने की मांग की है, वह उनकी कुंठा है, क्योंकि वह पाकपरस्त रही हैं। आखिर स्वैन ने क्या कर दिया या क्या कह दिया? उनके सवाल स्वाभाविक हैं। ऐसी सियासत से जम्मू-कश्मीर का भला नहीं होगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक अनुज शर्मा द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा-201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं 8/527 गली नंबर-4, आदर्श नगर, मोदीनगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित। सभी वाद-विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद होगा।

RNI No. :- UPHIN/2022/82491 (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी) Mob No. 7290036024, Email loktantravani@gmail.com, Website www.loktantravani.com

सीएम योगी का सपा-कांग्रेस पर हमला

❖ बोले- खटाखट करने वालों को 2027 में सफाचट कर देंगे

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी विधानसभा में सपा-कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि इन लोगों ने देश की जनता को ठगने का काम किया है। इन लोगो ने संविधान बदलने की बात कहकर जनता को गुमराह किया है लेकिन काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती है। 2027 के चुनाव में खटाखट करने वालों को हम सफाचट कर देंगे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि केंद्र में मोदी सरकार को 10 साल हो गए लेकिन आज तक संविधान नहीं बदला गया। सपा-कांग्रेस ने प्रदेश की जनता को गुमराह किया है। कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर देश के लोकतंत्र को कुचला था। आज सपा के लोग उन्हीं के साथ मिलकर संविधान बचाने की बात कर रही है। इसका जवाब 2027 में मिलेगा। मुख्यमंत्री बृहस्पतिवार को विधानसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सदन में पेश किए गए 12 हजार 209 करोड़ के अनुपूरक बजट पर चर्चा की और प्रदेश सरकार की विकास योजनाओं का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि कहा कि ये बजट यूपी के सपनों को पूरा करने के लिए आवश्यक है। इस वर्ष पेश किए गए मूल बजट की 40 प्रतिशत राशि को अलग-अलग विभागों के लिए आवंटित कर दिया गया है। वहीं, 20 प्रतिशत खर्च हो चुका है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि ये हमारे प्रयासों का ही परिणाम है कि आज यूपी की अर्थव्यवस्था देश में दूसरे स्थान पर है। राज्य में प्रतिव्यक्ति आय भी बढ़ी है और प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में भी सहायक हुआ है। 2017 के पहले प्रदेश के सामने पहचान का संकट था पर अब प्रदेश निवेशकों की पहली पसंद बन चुका है। उत्तर प्रदेश में निवेश का माहौल बना है यही कारण है कि प्रदेश में 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं जिसमें से 16 से 20 लाख करोड़ रुपये के निवेश को जमीन पर उतारने में हमें सफलता प्राप्त हुई। इससे प्रदेश में सात लाख युवाओं को रोजगार से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ने एक नए भारत का दर्शन कराया है। बीते 10 वर्षों में देश की प्रतिव्यक्ति आय और जीडीपी बढ़ी है। 2014 के पहले भारत विश्व की 10वीं बड़ी अर्थव्यवस्था था जो कि अब विश्व में पांचवे स्थान पर आ गया है। आगे आने वाले तीन वर्षों में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उत्तर प्रदेश का देश की अर्थव्यवस्था के विकास में प्रमुख योगदान हो इसके लिए हम लगातार कार्ययोजना पर काम कर रहे हैं। हमारा विश्वास है कि भारत की विश्व में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में यूपी का बड़ा योगदान होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि युवाओं की ऊर्जा को व्यर्थ नहीं जाने देंगे। उन्होंने कहा कि इस महीने के अंत में 60 हजार पदों पर सिपाही भर्ती की परीक्षा 10 चरणों में आयोजित की जा रही है। परीक्षा पारदर्शी होगी। हम किसी को भी युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ नहीं करने देंगे। पेपर लीक करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा सख्त से सख्त सजा दी जाएगी। बृहस्पतिवार को विधान परिषद में प्रश्न प्रहर के साथ सदन की कार्यवाही प्रारंभ हुई। कार्यवाही के दौरान विपक्ष के सदस्यों ने हंगामा भी किया। सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव ने विधानसभा में हरिशंकर तिवारी का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने गोरखपुर में मूर्ति के लिए बन रहा फाउंडेशन तोड़वा दिया। इस पर सपा सदस्यों ने हंगामा किया।

गोमती नगर में युवती से अभद्रता: मुख्यमंत्री योगी सख्त, पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज, कई अफसर हटे व कई निलंबित

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को लखनऊ के गोमतीनगर में बारिश के बाद हुई शर्मशार करने वाली घटना पर गहरी नाराजगी जताई है। सीएम योगी के निर्देश पर शासन ने मामले में लापरवाही बरतने वाले डीसीपी पूर्वी, एडीसीपी पूर्वी और एसीपी गोमतीनगर के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है, जबकि गोमतीनगर इंस्पेक्टर, समतामूलक चौकी इंचार्ज समेत चौकी के सभी पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट अराजकतत्वों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में रिपोर्ट दर्ज करते हुए अब तक चार आरोपियों को अरेस्ट कर लिया है। वहीं, अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए ताबड़तोड़ छापेमारी की जा रही है। जेसीपी क्राइम आकाश कुलहरि ने कहा कि अब तक 10 आरोपियों की पहचान कर ली गई है। उनकी तलाश में पांच टीमें लगाई गई हैं। सीएम योगी ने मामले का संज्ञान लेते हुए गुरुवार को लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है। उन्होंने घटना पर नाराजगी हाजिर कर लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिये। सीएम योगी की नाराजगी पर पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। साथ ही सीएम के निर्देश पर शासन ने तत्काल प्रभाव से डीसीपी पूर्वी प्रबल प्रताप सिंह, एडीसीपी अमित कुमावत और एसीपी गोमतीनगर अंशु जैन को पद से हटा दिया। इसके साथ ही गोमतीनगर इंस्पेक्टर दीपक कुमार पांडेय, समतामूलक चौकी इंचार्ज ऋषि विवेक, दरोगा कपिल कुमार, सिपाही धर्मवीर और सिपाही वीरेंद्र कुमार को सस्पेंड कर दिया। वहीं आरोपियों की जल्दी गिरफ्तारी के निर्देश दिये गये। लखनऊ पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर ने बताया कि राजधानी में बुधवार तेज बारिश के बाद ताज होटल के निकट गोमतीनगर थाना क्षेत्र में बने अंडरपास के पास जलभराव हो गया। इस दौरान कुछ अराजक तत्वों द्वारा अंडरपास से गुजरने वाले राहगीरों के साथ आपत्तिजनक गतिविधियां करने की सूचना का संज्ञान लेते हुए गोमतीनगर में आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गयी।

गर्मी और उमस के चलते 1-12वीं तक के सभी स्कूलों में दो दिन की छुट्टी, देखें सरकारी आदेश

एटा। उत्तर प्रदेश के एटा में उमस, गर्मी से लोगों का बुरा हाल है। स्कूली बच्चे गर्मी से स्कूलों में बेहोश हो रहे हैं। इसके देखते हुए जिले में कक्षा एक से 12वीं तक के सभी स्कूलों में दो दिन का अवकाश घोषित किया गया है। जिला विद्यालय निरीक्षक ने पत्र जारी करके आदेश दिया है। बताते चलें कि दो दिन पहले गर्मी से एटा में केंद्रीय विद्यालय में सुबह-सुबह 33 बच्चे बेहोश हो गए थे। उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। बाद में डीएम ने स्वास्थ्य टीम को विद्यालय भेजा। वहां पर टीम मे 119 बच्चों की स्वास्थ्य परीक्षण किया। डीप्टी सीएम ने भी घटना पर दुख जताया था। डॉक्टरों की टीम ने बेहोश होने का मुख्य कारण उमस और गर्मी ही बताया था। इसके बाद भी स्कूलों में बच्चों के बेहोश होने की खबरें आईं। गुरुवार को डीएम के निर्देश पर जिला विद्यालय निरीक्षक ने पत्र जारी करके सभी विद्यालयों में छुट्टी घोषित की। हालांकि उन्होंने पत्र में यह साफ कर दिया है कि सभी कार्यालय खुले रहेंगे। साथ ही सरकारी स्कूल खुले रहेंगे। प्रधानाचार्य, शिक्षक, कर्मचारी अपना विभागीय काम निपटाएंगे। दो दिन के बाद यथवत विद्यालय खुलेंगे।

दिल्ली की दो बहनों से दुष्कर्म करने वाला तांत्रिक गिरफ्तार, भूत उतारने के नाम पर बारी-बारी किया दुष्कर्म

मथुरा। दिल्ली की दो बहनों के साथ तांत्रिक ने घिनौना खेल खेला। दोनों बहनों के बहम था कि उन पर किसी आत्मा का साया है। इसलिए वे इलाज कराने तांत्रिक के पास आईं थीं। यहां तांत्रिक दोनों को अलग-अलग कमरे में ले गया और दुष्कर्म किया। पीड़ित बहनों की शिकायत के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली की रहने वाली दो चचेरी बहनों से गोवर्धन के रहने वाले तांत्रिक ने इलाज के नाम पर बलात्कार किया। पीड़िताओं के परिजन ने थाना गोवर्धन में घटना की तहरीर दी है। पीड़ित युवतियों के परिजन का आरोप है कि वे अपनी परिवार की परेशानियों को लेकर 18 जून को तांत्रिक नंदलाल निवासी बस अड्डा के समीप, सैनी मोहल्ला गोवर्धन से मिले तांत्रिक इलाज के नाम पर 20 हजार रुपए लिए और 20 जुलाई को आने को कहा। परिजन के अनुसार 20 जुलाई को वे व्यस्त थे। उन्होंने दो महिलाओं को भेजा, जोकि अपनी बेटियों को लेकर गोवर्धन पहुंची। आरोप है कि तांत्रिक दो अलग अलग कमरों में दोनों चचेरी बहनों को ले गया और बारी बारी से बलात्कार किया। बताने पर तंत्र विद्या से पूरे परिवार को खत्म करने की धमकी भी दी। पीड़िताओं ने कुछ दिन बाद अपने परिजनों को अपने साथ हुई घटना के बारे में जानकारी दी। परिजन ने घटनाक्रम का प्रार्थना पत्र थाना गोवर्धन में दिया है। निरीक्षक अपराध देवेंद्र सिंह ने बताया कि प्रार्थना पत्र के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी तांत्रिक को गिरफ्तार किया गया है।

पहले जहां था हाईकोर्ट, अब वहां खंडपीठ का इंतजार; वकीलों ने जोरदारी से उठाई मांग

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में दीवानी में बुधवार को जनमंच ने बैठक की। अधिवक्ताओं ने कहा कि राज्यसभा सदस्य रामजीलाल सुमन ने सदन में हाईकोर्ट खंडपीठ की स्थापना आगरा में कराने की मांग उठाकर सराहनीय कार्य किया है। लोकसभा में दोनों सांसदों ने अब तक ऐसी मांग नहीं उठाई है। तय किया कि अधिवक्ता तीन अगस्त को आगरा आगमन पर रामजीलाल सुमन का स्वागत करेंगे। यह भी तय हुआ कि जो जनप्रतिनिधि हाईकोर्ट खंडपीठ के मुद्दे पर आवाज नहीं उठा रहे हैं, उनके घर के बाहर ढोल बजाकर उन्हें नींद से जगाने का काम किया जाएगा। अध्यक्षता जनमंच के अध्यक्ष चौधरी अजय सिंह और चौधरी धर्मवीर सिंह ने की। पवन गुप्ता, सत्येंद्र कुमार यादव, ह्रदेश कुमार यादव, अमर सिंह कमल, विनय अग्रवाल, फूल सिंह चौहान, डॉ. राजकुमार, उमेश दीक्षित, चौधरी विशाल सिंह, सतीश शाक्य, अजय शर्मा आदि मौजूद रहे। खंडपीठ आगरा का हक है। दशकों से आगरा के अधिवक्ता जनता के साथ संघर्ष कर रहे हैं। यह मांग अब पूरी होनी चाहिए। -करतार सिंह भारती, वरिष्ठ अधिवक्ता हाईकोर्ट में आगरा मंडल की सबसे ज्यादा केस लंबित हैं। सरकार सस्ते सुलभ न्याय का नारा तो देती है, लेकिन इस और कोई कदम नहीं उठा रही है। -चौधरी अजय सिंह, संयोजक, जनमंच इलाहाबाद हाईकोर्ट के बाद लखनऊ में एक बेंच है। वह सिर्फ सरकारी मामले देखती है। इसके अलावा यूपी में एक भी बेंच नहीं है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बेंच की अत्यंत आवश्यकता है। इसकी स्थापना से गरीब वादकारियों को लाभ मिलेगा। -सुभाष बाबू परमार, अध्यक्ष, आगरा बार एसोसिएशन 40 साल से आंदोलन करते आ रहे हैं। वर्ष 2001 में पूर्व प्रधानमंत्री की फरह में आयोजित सभा में भी आवाज उठाई थी। जब केरल में हाईकोर्ट बेंच बन सकती है तो आगरा में क्यों नहीं बन सकती। बेंच स्थापना तक आंदोलन जारी रहेगा। -ओपी सिंह, अध्यक्ष, डॉ. आंबेडकर बार एसोसिएशन पुलिस आयुक्त जे रविन्दर गौड ने बताया कि मामले में घटना का दिनांक 1 जुलाई से पहले का है। इस कारण आईपीसी में मुकदमा दर्ज किया गया है। इस संबंध में हाईकोर्ट में अपना पक्ष रखा जाएगा। जिन मामलों में अपराध भारतीय न्याय संहिता के लागू होने से पहले हुआ है, उनमें भारतीय दंड संहिता के तहत ही मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। इस संबंध थाना प्रभारी और एसीपी को निर्देशित किया गया है।

अलीगढ़ पहुंची मेमू ट्रेन, तय समय से 20 मिनट पहले ही आ गई, कानपुर सेंट्रल के लिए हुई रवाना

अलीगढ़। कानपुर से चलकर मेमू ट्रेन अपने तय समय से 20 मिनट पहले अलीगढ़ पहुंची। अपने तय समय पर यही ट्रेन अलीगढ़ से कानपुर सेंट्रल के लिए रवाना हुई। ट्रेन का संचालन ट्रॉयल के तौर किया जा रहा है। कानपुर सेंट्रल से अलीगढ़ रेलवे स्टेशन के मध्य आज 1 अगस्त से फास्ट मेमू (04189/04190) विशेष गाड़ी शुरू हुई। गाड़ी कानपुर से 7: 15 बजे अलीगढ़ के प्लेटफार्म नंबर सात पर अपने तय समय 12:40 की जगह 20 मिनट पहले 12: 20 पर पहुंच गई। यह गाड़ी प्लेटफार्म नंबर दो से दोपहर 01: 40 बजे कानपुर के लिए रवाना हो गई। यह गाड़ी पूर्ण रूप से अनारक्षित है। रविवार को छोड़कर सोमवार से शनिवार तक यह सप्ताह में छह दिन यात्रियों को सेवा उपलब्ध कराएगी। फास्ट मेमू कानपुर सेंट्रल से सुबह 7:15 बजे चल कर पनकीधाम, रूरा, झींझक, फफूंद, इटावा, भरथना, शिकोहाबाद, फिरोजाबाद, टूंडला, हाथरस स्टेशन पर ठहराव के साथ अलीगढ़ दोपहर 12.40 बजे पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 04190 फास्ट मेमू अलीगढ़ से दोपहर 13.40 बजे चलकर हाथरस, टूंडला, फिरोजाबाद, शिकोहाबाद, भरथना, इटावा, फफूंद, झींझक, रूरा, पनकीधाम स्टेशन पर रुकते हुए कानपुर सेंट्रल पर शाम 19:45 बजे पहुंचेगी।

ताजनगरी को एक और वंदेभारत का तोहफा

आगरा। ताजनगरी आगरा को एक और वंदेभारत सुपरफास्ट का तोहफा मिला है। कैंट स्टेशन से उदयपुर तक दो सितंबर से वंदेभारत ट्रेन चलेगी। यह सप्ताह में तीन दिन सोमवार, बृहस्पतिवार और शनिवार को चलेगी। पौने नौ घंटे में यह आगरा से उदयपुर तक यात्रियों को पहुंचा देगी। उत्तर पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि उदयपुर से आगरा कैंट के बीच ट्रेन संख्या 20981 का संचालन दो सितंबर से शुरू होगा। ट्रेन उदयपुर से सुबह 5:45 बजे चलेगी जो दोपहर 2:30 बजे आगरा कैंट पहुंचेगी। आगरा कैंट से यह अपराह्न 3 बजे रवाना होगी और रात में 11:45 बजे उदयपुर पहुंचेगी। सप्ताह में तीन दिन सोमवार, बृहस्पतिवार और शनिवार को यह उदयपुर-आगरा के बीच चलेगी, जबकि अन्य तीन दिन बुधवार, शुक्रवार और रविवार को यह जयपुर-उदयपुर के बीच ही चलेगी। रेलवे ने इस ट्रेन को जयपुर और उदयपुर के बीच ही चलाया था, पर इसे यात्री नहीं मिले। इस पर इसे आगरा कैंट तक शुरू किया जा रहा है। यह ट्रेन राणा प्रताप नगर, मावली, चंदेरिया, कोटा, सवाई माधोपुर व गंगापुर सिटी स्टेशन पर रुकेगी। रेलवे ने अभी इस ट्रेन का किराया तय नहीं किया है।

खाना बनाते समय दो सिलेंडरों में लगी आग, धमाके में छह लोग झुलसे; सामान जलकर राख

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा में गुरुवार को दो सिलेंडरों से घर में आग लग गई। हादसे में छह लोग झुलस गए। धमाका सुना तो आसपास के लोग भागकर पहुंचे। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। घायलों को आनन फानन अस्पताल पहुंचाया गया। घटना छाता थाना क्षेत्र के ओल्ड जीटी रोड स्थित नई तहसील के सामने हरिजन पाड़ा की है। सुबह करीब 11 बजे खाना बनाते समय सिलेंडर में आग लग गई। आग ने पास में ही रखे दूसरे सिलेंडर पर पकड़ ली।

ट्रेन के आगे खड़ी हो गईं दो सहेलियां: हॉर्न बजाता रहा चालक, नहीं हटीं, हुई दर्दनाक मौत

अलीगढ़। 31 जुलाई की देर शाम थाना महुआ खेड़ा क्षेत्र के दाऊद खान एवं न्यू दाऊद खान रेलवे स्टेशन के मध्य दिल्ली-रांची राजधानी एक्सप्रेस के सामने एलएलबी वह बीएससी प्रथम वर्ष की दो छात्राएं एक दूसरे का हाथ पकड़ कर खड़ी हो गईं। चालक हॉर्न बजाता रहा लेकिन वह ट्रैक से नहीं हटीं। ट्रेन से कटकर दोनों की मौत हो गई। शव भी टुकड़ों में बट गए थे। हादसे के बाद ट्रेन 35 मिनट तक खड़ी रही। रात करीब नौ बजे इनकी पहचान थाना महुआ खेड़ा क्षेत्र के कोंछोड़ निवासी सुल्तान सिंह कुशवाहा की 20 वर्षीय बेटी तनु व गांधी पार्क के नगला माली के ज्ञान बाबू उर्फ ज्ञानवीर की 22 वर्षीय पुत्री खुशबू के रूप में हुई। तनु बीएससी जबकि खुशबू एलएलबी प्रथम वर्ष की छात्रा थी। दोनों सहेलियां बताई जा रही हैं। एसपी सिटी ने बताया कि दोनों के बीच समलैंगिक रिश्ते की बात भी सामने आ रही है। परिजनों के अनुसार दोनों 31 जुलाई की सुबह से ही साथ थीं, अब वह घर से इतनी दूर रेलवे ट्रैक पर कैसे पहुंची इसकी जानकारी उन लोगों को नहीं है। उन्हें जो बताया गया है उसके मुताबिक शाम करीब छह बजे खंबा संख्या 1318-10 के मध्य गांव हाजीपुर के सामने दाऊद खान एवं न्यू दाऊद खान रेलवे स्टेशन के मध्य दिल्ली से रांची जा रही राजधानी एक्सप्रेस से कटकर दोनों की मौत हुई है। यह हादसा है या आत्महत्या इसके बारे में किसी को कुछ नहीं पता। वहीं राजधानी एक्सप्रेस के चालक ने टूंडला के कंट्रोल रूम को जो जानकारी दी थी उसके मुताबिक यह दोनों छात्राएं एक दूसरे का हाथ पकड़ कर ट्रैक पर खड़ी थी। कई दफा हॉर्न भी बजाया लेकिन वह हटी नहीं। जिससे दोनों की कटकर मौत हो गई । प्रभारी निरीक्षक महुआ खेड़ा ने बताया कि प्रथम दृष्टि या मामला आत्महत्या से जुड़ा हुआ है। दोनों छात्राओं ने एक साथ क्यों इस तरह का कदम उठाया, इसकी जांच की जा रही है।

कांवड़ियों पर आसमान से हुई पुष्प वर्षा, डीएम और एसएसपी ने हेलीकॉप्टर से बरसाए फूल

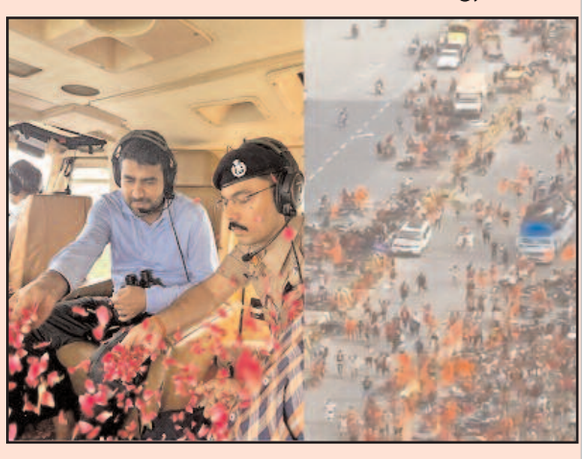

लखनऊ/मेरठ। पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ में गुरुवार को कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई। डीएम और एसएसपी ने हेलीकॉप्टर से शिव भक्तों पर फूल बरसाए। मेरठ के ऐतिहासिक औघड़नाथ मंदिर, दिल्ली देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग, पल्लवपुरम, सिवाय टोल प्लाजा पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई। हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा देखकर कांवड़िए गदगद हो गए। पुष्प वर्षा से खुश शिव भक्तों ने भगवान भोलेनाथ और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए नारे भी लगाए।

उल्लेखनीय है कि मेरठ में एक दिन पहले भी बुलडोजर से पुष्प वर्षा की गई थी। इसके बाद अब हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई है। पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों की माने तो कांवड़ियों की सुविधा का पूरा ख्याल रखा जा रहा है। साथ ही सुरक्षा के भी चाक चौबंद बंदोबस्त किए गए हैं। पुष्प वर्षा से खुश कांवड़ियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद देते हुए कहा कि समूचे कांवड़ मार्ग में बहुत अच्छी व्यवस्थाएं की गई हैं।

कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा जिलाधिकारी दीपक मीणा और एसएसपी विपिन ताड़ा की ओर से की गई। हेलीकॉप्टर पुलिस लाइन से उड़ा और फिर बाबा औघड़नाथ मंदिर पल्लवपुरम, बागपत फ्लाईओवर, सिवाया टोल, दौराला, सकौती सहित पूरे एनएच58 मार्ग पर कांवड़ियों पर फूल बरसाए गए। हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा के दौरान कावड़ मार्ग का हवाई सर्वेक्षण भी किया गया है।

बरेली में बवाल: फरीदपुर में दो पक्षों के बीच जमकर हुआ पथराव, बुजुर्ग की हत्या

बरेली। बरेली के फरीदपुर कस्बे के मोहल्ला मिर्धान में मामूली कहासुनी के बाद दो पक्षों में बवाल हो गया। इस दौरान जमकर ईंट-पत्थर व लाठी-डंडे चले। इसमें एक वृद्धा की मौत हो गई, जबकि दोनों पक्षों के चार लोग घायल हो गए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने एक पक्ष की तहरीर पर दूसरे पक्ष के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

नूर बानो ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि मोहल्ले के ही फरजंद अली, इसरार, आरिफ, शान मोहम्मद, आविया एकजुट होकर उसके मकान पर आकर गालियां देते हुए ललकारने लगे। पति बाबू व उनके भाई सबुद्दीन ने इसका विरोध किया तो सभी ने लाठी-डंडों से मारना-पीटना शुरू कर दिया। आरोपियों ने अपने मकान से जमकर ईंट-पत्थर फेंके। अंधाधुंध पथराव के बीच महिला की वृद्ध सास वुनक्का (65) अपने बेटे को बचाने आईं, तब आरोपियों ने उनके सिर पर ईंट मार दी। इससे वह अचेत होकर जमीन पर गिर गईं। आरोपी उन्हें मृत मानकर मौके से भाग गए। परिजन वृद्धा को लेकर थाने लेकर पहुचे। पुलिस ने उन्हें सीएचसी भिजवाया। वहां डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर किया। देर रात महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। बाबू को भी गंभीर चोटें आई हैं। वहीं, दूसरे पक्ष का आरोप है कि उन्हें भी चोटें आई हैं।

पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। - **रामसेवक, इंस्पेक्टर**

हरिशंकर तिवारी की प्रतिमा के चबूतरे पर चला पीला पंजा तो भड़के अखिलेश यादव

गोरखपुर। गोरखपुर में पूर्व मंत्री स्वर्गीय पंडित हरिशंकर तिवारी की जयंती पर उनकी प्रतिमा लगाने के लिए बन रहे चबूतरे को प्रशासन ने बुलडोजर से गिरा दिया। इस पर अखिलेश यादव भड़क गए। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि अब तक भाजपा का बुलडोजर दुकान और मकान पर चलता था, लेकिन अब दिवंगतों के मान-सम्मान पर भी बुलडोजर चलने लगा है। पूर्व मंत्री स्वर्गीय पंडित हरिशंकर तिवारी के पैतृक गांव टाड़ा में उनकी प्रतिमा लगाने के लिए बनाए जा रहे चबूतरे को बुधवार दोपहर में प्रशासन ने बुलडोजर से ढहा दिया। इस कार्रवाई पर हरिशंकर तिवारी के बेटे विनय शंकर ने नाराजगी व्यक्त की है। उधर, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी योगी सरकार पर निशाना साधा है। अखिलेश ने कहा कि अब तक भाजपा का बुलडोजर मकान-दुकान पर चलता था, लेकिन अब यह दिवंगतों के मान-सम्मान पर भी चलने लग गया है। एसडीएम गोला के नेतृत्व में कार्रवाई करने गई टीम को ग्रामीणों का विरोध भी झेलना पड़ा। काफी देर तक प्रशासन और ग्रामीणों के बीच नोकझोंक होती रही। प्रशासन का कहना है कि बिना अनुमति सार्वजनिक भूमि पर प्रतिमा लगाई जा रही थी। जानकारी के अनुसार, पांच अगस्त को पंडित हरिशंकर तिवारी की 88वीं जयंती है। इसे लेकर क्षेत्र के उद्योगपति प्रेम सागर तिवारी, ग्राम प्रधान दयाशंकर तिवारी, राहुल तिवारी, मोनू समेत अन्य लोगों के सुझाव पर टाड़ा गांव के प्रवेश द्वार के बगल में निजी खर्च से पूर्व मंत्री की प्रतिमा स्थापित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने का निर्णय लिया गया था। ग्राम प्रधान दयाशंकर तिवारी की मानें तो ग्राम पंचायत ने उस स्थान पर प्रतिमा लगाने के लिए सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया था। इसी बीच 21 जुलाई को टांडा गांव के डॉ. राजा वशिष्ठ त्रिपाठी ने उपजिलाधिकारी गोला को पत्रक देकर सार्वजनिक भूमि पर प्रतिमा स्थापना करने पर विरोध जताया। उन्होंने पत्र की कॉपी मुख्य सचिव, कमिश्नर, जिलाधिकारी, एसएसपी, सीओ गोला के साथ प्रभारी निरीक्षक बड़हलगंज को भी भेजी थी।

इधर, प्रतिमा स्थापित करने के लिए चबूतरे का निर्माण शुरू हो गया। शिकायत को देखते हुए ग्राम प्रधान दयाशंकर तिवारी समेत ग्रामीणों ने 29 जुलाई को डीएम से मुलाकात की और ग्राम पंचायत व भूमि प्रबंधन समिति का प्रस्ताव सौंपकर प्रतिमा स्थापना की अनुमति मांगी।

अलर्ट पर मुखिया: केदारनाथ में श्रद्धालुओं की कटी काली रात, सुबह सीएम को अपने बीच पाकर मिली राहत और रास्ता भी

देहरादून। बाबा केदार के धाम पहुंचे श्रद्धालुओं के लिए बीती रात बड़ी कठिन और काली रात थी। रास्ते बंद होने से उनके सामने मुश्किल थी, कि कैसे वह बाहर निकल पाएंगे, लेकिन सुबह सीएम को अपने बीच पाकर उन्हें ये आश्वासन मिला कि प्रदेश का मुखिया उनके साथ है और उन्हें सुरक्षित पहुंचाया जाएगा। उत्तराखंड में भारी बारिश और बादल फटने की घटना से लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। दस लोगों की भी जान चली गई। वहीं बादल फटने से केदारनाथ पैदल मार्ग पर कई श्रद्धालु फंसे थे। प्रदेश के मुखिया सीएम धामी अलर्ट दिखे तो अधिकारी भी सतर्क नजर आए। केदारनाथ में फंसे श्रद्धालुओं तक रात में राहत सामग्री पहुंचाई गई, वहीं सीएम धामी सुबह से ही प्रदेश के अलग-अलग जनपदों हवाई एवं स्थलीय निरीक्षण करने पहुंचे। केदारनाथ में फंसे श्रद्धालुओं ने सीएम धामी को अपने बीच पाया तो राहत की सांस ली। संकट में फंसे होने के बावजूद श्रद्धालु सीएम धामी के कार्यों की सराहना करने लगे। सीएम ने भी सभी यात्रियों से उनका हालचाल जाना और आश्वस्त किया कि उन्हें सुरक्षित पहुंचाने की जिम्मेदारी प्रदेश सरकार की है। सीएम ने रात में ही पहले फोन पर जाना श्रद्धालुओं का हालचाल जाना, फिर सुबह यात्रियों के बीच पहुंचे। गुजरात, पंजाब के तीर्थयात्री से सीएम ने पूछा कि सभी ने केदारनाथ के दर्शन अच्छे से किए तो श्रद्धालु बोले कि बाबा के दर्शन के साथ ही आपके भी दर्शन हो गए। केदारनाथ पैदल मार्ग पर बादल फटने से यहां कई श्रद्धालु फंस गए थे। बीती रात को ही करीब 200 श्रद्धालुओं को जीएमवीएन में ठहराया गया।

एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

टिहरी। उत्तराखंड के टिहरी में भिलंगना ब्लॉक के नौताड़ तोक में बादल फटने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। बारिश और भूस्खलन ने यहां भारी तबाही मचाई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी यहां क्षेत्र में प्रभावितों का हाल जानने पहुंचे। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी बृजेश भट्ट ने बताया कि नौताड़ तोक में एक होटल बह गया। जिसमें होटल स्वामी भानु प्रसाद(50), उनकी पत्नी नीलम देवी(45) व पुत्र विपिन(28) लापता थे। रेस्क्यू अभियान के दौरान भानु और उनकी पत्नी नीलम का शव घटनास्थल से 100 मीटर दूरी पर बरामद कर लिया गया है।

वहीं, लापता युवक विपिन घायल अवस्था में मिला है। मलबा मुंह में भर जाने के कारण विपिन को सीने में तकलीफ और सांस लेने में कठिनाई हो रही थी। रात दो बजे विपिन को पिलखी से एम्स ले जाया गया। सभी आपातकालीन प्रयास और उपचार देने के बावजूद विपिन को बचाया नहीं जा सका। विपिन ने डैम टॉप के निकट दम तोड़ दिया। उसकी बॉडी को डीएच बौराड़ी में लाया गया है।

बता दें कि 31 जुलाई 2014 की रात को भी भिलंगना ब्लॉक के जखन्याली गांव के नौताड़ तोक में बादल फटने से पांच लोग मालबे में जिंदा दफन हो गए थे। उस दौरान भी कई अन्य घरों में मालबा घुसने से नौताड़ जनधन का भारी नुकसान हुआ था। 10 साल बाद फिर 31 जुलाई 2024 रात को बादल फटने से नौताड़ तोक में रह रहे एक ही परिवार के तीन लोग मौत के मुंह में समा गए हैं नौताड़ तोक में बादल फटने के बाद नुकसान को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जखन्याली ग्राम पंचायत की प्रधान के पति दीपक श्रीयाल से मोबाइल पर बात की। घटना में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत पर मुख्यमंत्री ने गहरा दुख व्यक्त किया। ग्रामीणों को हर संभव मदद का भरोसा दिया। मुख्यमंत्री ने पूछा घटना के कितने देर बाद एसडीआरएफ, पुलिस और प्रशासन के अधिकारी पहुंचे।

निर्मला सीतारमण ने विपक्ष पर लगाए गंभीर आरोप

किसी भी राज्य को धन देने से इनकार नहीं किया गया

❖ राहुल से पूछा- राजीव गांधी फाउंडेशन में SC कितने?

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि केंद्रीय बजट में किसी भी राज्य की अनदेखी नहीं की गई है। उन्होंने विपक्षी नेताओं के उस दावे को भ्रामक बताया कि यदि बजट भाषण में किसी राज्य का नाम नहीं लिया जाता, तो उसे कोई बजटीय आवंटन नहीं मिलता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने और विदेशी निवेशकों को यह संदेश देने की साजिश की जा रही है कि देश निवेश के लिए सुरक्षित नहीं है। लोकसभा में बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए सीतारमण ने कहा कि किसी भी राज्य को धन देने से इनकार नहीं किया गया है। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व की यूपीए सरकार के बजट भाषण में भी सभी राज्यों के नामों का उल्लेख नहीं किया गया था। उन्होंने कहा, मैंने 2004 से 2008 तक के सभी बजट भाषण सुने। किसी में भी सभी राज्यों के नाम नहीं थे। 2004-05 में 17 राज्यों का नाम नहीं लिया गया था। मैं तत्कालीन यूपीए सरकार के सदस्यों से पूछती हूं कि क्या उन 17 राज्यों को पैसा नहीं दिया गया? क्या उन्होंने इसे रोक दिया? कई विपक्षी सदस्यों ने दावा किया था, सिर्फ बिहार व आंध्र प्रदेश के लिए फंड दिए गए, अन्य राज्यों को कुछ भी नहीं मिला। निर्मला इन्हीं टिप्पणियों का जवाब दे रही थीं। उन्होंने कहा, भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली वैश्विक अर्थव्यवस्था है। भारी पूंजीगत खर्च के कारण महामारी के बाद के प्रभावों पर काबू पा लिया गया है। सरकार राजकोषीय घाटे के लक्ष्य का अनुपालन कर रही है। यह चालू वित्त वर्ष के लिए लक्षित 4.9% से 2025-26 तक घाटे को 4.5% से नीचे ले आएगा। 2023-24 में घाटा 5.6 फीसदी था। निर्मला ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर हमला करते हुए पूछा, राजीव गांधी फाउंडेशन में कितने एससी हैं? कुल नौ लोग हैं, मगर एससी कोई नहीं है।

राजीव गांधी चैरिटेबल ट्रस्ट के बोर्ड ऑफ ट्रस्टी में 5 लोग हैं, वहां भी कोई एससी नहीं है। राहुल ने दावा किया था कि बजट बनाने वाले 20 अफसरों में से एससी एक भी नहीं है। वित्त मंत्री ने जवाहरलाल नेहरू का एक कोट पढ़ा, जिसमें उन्होंने आरक्षण का विरोध किया था। उन्होंने कहा, मंडल कमीशन की रिपोर्ट को इंदिरा सरकार ने किनारे कर दिया था। यह वही कांग्रेस है, जिसका नारा था...न जात पर न पात पर मुहर लगेगी हाथ पर। और आज फोटो दिखाकर ओबीसी, एससी, एसटी के बारे में पूछा जा रहा है। निर्मला ने कहा, पूर्व पीएम राजीव गांधी ने एक इंटरव्यू में कहा था, आरक्षण के नाम पर मूर्खों को प्रोन्नत नहीं किया जाएगा। (नो प्रमोशन ऑफ इडियट्स इन द नेम ऑफ रिजर्वेशन।) वित्तमंत्री ने कहा, ग्रामीण विकास के लिए इस वर्ष 2.66 लाख करोड़ रखे गए हैं। यह पिछले साल से 11.7% ज्यादा है। यूपीए के समय शहरी विकास के लिए 2013-14 में सिर्फ 12,000 करोड़ रुपये था। वित्तमंत्री ने कहा कि सामाजिक समावेशिता और भौगोलिक समावेशिता बजट के दो मुख्य फोकस हैं। व्यय में तेजी से वृद्धि हुई है। यह अब 48.23 लाख करोड़ रुपये है।

स्वास्थ्य क्षेत्र : खर्च 72,000 करोड़ से बढ़कर 1.46 लाख करोड़ रुपये हो गया है। बजट में पिछले साल की तुलना में कहीं भी कम आवंटन नहीं किया गया है।

पूंजीगत व्यय : वित्त मंत्री ने कहा, 48.21 लाख करोड़ के बजट में से पूंजीगत व्यय के लिए 11.11 लाख करोड़ आवंटित किए हैं।

तथ्य : 2014 से 2023 तक 12.5 करोड़ नौकरियां

वित्तमंत्री ने कहा, जुलाई में जारी एसबीआई रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने 2014 से 2023 के बीच 12.5 करोड़ नौकरियां पैदा कीं। यूपीए सरकार के 10 साल के दौरान यह संख्या सिर्फ 2.9 करोड़ थी। कोरोना के बाद बेरोजगारी दर घटी है। यह 2017-18 में 6% से 2022-23 में 3.2% के निचले स्तर पर आ गई है। 15-29 वर्ष के आयु वर्ग के लिए युवा बेरोजगारी 2017-18 में 17.8% से 2022-23 में 10 फीसदी हो गई। वित्तमंत्री ने कहा कि बिना विरोध के कोई भी बहस नहीं होती। पीएम बोलने के लिए खड़े हुए तो सबसे अधिक व्यवधान हुआ। अफसोस है कि सवाल करने वालों को जवाब नहीं सुनना।

जीवन की अनिश्चितताओं पर कर लगाने जैसाः जानें किस चीज पर टैक्स के खिलाफ गडकरी

❖ वित्त मंत्री को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली। दोनों सदनों में बजट 2024 पर हंगामा जारी है। इस बीच, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को एक पत्र लिखा है। उन्होंने वित्त मंत्री से जीवन एवं चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत की दर से वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) हटाने का अनुरोध किया है। बता दें, नागपुर मंडल जीवन बीमा निगम कर्मचारी संघ ने गडकरी को बीमा उद्योग के मुद्दों के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा था। इसी को लेकर उन्होंने वित्त मंत्री को पत्र लिखने का फैसला लिया।

जीवन की अनिश्चितताओं पर कर लगाने के बराबर...

ज्ञापन का हवाला देते हुए परिवहन मंत्री ने कहा, जीवन बीमा प्रीमियम पर जीएसटी लगाना जीवन की अनिश्चितताओं पर कर लगाने के बराबर है। कर्मचारी संघ का मानना है कि जो व्यक्ति परिवार को सुरक्षा देने के लिए जीवन की अनिश्चितताओं के जोखिम को कवर करता है, उससे कवर खरीदने के लिए प्रीमियम पर कर नहीं लेना चाहिए।

दोनों पर 18 प्रतिशत जीएसटी दर लागू

उन्होंने कहा कि इसके अलावा कर्मचारी संघ द्वारा उठाया गया मुख्य मुद्दा जीवन तथा चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर जीएसटी को हटाने से संबंधित है। जीवन बीमा और चिकित्सा बीमा प्रीमियम दोनों पर 18 प्रतिशत जीएसटी दर लागू है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह बोझिल हो जाएगा

उन्होंने कहा, इसी प्रकार चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत जीएसटी इस व्यवसाय खंड के विकास में बाधक साबित हो रहा है, जो सामाजिक रूप से आवश्यक है। इसलिए आपसे अनुरोध है कि जीवन तथा चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर जीएसटी हटाने के सुझाव पर प्राथमिकता से विचार करें, क्योंकि नियमों के अनुसार उचित सत्यापन के बाद वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह बोझिल हो जाएगा।

भारत स्वदेशी तकनीक से बुलेट ट्रेन विकसित करने पर काम कर रहा है : वैष्णव

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत स्वदेशी तकनीक से देश में बुलेट ट्रेन विकसित करने पर काम कर रहा है। वैष्णव ने लोकसभा में एक पूरक प्रश्न के उत्तर में कहा कि बुलेट ट्रेन परियोजना तकनीकी रूप से बहुत जटिल है और इसे जापान की मदद से क्रियान्वित किया जा रहा है। पहली बुलेट ट्रेन परियोजना अहमदाबाद और मुंबई के बीच निमार्णाधीन है।

वैष्णव ने कहा कि बुलेट ट्रेन दो पश्चिमी शहरों के बीच कुल 508 किलोमीटर की दूरी तय करेगी, जिसमें से 320 किलोमीटर हिस्से पर काम जोरों पर चल रहा है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र वाले हिस्से में काम धीमा हो गया था, लेकिन 2022 में भाजपा-शिवसेना-राकांपा की महायुति सरकार के सत्ता में आने के बाद इसमें तेजी आई और राज्य सरकार से सभी प्रासंगिक अनुमतियां मिल गई हैं। उन्होंने कहा, अब काम बहुत तेजी से चल रहा है। मंत्री ने कहा कि समुद्र के नीचे भारत की पहली रेल सुरंग का निर्माण चल रहा है, जो 21 किलोमीटर लंबी होगी। उन्होंने कहा कि शुरूआत में भारत को बुलेट ट्रेन की तकनीक विदेशों से मिली थी, लेकिन अब देश में भी कई तकनीकें विकसित हो चुकी हैं। उन्होंने कहा, हम पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक से बुलेट ट्रेन विकसित करने और आत्मनिर्भर बनने पर काम कर रहे हैं।

सीएम रेवंत रेड्डी ने लॉन्च किया फसल ऋण माफी का दूसरा चरण, छह लाख से ज्यादा किसान होंगे लाभान्वित

नई दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आज अपनी सरकार की फसल ऋण माफी योजना का दूसरा चरण लॉन्च किया है। जानकारी के मुताबिक इस योजना के तहत 6,198 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं, जिससे छह लाख 40 हजार किसान परिवारों को लाभ होगा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने विधानसभा परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में कर्जमाफी के लिए धन वितरण के दूसरे चरण की शुरूआत की। बता दें कि 18 जुलाई को पहले चरण में एक लाख रुपये तक के कर्जदार किसानों के कर्ज माफ किए गए थे, जबकि दूसरे चरण में 1.50 लाख रुपये तक के कर्ज माफ किए जा रहे हैं। इस मौके पर सीएम रेवंत रेड्डी ने याद दिलाया कि कांग्रेस ने 2022 में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की मौजूदगी में वारंगल में आयोजित एक सार्वजनिक बैठक में रायथु घोषणा के रूप में वादा किया था कि किसानों की मदद के लिए दो लाख रुपये तक के ऋण माफ किए जाएंगे।

यूपीए सरकार ने किसानों को लागत पर 50% लाभ देने से किया था इनकार, कृषि मंत्री ने लगाया बड़ा आरोप

नई दिल्ली। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को लोकसभा में कांग्रेस के नेतृत्व वाली पिछली यूपीए सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि साल 2006 में में स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट आई थी, जिसमें कहा गया था कि किसानों की लागत में 50 % लाभ जोड़कर मिनिमम सपोर्ट प्राइज तय किया जाए, लेकिन उस समय की यूपीए सरकार ने इसे देने से इनकार कर दिया था।

बता दें कि लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने 2020-21 के किसान विरोध प्रदर्शन से संबंधित एक पूरक प्रश्न पूछा और कहा कि आंदोलन के दौरान लगभग 750 किसानों की जान चली गई। उन्होंने पूछा कि क्या सरकार केंद्र के तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर साल भर चले विरोध प्रदर्शन के दौरान अपनी जान गंवाने वालों के परिजनों को नौकरी देने पर विचार कर रही है। इस सवाल के जवाब में शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह प्रश्न मुख्य प्रश्न से संबंधित नहीं था, जो किसानों के सामने आने वाले मुद्दों पर था। उन्होंने कहा, सरकार किसानों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कृषि मंत्रालय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों की आय बढ़ाने के लिए हमने 6 सूत्रीय रणनीति बनाई है। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने से इनकार कर दिया था, जिसमें किसानों को उनकी लागत पर 50 प्रतिशत लाभ देने का सुझाव दिया गया था। उन्होंने कहा, कि स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट 2006 में आई थी और उसमें कहा गया था कि फसलों के लिए एमएसपी की गणना में लागत पर 50 प्रतिशत लाभ जोड़ा जाना चाहिए।

निपाह-कोविड 19 जैसी महामारियों का जन्म गैर-मानवीय स्त्रोतों से हुआ, राज्य सभा में बोले जेपी नड्डा

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने राज्य सभा में निपाह वायरस से जुड़ी हुई महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा कि निपाह और कोविड-19 जैसी महामारी गैर-मानवीय स्त्रोत से उपजीं हैं। ये बीमारियां जीव-जंतुओं के संपर्क में आने के बाद इंसानों के बीच फैलीं हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी उभरती बीमारियों से निपटने के लिए मानव, जीव-जंतुओं और पर्यावरणीय स्वास्थ्य का ध्यान रखना आवश्यक है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने बताया है कि बीते कुछ दशकों से कई महामारियों और संक्रामक रोगों की उत्पत्ति जीव-जंतुओं के संपर्क में आने से हुई है। इस वजह से स्वास्थ्य के क्षेत्र में ऐसी आपातकालीन स्थितियां सामने आईं हैं, जो वैश्विक स्तर पर चिंता का सबब बनीं हैं। जेपी नड्डा ने ऐसे संक्रामक रोगों और महामारियों के उदाहरण भी दिए। उन्होंने बताया कि वर्ष 2011 में बांग्लादेश और भारत में निपाह वायरस का प्रकोप फैला। इसके अलावा वर्ष 2002-03 में हांगकांग में सार्स (रअफ्र), वर्ष 2005 में एच5एन1, 2009 में एच1एन1, 2012 में एमईआरएस (टएफ्र), 2014 में जीका वायरस और 2019 में कोविड-19 महामारियां फैलीं। नड्डा ने कहा, इन महामारियों की उत्पत्ति गैर मानवीय स्त्रोत से हुई है। जीव-जंतुओं के संपर्क में आने से इंसानों तक ये बीमारियां फैल गईं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन बीमारियों से निपटने के लिए एक स्वास्थ्य दृष्टिकोण (डल्ली ली’इँ ‘स्त्रस्त्र१ड्ढँ) की महत्ता को समझना जरूरी है। आपको बता दें कि वर्ष 2022 के जुलाई महीने में प्रधानमंत्री के विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सलाहकार परिषद (पीएम-एसटीआईएसी) ने एक स्वास्थ्य मिशन की स्थापना की सिफारिश की थी। इसका उद्देश्य देश में सभी मौजूदा एक स्वास्थ्य गतिविधियों का एकीकरण करना था। इस तरह से, राष्ट्रीय एक स्वास्थ्य मिशन (एनओएचएम), अलग-अलग मंत्रालयों और विभागों को ऐसी बीमारियों से लड़ने के लिए एक सामूहिक प्रयास है। जेपी नड्डा ने इस बात पर जोर दिया कि नई और अभरती हुई बीमारियों से निपटने के लिए एनओएचएम का मुख्य स्तंभ आधुनिक तकनीक से लैस एकीकृत निगरानी तंत्र है।

राज्यसभा में उठी प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा में संस्कृत को अनिवार्य विषय बनाए जाने की मांग

नई दिल्ली। राज्यसभा में संस्कृत की उपेक्षा पर चिंता प्रकट करते हुए इस प्राचीन भाषा को प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा में अनिवार्य विषय बनाने और विश्वविद्यालयों में इसके पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने तथा शोध के लिए विशेष अनुदान देने की मांग उठी। उत्तर प्रदेश से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य दिनेश शर्मा ने शून्यकाल में इस मुद्दे को उठाते हुए सरकार से संस्कृत साहित्य के डिजिटल स्वरूप का प्रचार-प्रसार करने, संस्कृत ग्रंथों के ऑनलाइन कोर्स आरंभ करने और इस भाषा में नाटकों, गीत और संगीत कार्यक्रमों के आयोजन को बढ़ावा देने की भी गुजारिश की। संस्कृत भाषा को देश की सांस्कृतिक धरोहर और अद्वितीय स्त्रोत करार देते हुए शर्मा ने कहा कि इसका साहित्य अत्यंत समृद्ध और विविधतापूर्ण है और यहां तक कि वेद, उपनिषद, महाभारत, रामायण जैसे अनेक ग्रंथ भी संस्कृत में ही लिखे गए हैं।

लोकसभा चुनाव के झटके से मोदी सरकार ने नहीं लिया सबक, सोनिया गांधी का तंज; कहा- माहौल कांग्रेस के पक्ष में

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पार्टी को आगामी विधानसभा चुनावों के लिए जीत का मंत्र दिया। सोनिया ने कहा कि इस वक्त माहौल कांग्रेस के पक्ष में है, लेकिन इस गति को बनाए रखना और लोकसभा चुनाव में पार्टी ने जो साख बनाई है, उसे बरकरार रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा, हमें लगता था कि मोदी सरकार लोकसभा चुनाव में लगे बड़े झटके से सही सबक लेगी। इसके बजाय, वह समुदायों को विभाजित करने और भय और शत्रुता फैलाने की अपनी नीति पर कायम है। सोनिया ने कहा कि हमें बिल्कुल भी लापरवाह नहीं होना है।

न ही हमें अति-आत्मविश्वास से भरना है। मैं यह कह सकती हूं कि अगर हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे तो लोकसभा चुनाव में जैसा माहौल दिखा उस आधार पर राष्ट्रीय राजनीति अब बदलने जा रही है। सोनिया गांधी ने उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा के मार्ग में दुकानदारों के नाम प्रदर्शित करने के शासनादेश से जुड़े विवाद का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए कहा कि सौभाग्य से उच्चतम न्यायालय ने सही समय पर हस्तक्षेप किया, लेकिन यह केवल एक अस्थायी राहत हो सकती है। उन्होंने दावा किया, नौकरशाही को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों में भाग लेने की अनुमति देने के लिए नियमों को अचानक बदल दिया गया। यह संगठन खुद को एक सांस्कृतिक संगठन कहता है, लेकिन पूरी दुनिया जानती है कि यह भाजपा का राजनीतिक और वैचारिक आधार है। सोनिया गांधी ने महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव तथा जम्मू-कश्मीर में भी विधानसभा चुनाव की संभावना के मद्देनजर पार्टी नेताओं में जोश भरने का प्रयास किया। उन्होंने कहा, कुछ ही महीनों में चार राज्यों में चुनाव होने हैं। हमें लोकसभा चुनाव में बनी स्थिति को बरकरार रखना चाहिए। हमें आत्मसंतुष्ट और अति आत्मविश्वासी नहीं बनना चाहिए।

लोकसभा में अनुराग ठाकुर के भाषण के मुरीद हुए प्रधानमंत्री मोदी, कहा- इसे जरूर सुनें

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर आजकल काफी चर्चाओं में हैं। दरअसल, मंगलवार को उन्होंने लोकसभा में भाषण दिया। इस दौरान उनकी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के साथ तीखी बहस हुई। कांग्रेस नेता पर पलटवार करते हुए भाजपा सांसद ने यह तक कह दिया कि एक नेता ने खड़े होकर कमल पर कटाक्ष किया, लेकिन कमल का नाम तो राजीव भी है।

ऐसे में जोरदार हंगामा हुआ। हालांकि, अब ठाकुर के बयान के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुरीद हो गए हैं। उन्होंने पूर्व केंद्रीय मंत्री के भाषण का वीडियो साझा करते हुए लिखा कि विपक्षी गठबंधन की गंदी राजनीति की पोल खुल गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के भाषण का वीडियो साझा कर उनकी तारीफ की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, यह भाषण मेरे युवा और ऊर्जावान सहयोगी अनुराग ठाकुर का है, जिसे अवश्य सुनना चाहिए। यह तथ्यों से समाहित है। यह इंडी गठबंधन की गंदी राजनीति की पोल खोलता है। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर का प्रतिनिधित्व करने वाले ठाकुर मंगलवार को लोकसभा में बजट पर चर्चा के दौरान बोल रहे थे। उन्होंने कांग्रेस और आपातकाल का जिक्र करते हुए राहुल गांधी की जमकर आलोचना की। इसी दौरान उन्होंने कहा कि जिनको जाति नहीं पता है वो जाति जनगणना की बात कर रहे हैं। इस पर निचली सदन में जमकर बवाल हुआ।

कमला हैरिस ने ट्रंप को दी बहस की खुली चुनौती

कहा- आप जो कुछ कहना चाहते हैं मेरे मुंह पर कहिए

वाशिंगटन। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेट्स की तरफ से कमला हैरिस मैदान में हैं। एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। अब भारतवंशी उपराष्ट्रपति हैरिस ने पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को बहस करने की चुनौती दी है। उन्होंने कहा, आप जो कुछ भी कहना चाहते हैं मेरे मुंह पर कहिए। 59 साल की कमला हैरिस ने मंगलवार को जॉर्जिया के अटलांटा शहर में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनके मैदान में उतरने के बाद राष्ट्रपति चुनाव की हवाओं का रुख बदल गया है। बता दें, राष्ट्रपति जो बाइडन के चुनावी दौड़ से पीछे हटने के फैसले के बाद हैरिस ने 20 जुलाई को आधिकारिक तौर पर अपनी उम्मीदवारी का एलान किया था। भारतवंशी नेता ने कहा, इस चुनावी दौड़ की हवा बदल रही है। ऐसे संकेत मिले हैं कि इसे डोनाल्ड ट्रंप भी महसूस कर पा रहे हैं। अगर आपने गौर किया हो तो पिछले हफ्ते आपने देखा होगा कि उन्होंने सितंबर में होने वाली बहस से बाहर रहने का फैसला लिया है, जबकि वह पहले इस पर सहमत हुए थे।

मेरे मुंह पर कहिए

उन्होंने रैली में कहा, खैर डोनाल्ड ट्रंप, मैं उम्मीद करती हूं कि आप बहस के मंच पर मुझसे मिलने का फिर से विचार करेंगे। जैसा कि कहा जाता है कि अगर आपको कुछ कहना है तो मेरे मुंह पर कहिए। हालांकि, मजेदार बात यह है कि वह बहस नहीं करेंगे। मगर ऐसा लगता है कि वह और उनके साथी उम्मीदवार (जेडी वैंस) मेरे बारे में बहुत कुछ कहना चाहते हैं। हैरिस की टीम की माने तो अटलांटा में हुई उनकी रैली में लगभग 10 हजार लोगों ने भाग लिया। इस दौरान उपराष्ट्रपति ने कहा कि व्हाइट हाउस का रास्ता इस राज्य से होकर गुजरता है और आप सभी ने साल 2020 में हमारी जीतने में मदद की और हम इसे 2024 में फिर से जीतने जा रहे हैं। हां, हम जीतेंगे।

हैरिस ने कहा कि यह प्रचार अभियान सिर्फ उनके और ट्रंप के बारे में नहीं है। वास्तव में, यह अभियान हमारे देश के लिए दो अलग-अलग दृष्टिकोणों के बारे में है। एक भविष्य पर केंद्रित है। दूसरे का अतीत पर ध्यान केंद्रित है। उन्होंने कहा, हम पीछे नहीं हटेंगे क्योंकि हमारी लड़ाई भविष्य के लिए है। यह आजादी की लड़ाई है। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेट्स की तरफ से कमला हैरिस मैदान में हैं। इस बीच, हैरिस इकलौती उम्मीदवार के तौर पर उभरी हैं, जो कि पार्टी के प्रतिनिधियों के वोट हासिल करने के योग्य हैं। दरअसल, पूरे अमेरिका में डेमोक्रेट पार्टी के 3923 प्रतिनिधियों ने डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के तौर पर नामांकन भरने के लिए कमला हैरिस का समर्थन किया था। यानी हैरिस को कुल 99 फीसदी डेमोक्रेटिक प्रतिनिधियों का समर्थन मिला है।

धोनी को अपना आदर्श मानने वाले स्वप्निल ने पेरिस में मचाया धमाल

फाइनल में कांस्य पदक जीतकर रचा इतिहास

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने गुरुवार को पेरिस ओलंपिक में कमाल करते हुए 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन के फाइनल में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। कुसाले ने 451.4 का कुल स्कोर किया और तीसरे स्थान पर रहते हुए देश को एक और पदक दिला दिया। यह पहली बार है जब भारत को इस स्पर्धा में ओलंपिक पदक मिला है। इसके साथ ही भारत को अब तक तीनों पदक निशानेबाजी में ही मिले हैं जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। पेरिस खेलों में धमाल मचाने वाले स्वप्निल ने बताया था कि वह पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को अपना आदर्श मानते हैं और उन्हीं की तरह रेलवे में टिकट कलेक्टर हैं। स्वप्निल क्वालिफिकेशन राउंड में 590 के स्कोर के साथ सातवें स्थान पर रहे थे, लेकिन फाइनल में उन्होंने दमदार प्रदर्शन किया और कांस्य पदक जीतने में सफल रहे। इस स्पर्धा में तीन पोजिशन में शूटर्स को निशाना लगाना होता है। इनमें नीलिंग यानी झुककर/बैठकर, लेट कर और खड़े

होकर निशाना लगाना होता है। स्वप्निल बताते हैं कि उन्हें किसी भी परिस्थिति में खुद को शांत रखने की प्रेरणा धोनी से मिली है। महाराष्ट्र के कोल्हापुर के कंबलवाड़ी गांव के रहने वाले 29 वर्ष के कुसाले 2012 से अंतरराष्ट्रीय स्पधाओं में खेल रहे हैं लेकिन ओलंपिक पदार्पण के लिए उन्हें 12 साल इंतजार करना पड़ा। इस दौरान उन्होंने खुद को शांत रखने के लिए धोनी की कहानी पर बनी फिल्म कई बार देखी। कुसाले ने बताया कि वह भी धोनी की तरह टिकट कलेक्टर हैं। उन्होंने कहा, मैं निशानेबाजी में किसी खास खिलाड़ी से मार्गदर्शन नहीं लेता, लेकिन अन्य खेलों में धोनी मेरे पसंदीदा हैं। मेरे खेल में भी शांतचित रहने की जरूरत है और वह भी मैदान पर हमेशा शांत रहते थे। वह भी कभी टीसी थे और मैं भी हूं। मनु को देखकर मिला आत्मविश्वास कुसाले 2015 से मध्य रेलवे में काम करते हैं। उनके पिता और भाई जिला स्कूल में शिक्षक हैं और मां गांव की सरपंच हैं। उन्होंने अपने प्रदर्शन पर कहा , अभी तक अनुभव बहुत अच्छा रहा है। मुझे निशानेबाजी पसंद है और मुझे खुशी है कि इतने लंबे समय से कर पा रहा हूं। मनु भाकर को देखकर आत्मविश्वास आया है। वह जीत सकती है तो हम भी जीत सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्वप्निल को दी बधाई, कहा- आपको पदक जीतता देख हर भारतीय खुश

पेरिस। पेरिस ओलंपिक 2024 का आज छठा दिन है। फिलहाल शूटर स्वप्निल कुसाले एक्शन में हैं। भारत ने अब तक दो पदक जीते हैं। मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य जीता था। वहीं, मनु ने सरबजोत के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित स्पर्धा में भी कांस्या अपने नाम किया था। भारत को ओलंपिक में पहला व्यक्तिगत स्वर्ण जिताने वाले अभिनव बिंद्रा ने लिखा- पेरिस ओलंपिक में निशानेबाजी में स्वप्निल की ऐतिहासिक कांस्य पदक जीत से बेहद रोमांचित हूं! आपकी कड़ी मेहनत, धैर्य और जुनून वास्तव में सफल रहा है। उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करना और निशानेबाजी में पदक जीतना आपके समर्पण और प्रतिभा का प्रमाण है। आपने भारत को इतना गौरवान्वित किया है और सभी को दिखाया है कि सपनों का पीछा करना क्या होता है। पेरिस 2024 ओलंपिक एक अविश्वसनीय आयोजन रहा है और आपकी उपलब्धि इसके अविस्मरणीय क्षणों को जोड़ती है। भविष्य में आप कई और पदक जीतें और सदैव चमकते रहें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में कांस्य पदक जीतने वाले स्वप्निल को बधाई दी है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा- स्वप्निल कुसाले का असाधारण प्रदर्शन! पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में कांस्य पदक जीतने के लिए आपको बधाई।

प्रणय को हराकर लक्ष्य क्वार्टर फाइनल में

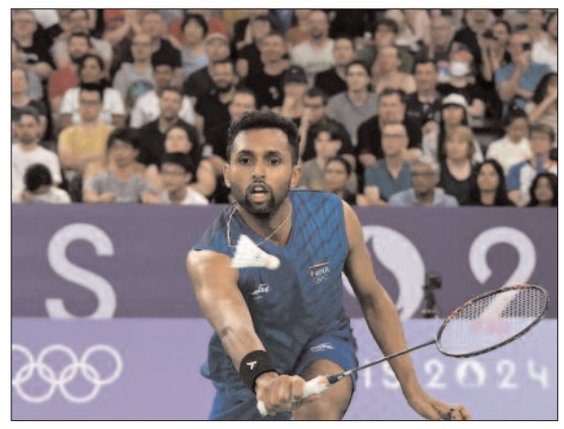

पेरिस। लक्ष्य सेन ने पेरिस ओलंपिक की बैडमिंटन पुरुष एकल स्पर्धा के प्री क्वार्टर फाइनल में बृहस्पतिवार को यहां हमवतन भारतीय एचएस प्रणय को एकतरफा मुकाबले में सीधे गेम में हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और दुनिया के 24वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने 39 मिनट चले अंतिम 16 के मुकाबले में 30वें नंबर के खिलाड़ी प्रणय को 21-12, 21-6 से शिकस्त दी। लक्ष्य की प्रणय के खिलाफ आठ मैच में यह पांचवीं जीत है। क्वार्टर फाइनल में हालांकि लक्ष्य की राह आसान नहीं होगी। गैर वरीय लक्ष्य अंतिम आठ में 12वें वरीय और दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी चीनी ताइपे के चाउ टिएन चेन से भिड़ेंगे जिन्होंने जापान के पांचवें वरीय कोडाई नाराओका को 21-12, 21-16 से हराया।

प्रणय के खिलाफ लक्ष्य शुरूआत से ही शानदार लय में नजर आए। प्रणय मैच के दौरान बिल्कुल भी लय में नहीं दिए और उन्हें प्रत्येक अंक जुटाने के लिए काफी जूझना पड़ा। वह पूरे मुकाबले के दौरान कभी भी लक्ष्य को चुनौती पेश करने की स्थिति में नहीं दिखे। लक्ष्य ने शानदार स्मैश लगाए जबकि नेट पर भी शानदार खेल दिखाया। बाइस साल के लक्ष्य ने पहले गेम में अच्छी शुरूआत करते हुए 7-4 की बढ़त बनाई और फिर ब्रेक तक 11-6 की बड़ी बढ़त हासिल करने में सफल रहे। विश्व चैंपियनशिप के पूर्व कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने 32 साल के प्रणय की लगातार गलतियों का फायदा उठाकर बढ़त को 13-6 तक पहुंचाया। उत्तराखंड के अल्मोड़ा के रहने वाले लक्ष्य ने लगातार चार अंक के साथ बढ़त को 18-9 किया। लक्ष्य ने 19-12 के स्कोर पर प्रणय के शॉट वापस लौटाने में नाकाम रहने पर आठ गेम प्वाइंट हासिल किए और फिर विरोधी खिलाड़ी के अगला शॉट बाहर मारने पर पहला गेम 21 मिनट में 21-12 से जीत लिया। दूसरे गेम में लक्ष्य ने पूरी तरह से दबदबा बनाते हुए 6-1 की बढ़त बनाई। प्रणय के पास विरोधी खिलाड़ी के खेल का कोई जवाब नहीं था जिससे लक्ष्य ने ब्रेक तक 11-3 की काफी बड़ी बढ़त बना ली और फिर स्कोर 14-3 किया। लक्ष्य ने बढ़त को 19-5 किया और फिर प्रणय के बाहर शॉट मारने पर 15 मैच प्वाइंट हासिल किए।

पिछले साल लिंग जांच में अयोग्य हुई अल्जीरिया की मुक्केबाज ओलंपिक के पहले दौर में जीतीं

विलेपिंटे (फ्रांस)। अल्जीरिया की मुक्केबाज इमान खेलीफ बृहस्पतिवार को इटली की प्रतिद्वंद्वी एंजेला कारिनी के मुकाबले के महज 46 सेकेंड बाद हटने से पेरिस ओलंपिक का पहले दौर का मुकाबला जीत गईं। खेलीफ को 2023 विश्व चैम्पियनशिप में लिंग जांच में विफल होने के बाद डिस्क्वालीफाई कर दिया गया था जिसके बाद से पेरिस में उनकी मौजूदगी चर्चा बनी हुई है।

कारिनी और खेलीफ के बीच थोड़े ही मुक्के चले थे। लेकिन कारिनी ने मुकाबला छोड दिया जो ओलंपिक मुक्केबाजी में बेहद असामान्य घटना है। कारिनी का हेडगियर दो बार हट गया था जिसके बाद

उन्होंने हटने का फैसला किया। फिर कारिनी ने खेलीफ से हाथ मिलाने से भी इनकार कर दिया और जाने से पहले वह रिंग में ही रो पड़ीं। खेलीफ एमेच्योर मुक्केबाज हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ की 2022 विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता। पिछले साल की विश्व चैम्पियनाशिप में उन्हें स्वर्ण पदक मैच से ठीक पहले डिस्क्वालीफाई घोषित कर दिया था क्योंकि जांच में दावा किया गया कि उनके टेस्टोस्टेरोन का स्तर बढ़ा हुआ था।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंशुमान गायकवाड़ का अंतिम संस्कार किया गया

वडोदरा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंशुमान गायकवाड़ का गुरुवार दोपहर गुजरात के वडोदरा शहर में अंतिम संस्कार किया गया। उनका अंतिम संस्कार कीर्ति मंदिर में किया गया जिसमें उनके परिवार के सदस्य तथा खेल, राजनीति और अन्य क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियां मौजूद थे। भारतीय क्रिकेट से खिलाड़ी, कोच और चयनकर्ता के तौर जुड़े गायकवाड़ का बुधवार रात वडोदरा के एक निजी अस्पताल में रक्त कैंसर से निधन हो गया। अस्पताल से गायकवाड़ की पार्थिव देह को शहर के सेवासी इलाके में उनके निवास पर ले जाया गया। फिर दोपहर कीर्ति मंदिर में दोपहर करीब डेढ़ बजे उनके बेटे शत्रुंजय गायकवाड़ ने अंतिम संस्कार किया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष रोजर बिन्नी, पूर्व विकेटकीपर नयन मोंगिया और किरण मोरे के साथ बड़ौदा क्रिकेट संघ के कई पूर्व और मौजूदा अधिकारी मौजूद थे।वडोदरा भाजपा अध्यक्ष विजय शाह और कांग्रेस प्रवक्ता नरेंद्र रावत भी गायकवाड़ के अंतिम संस्कार में मौजूद थे।

निशानेबाज सरबजोत ने जीत के बाद इंडिया हाउस में डोसा, गोलगप्पे और भेल खाई

पेरिस। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता निशानेबाज सरबजोत सिंह ने इंडिया हाउस पहुंचने पर सबसे पहले कुछ खाने के लिये मांगा जिसके बाद उनके सामने गोल गप्पे, भेल और डोसा परोसे गए। सिंह और मनु भाकर ने मंगलवार को 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में दक्षिण कोरिया को 16-10 से हराकर भारत को ओलंपिक में दूसरा पदक दिलाया। 22 वर्षीय सरबजोत अन्य खिलाड़ियों के साथ इसके तुरंत बाद इंडिया हाउस पहुंचे। 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी में दिलचस्पी रखने वाले भारत के खिलाड़ियों के लिए रिलायंस फाउंडेशन ने यहां आतिथ्य गृह इंडिया हाउस बनाया गया है। इसमें भारतीय वास्तुकला को प्रदर्शित किया गया है, इसमें योग सत्र, बॉलीवुड डांस की

कक्षा और मेंहदी टैटू और ब्लॉक प्रिंटिंग की वर्कशॉप भी होती हैं। यहां पर बिरयानी और मटन करी से लेकर दही चावल तथा मिठाइयों तक भारतीय व्यंजन भी परोसे जाते हैं। रिलायंस फाउंडेशन की अध्यक्ष नीता अंबानी ने पदक विजेताओं का स्वागत किया, जिन्होंने भारतीय ओलंपिक संघ के साथ साझेदारी में इसे बनाया है। फोटो और सेल्फ खिंचवाने के बाद जब पदक विजेताओं से पूछा गया कि उन्हें क्या चाहिए तो वहां हुई बातचीत की जानकारी रखने वाले सूत्र ने कहा कि सरबजोत ने कहा, कृपया मुझे कुछ खाने को दें। फिर कुछ ही मिनट में इंडिया हाउस में खिलाड़ियों के लिए विशेष लाउंज में पूरे दल के लिए पानी पूरी, भेल और डोसा था अन्य मशहूर भारतीय स्नैक्स परोसे गए। ओलंपिक गांव में खिलाड़ी क्रोइसों और बगेट और अन्य विकल्पों को खाकर थक चुके खिलाड़ी घर का खाना देखकर खुश हो गये। खेल गांव के कमरों में एयर कंडिशनर की सुविधा नहीं है क्योंकि पेरिस ओलंपिक के आयोजकों ने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए एसी नहीं लगाने का फैसला किया। पर इंडिया हाउस में ये सब मौजूद था। इंडिया हाउस में लंदन के स्टोक पार्क (अंबानी परिवार के की सात सितारा संपत्ति) और भारत के बावर्ची अलग अलग तरह के व्यंजन बनाते हैं।

अब टी20 विश्व कप जीत से आगे बढ़ने का समय आ गया, आगे के बारे में सोचना होगा: रोहित शर्मा

कोलंबो। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि अब टी20 विश्व कप जीत की खुशी से आगे बढ़ने का समय आ गया है और अब वह नये मुख्य कोच गौतम गंभीर के मार्गदर्शन में चुनौतियों भरी श्रृंखलाओं में सफलता जारी रखने की उम्मीद लगाये हैं। रोहित की टीम ने श्रीलंका के खिलाफ सफेद गेंद की श्रृंखला में गंभीर के मार्गदर्शन में इस सत्र में नयी यात्रा शुरू की है जिसमें कुछ शीर्ष स्तर के टूर्नामेंट खेले जाने हैं और इसमें अगले साल के शुरू होने वाली चैम्पियंस ट्राफी भी शामिल है। रोहित ने श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे की पूर्व संध्या पर कहा, मैंने क्रिकेट से दूर अच्छा समय बिताया। विश्व कप जीतने के बाद घर वापस आना एक शानदार अहसास था जिसमें दिल्ली और मुंबई में अनुभव अद्भुत रहा। लेकिन अब हमें आगे बढ़ना होगा क्योंकि क्रिकेट आगे बढ़ता है। रोहित ने विश्व कप जीत के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था। उन्होंने कहा, हमने बीते समय में जो कुछ भी प्रदर्शन किया है, वो उस विशेष समय के लिए अच्छा था। लेकिन समय आगे बढ़ता रहता है और हमें भी आगे बढ़ते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले साल घरेलू मैदान पर 50 ओवर के विश्व कप में आस्ट्रेलिया से मिली हार के बाद भी टीम ने यही

तरीका अपनाया था। रोहित ने कहा, 2023 विश्व कप के बाद भी यही हुआ था। हमें तब बहुत निराशा हुई थी लेकिन हमें आगे बढ़ना था और विश्व कप का इंतजार करना था। अब जब टी20 विश्व कप खत्म हो गया है तो हमें एक टीम के रूप में यह सोचना होगा कि हमारे आगे क्या है। एक बड़ा टूर्नामेंट आने वाला है।भारतीय कप्तान ने माना कि गंभीर का कोचिंग का तरीका उनके पूर्ववर्तियों से अलग होगा। उन्होंने कहा, गौतम गंभीर ने बहुत क्रिकेट खेला है और वह फ्रेंचाइजी क्रिकेट से जुड़े रहे हैं। निश्चित रूप से पिछले सहयोगी स्टाफ से यह अलग होगा। राहुल द्रविड़ के कोच बनने से पहले रवि शास्त्री थे। हर व्यक्ति अलग तरह से काम करता है। रोहित ने कहा, मैं गंभीर को बहुत लंबे समय से जानता हूं और हमने साथ में थोड़ा बहुत क्रिकेट खेला है। वह बहुत स्पष्ट है और वह जानते हैं कि वह टीम से क्या चाहते हैं।

रोहित ने कहा, पंत और राहुल में से किसी एक को विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर चुनना मुश्किल

कोलंबो। कप्तान रोहित शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि वनडे में भारत के विकेटकीपर बल्लेबाजी स्थान के लिए केएल राहुल और ऋषभ पंत में से किसी एक को चुनना काफी मुश्किल फैसला है क्योंकि दोनों खिलाड़ी अपने तरीके से मैच विजेता हैं। पंत ने अमेरिका में टी20 विश्व कप के दौरान भारतीय टीम में वापसी की जबकि राहुल शुक्रवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ पहले मैच में इस साल जनवरी के बाद पहला वनडे मैच खेलने पर नजर लगाये होंगे। रोहित ने यहां मैच से पूर्व संध्या पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा, यह (राहुल और पंत में से किसी एक को विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर चुनना) मुश्किल फैसला है। दोनों ही बेहतरीन खिलाड़ी हैं और आप दोनों की काबिलियत को जानते हैं। वे अपने-अपने तरीके से मैच विजेता हैं। उन्होंने बीते समय में हमारे लिए कई मैच जीते हैं।

ओलंपिक में 20 किमी पैदल चाल में भारतीय खिलाड़ियों का निराशाजनक प्रदर्शन

पेरिस। भारतीय खिलाड़ियों का गुरुवार को यहां पेरिस ओलंपिक खेलों की पुरुष और महिला दोनों वर्ग की 20 किलोमीटर पैदल चाल में निराशाजनक प्रदर्शन रहा। पुरुष वर्ग में विकास सिंह और परमजीत सिंह जहां क्रमशः 30वें और 37वें स्थान पर रहे, वहीं राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अक्षदीप सिंह छह किमी के बाद हट गए। महिला वर्ग में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारक प्रियंका गोस्वामी 41वें स्थान पर रही। उन्होंने एक घंटा 39 मिनट और 55 सेकंड का समय निकाला जो उनके इस सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन एक घंटा 29 मिनट 48 सेकंड से काफी खराब प्रदर्शन है। प्रियंका का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन एक घंटा 28 मिनट और 45 सेकंड है। वह इस साल के शुरू से ही ऑस्ट्रेलिया में अभ्यास कर रही थी लेकिन ओलंपिक में वह केवल दो खिलाड़ियों से ही आगे रही। चीन की एशियाई खेलों की मौजूदा चैंपियन यांग जियायू ने 1:25.54 के समय

के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि स्पेन की विश्व चैंपियन मारिया पेरेज (1:26:19) और ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता जेमिमा मोंटेग (1:26:25) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता। पुरुष वर्ग में इक्वाडोर के ब्रायन डैनियल पिंटाडो ने एक घंटा 18 मिनट और 55 सेकंड में रेस पूरी करके स्वर्ण पदक जीता। उनकी तुलना में भारतीय खिलाड़ी काफी पीछे रहे। विकास ने एक घंटा 22 मिनट और 36 सेकंड का समय लिया, जबकि परमजीत ने 1:23:48 सेकंड में फिनिश लाइन पार की। ब्राजील के काइओ बोनफिम (1:19:09) और मौजूदा विश्व चैंपियन स्पेन के अल्वारो मार्टिन (1:19:11) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते, जबकि तोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता इटली के मासिमो स्टैनो (1:19:12) चौथे स्थान पर रहे। ओलंपिक में पुरुषों की 20 किलोमीटर पैदल चाल में भारत की तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन केटी इरफान ने 2012 में लंदन ओलंपिक खेलों ने किया था।

अब राज्य सीधे एफसीआई से 2,800 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर चावल खरीद सकेंगे : जोशी

नई दिल्ली। केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगर राज्यों को अपनी कल्याणकारी योजनाओं के लिए चावल की जरूरत है तो वे ई-नीलामी में भाग लिए बिना भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) से 2,800 रुपये प्रति क्विंटल की दर से सीधे चावल खरीद सकते हैं। पिछले साल केंद्र ने खराब मानसून के मद्देनजर कम उत्पादन की आशंकाओं के कारण राज्यों को चावल उपलब्ध नहीं कराया था। कर्नाटक ने पिछले साल अपनी कल्याणकारी योजना के लिए चावल की मांग की थी, लेकिन उसके अनुरोध खारिज कर दिया गया था। जून, 2023 में केंद्र ने मुक्त बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) के तहत केंद्रीय पूल से राज्य सरकारों को चावल और गेहूं की बिक्री बंद कर दी थी। यहां एक संवाददाता सम्मेलन में जोशी ने कहा, राज्य सीधे केंद्रीय पूल से 2,800 रुपये प्रति क्विंटल की दर से चावल खरीद सकते हैं। उन्हें ई-नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि अभी तक किसी भी राज्य की ओर से कोई मांग नहीं आई है। सरकारी बयान के अनुसार, राज्य एक अगस्त, 2024 से ई-नीलामी में भाग लिए बिना मुक्त बाजार बिक्री योजना (घरेलू) के तहत भारतीय खाद्य निगम से चावल खरीद सकते हैं। नए खरीद सत्र की

शुरूआत से पहले स्टॉक के भारी अधिशेष को कम करने के लिए यह निर्णय लिया गया है। जोशी ने कहा कि भारत ब्रांड के तहत आटा और चावल की बिक्री जो 30 जून, 2024 तक चलने वाली थी, वह जारी रहेगी। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र ने एक जनवरी, 2024 से पांच साल के लिए लगभग 81.35 करोड़ लाभार्थियों (अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) परिवारों और प्राथमिकता वाले परिवारों (पीएचएच) लाभार्थियों) को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराना जारी रखने का फैसला किया है, जिसका अनुमानित वित्तीय खर्च 11.80 लाख करोड़ रुपये है, जिसे पूरी तरह से केंद्र सरकार वहन करेगी।

बाजार की तेजी के बावजूद निवेशकों को 74 हजार करोड़ का घाटा

सेंसेक्स ने पहली बार 82 हजार और निफ्टी ने 25 हजार के स्तर को पार किया

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज मजबूती का नया रिकॉर्ड बनाने के बाद मुनाफा वसूली का शिकार हो गया। आज के कारोबार में सेंसेक्स पहली बार 82 हजार अंक और निफ्टी 25 हजार अंक के स्तर को पार करने में सफल रहे। आज के कारोबार की शुरूआत ऑल टाइम हाई ओपनिंग के नए रिकॉर्ड के साथ हुई। शुरूआती कारोबार में ही शेयर बाजार और ऊपर चढ़ कर मजबूती के नए शिखर पर पहुंच गया। लेकिन इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से शेयर बाजार में गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.15 प्रतिशत और निफ्टी 0.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान मेटल, पावर, ऑयल एंड गैस, एनर्जी और यूटिलिटी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। दूसरी ओर कैपिटल गुड्स, आईटी,

मीडिया, पीएसयू बैंक, ऑटोमोबाइल, रियल्टी, टेलीकॉम और कंज्यूमर ड्युरेबल्स सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.80 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.70 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार के बेंचमार्क इंडेक्स में तेजी आने के बावजूद आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई जोरदार बिकवाली के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 74 हजार करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 461.64 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 462.38 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 74 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,048 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई।

इनमें 1,577 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,383 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 88 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,372 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 784 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,588 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 28 शेयर हरे निशान में और 22 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज ऑल टाइम हाई ओपनिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 208.34 अंक की तेजी के साथ 81,949.68 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर थोड़ी ही देर में ये सूचकांक 388.15 अंक की मजबूती के साथ 82 हजार अंक के स्तर को पार करते हुए अभी तक के सर्वोच्च स्तर 82,129.49 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आने लगी। दोपहर 2 बजे के थोड़ी देर बाद बिकवाली के दबाव की वजह से ये सूचकांक 41.13 अंक की कमजोरी के साथ लाल निशान में 81,700.21 अंक तक गिर गया।

उज्ज्वल भविष्य के लिए एलआईसी में आजमाए हाथ

भारत में युवाओं की प्रतिभा में कोई कमी नहीं है। यही वजह है कि देश के युवा हर क्षेत्र में अग्रणीय हैं। युवा विभिन्न क्षेत्रों में अपने भविष्य की तलाश में जुटे रहते हैं। युवाओं का रुझान अब बीमा क्षेत्रों में भी काफी बढ़ा है। यही वजह है कि भारतीय जीवन बीमा निगम में एजेंट के रूप में योग्य युवाओं को देखा जा रहा है।

भारत में युवाओं की प्रतिभा में कोई कमी नहीं है। यही वजह है कि देश के युवा हर क्षेत्र में अग्रणीय हैं। युवा विभिन्न क्षेत्रों में अपने भविष्य की तलाश में जुटे रहते हैं। युवाओं का रुझान अब बीमा क्षेत्रों में भी काफी बढ़ा है। यही वजह है कि भारतीय जीवन बीमा निगम में एजेंट के रूप में योग्य युवाओं को देखा जा रहा है। देशवासियों की भरोसेमंद भारतीय जीवन बीमा के एजेंट बिना अधिक परिश्रम किए अपने भविष्य को उज्ज्वल बना रहे हैं। बताते चलें कि देशभर में एलआईसी के आठ आंचलिक कार्यालय, 113 मंडल कार्यालय, 2048 शाखा कार्यालय और 1275 सेटेलाइट कार्यालय हैं। एलआईसी की शक्ति उसके 1.16 लाख से भी ज्यादा कर्मचारी और 1.2 मिलयन से भी ज्यादा एजेंट हैं। जीवन बीमा कंपनी के लिए पॉलिसी अंतिम उत्पाद होती है, लेकिन उसको बेचने के लिए एलआईसी विभिन्न वितरण चैनलों जैसे व्यक्तिगत एजेंट, ब्रोकर और कार्पोरेट एजेंटों की मदद लेती है।

आपको अवगत होगा कि कुछ ही उद्योग हैं, जो बेरोजगारों या अनुभवहीन लोगों को काम के पहले ही दिन से असीमित आय अर्जित करने का अवसर देते हैं। एलआईसी के साथ एजेंसी भी एक ऐसा ही व्यवसाय है। काम के लचीले घंटों और बतौर व्यापार अपनी खुद की एजेंसी चलाने का कार्य ऐसे व्यक्तियों के लिए उपयुक्त है जो उद्यमी स्वभाव के होते हैं। यदि आपमें कुछ कर गुजरने का जज्बा है और मेहनत की ललक है तो ये व्यवसाय आपके सपनों को साकार कर सकता है। भारतीय जीवन बीमा से जुड़कर अपने जीवन स्तर को अपनी इच्छाओं के अनुरूप बहुत ऊंचे स्तर पर ले जा सकते हैं।

एलआईसी एजेंट बनाने के लिए 12वीं पास/10वीं पास और18 वर्ष या उससे अधिक उम्र वाले सभी लोग आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने के लिए आप एलआईसी शाखा कार्यालय में जाकर देव ऑफिसर/सी एल आई ए से या फिर शाखा प्रबंधक से संपर्क कर सकते हैं। एलआईसी द्वारा 50 घंटो का

प्रशिक्षण दिया जाता है। इसमें जीवन बीमा व्यवसाय से संबंधित सभी पहलुओं की जानकारी दी जाती है। प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा कर लेने के बाद आईआरडीए द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्री-लाइसेंसिंग परीक्षा सफलता पूर्वक पूरी करनी होती है। इसके बाद आईआरडीए आपको बतौर बीमा एजेंट काम करने का लाइसेंस दे देगी। आप शाखा कार्यालय द्वारा बतौर एजेंट नियुक्त होंगे और अपने देव ऑफिसर/सीएलआईए के तहत टीम का हिस्सा होंगे। देव ऑफिसर/सीएल आईए आपको क्षेत्र-प्रशिक्षण और अन्य महत्वपूर्ण बातों की जानकारी देते हैं। एक सफल एजेंट दी गई जानकारी को बड़ी गंभीरता से लेते हैं और उसे अपने व्यापार के भांति ही चलाते हैं। बीमा एजेंट बनने के बाद वे अपना कीमती समय और कौशल का बेहतर इस्तेमाल करते हैं,अपने ग्राहक की बातें सुनते हैं। उन्हें सबसे अच्छा प्लान सुझाते हैं। बीमा एजेंट को आत्मविश्वासी, अनुशासित और परिश्रमी होना चाहिए।एलआईसी में शामिल होकर आप देश की सबसे बेहतरीन जीवन बीमा निगम की एजेंट टीम का हिस्सा होते हैं। पिछले वर्ष एलआईसी के लगभग पांच हजार एजेंटों ने मिलकर सबसे सफल बीमा एजेंटों का अभिनंदन करने वाले एक वैश्विकफोरम ने एमडीआरटी यूएसए की अहर्ता प्राप्त की थी। विश्व के सबसे सफल बीमा एजेंटों का अभिनंदन करने वाले फोरम में एलआईसी ऑफ इंडिया ने पांच हजार से भी ज्यादा सदस्यों का योगदान दिया है। एलआईसी देश का सबसे भरोसेमंद बीमा ब्रांड है। एक एजेंट के रूप में आप सच्चे उद्यमी हो जाते हैं। आप के पास खुद का ग्राहक चुनने और खुद का पैसा बनाने की आजादी होती है और वह भी बिना किसी पूंजी निवेश किये। एलआईसी आपकी वर्तमान आय का ख्याल रखती है और भविष्य की आमदनी की गारंटी भी देती है।

कंप्यूटर प्रोग्रामिंग में बनाए करियर

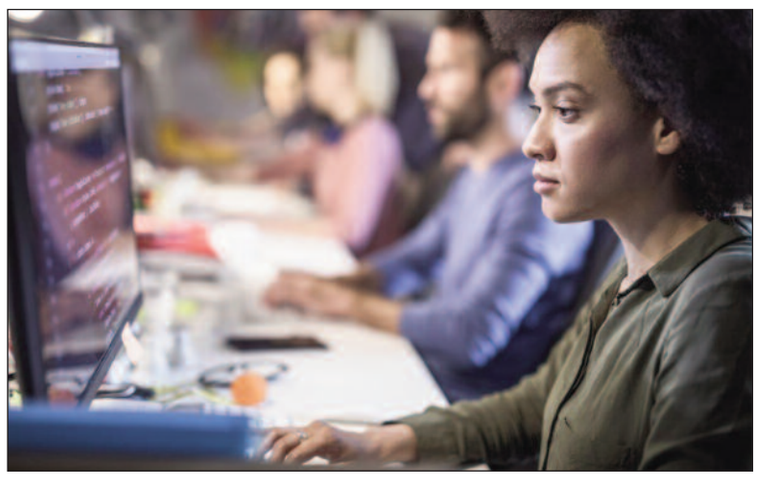

वैसे तो आजकल कंप्यूटर की डिमांड हर सेक्टर में है। खासकर भारतीय युवाओं में विशिष्ट कम्प्यूटर दक्षता के कारण भारत का महत्व पूरी दुनिया में तेजी से बढ़ा है। कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर में भारत पूरी दुनिया में पहले क्रम पर है। अब कंप्यूटर मात्र लिखने के बजाय बहुत से काम में इस्तेमाल होने लगा है। ऐसे सभी विद्यार्थी जो कम्प्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अच्छा करियर बनाना चाहते हैं, उन्हें चाहिए कि वे गणित, विज्ञान व अंगरेजी की पढ़ाई करें और इन विषयों में दक्षता प्राप्त करें। आइए इसी सिलसिले में आगे जानते हैं कंप्यूटर के क्षेत्र में शामिल कुछ और कोर्सेस के बारे में कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग में करियर बनाने के इच्छुक युवा दो प्रकार की पढ़ाई द्वारा इस क्षेत्र में आ सकते हैंः कम्प्यूटर में तकनीकी डिग्री प्राप्त करके, या फिर कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग में डिप्लोमा करके। प्रोग्रामिंग में इस्तेमाल की जाने वाली विभिन्न भाषाओं की जानकारी वैसे तो कम्प्यूटर इंजीनियरिंग करने वाले हर विद्यार्थी को प्रदान की जाती है, मगर यदि आप चाहें, तो इसमें अलग से डिप्लोमा कोर्स करके विशिष्टता प्राप्त कर सकते हैं। कम्प्यूटर प्रोग्रामर को इसके अलावा घंटों कड़ी मेहनत, अच्छा शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य, तर्कशील सोच, सकारात्मक रुख, निरंतर पढ़ने की ललक होनी चाहिए। कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग का कोर्स करने वाले विद्यार्थियों के लिए जॉब के अनेक अवसर हैं। कोर्स के उपरांत वे कम्प्यूटर प्रोग्रामर, कप्यूटर टीचर, लेक्चरार, सॉफ्टवेयर इंजीनियर आदि बन सकते हैं। वे अपना कोचिंग सेंटर भी खोल सकते हैं।

हार्डवेयर, रिपेयरिंग व नेटवर्किंग

कम्प्यूटर का उपयोग हर क्षेत्र में बढ़ता जा रहा है। इस कारण कम्प्यूटर हार्डवेयर व नेटवर्किंग के क्षेत्र में रोजगार की असीमित संभावनाएं हैं। कम्प्यूटर के कई महत्वपूर्ण भागों को सुधारने के लिए कुशल कम्प्यूटर हार्डवेयर इंजीनियरों की जरूरत हमेशा बनी रहती है। हार्डवेयर व नेटवर्किंग के साथ रिपेयरिंग भी सीखना उपयोगी है। हार्डवेयर, रिपेयरिंग व नेटवर्किंग इंजीनियरिंग क्षेत्र में रोजगार की ढेरों संभावनाएं हैं। ज्योतिषशास्त्र में पैकेज कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर इंजीनियरों द्वारा तैयार किया गया है, जिसका प्रयोग कम्प्यूटर में करने से जन्म-पत्रिका बनाने में आसानी हो गई है। यह बिजनेस करना भी फायदे का सौदा है।

वेब मार्केटिंग में हैं करियर के सुनहरे अवसर

वेब मार्केटिंग अपनाकर कोई भी कंपनी अपने आप को काफी आगे रख सकती है। भविष्य वेब मार्केटिंग का है इस बात में किसी भी प्रकार की शंका नहीं है। इस क्षेत्र में इनोवेशन का काफी ज्यादा महत्व है अगर आप कुछ नया करना चाहते हैं और आपमें कुछ अलग बात है तब यह क्षेत्र आपके लिए ही है।

मार्केटिंग का क्षेत्र अपने आप में काफी विस्तृत है तथा इसके कई आयाम हैं। किसी भी कंपनी के लिए मार्केटिंग सबसे महत्वपूर्ण विभाग होता है जिसके माध्यम से उत्पादों की बिक्री सहजता से हो पाती है बल्कि यह एक ऐसा विषय है जो काफी इनोवेटिव है। मार्केटिंग आपसे जोश, जुनून और लगातार कुछ नए की मांग करता है और जो इसके लिए तैयार होता है वह काफी तेजी से आगे भी बढ़ता है। इंटरनेट का उपयोग काफी तेजी से बढ़ रहा है और खासतौर पर भारत में यह अपना फैलाव ज्यादा ही तेजी से कर रहा है। सोशल वेबसाइट्स से लेकर ई कॉमर्स की वेबसाइट्स बढ़ रही है और आम जनता खासतौर पर मेट्रो और नॉन मेट्रो दोनों शहरों में इंटरनेट के माध्यम से ई पेमेंट आदि का प्रचलन बढ़ रहा है। इसका साफ कारण है कि इंटरनेट पर लोग अपनी सुविधा अनुसार कोई भी उत्पाद खरीदना चाहते हैं ऐसे में उन तक सही समय पर और सही जानकारी लेकर पहुंचना ही वेब मार्केटिंग का मूल है।

वेब मार्केटिंग मूलतः पारंपरिक मार्केटिंग का ही इंटरनेट रूप है। आमतौर पर मार्केटिंग से जुड़े अवयव जैसे प्रोडक्ट, पैकेजिंग, मूल्य, प्रोमोशन और प्लेस आदि का ही कम्प्यूटर आधारित रूप ही वेब मार्केटिंग में होता है। मार्केटिंग का कार्य अंततः किसी उत्पाद को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना ही होता है इस दिशा में वेब मार्केटिंग इंटरनेट का इस्तेमाल एक औजार की तरह करती है। इंटरनेट पर वेब मार्केटिंग संबंधी साइटें अपनी सहयोगी वेबसाइटों के साथ लिंक और विज्ञापनों के जरिए व्यवसाय करती हैं। इन सहयोगी वेबसाइटों को ग्राहकों को वेबसाइट के जरिए खरीद-फरोख्त करने या उन तक लाने के लिए आर्थिक लाभ होता है। यह आर्थिक लाभ प्रमुख कंपनी को होने वाले लाभ के एक निश्चित हिस्से के रूप में भी हो सकता है। लिहाजा जिस तरह पारंपरिक मार्केटर अपने लक्ष्य मार्केट को अपने कार्य के केन्द्र में रखता है, वहीं वेब मार्केटिंग में ग्राहकों को अपनी वेबसाइट की ओर आकर्षित करना होता है। ये साइट्स किसी कंपनी, वेब मैग्जीनों या ई-टेल कैटालॉग साइट्स भी हो सकती हैं। प्रकाशन जगत की साइट्स मैग्जीन की तरह सामग्री उपलब्ध कराती हैं तो वहीं कार्पोरेट साइट्स अपने मार्केटिंग लक्ष्यों को केन्द्र में रखती हैं और ई-टेल साइट्स सीधे उत्पादों को ग्राहकों को बेचती हैं। वेब मार्केटिंग से किसी भी कंपनी के बिजनेस मॉडल को सीधा लाभ पहुंचना चाहिए। उदाहरण के लिए कॉर्पोरेट साइट्स ब्लॉग या लेख किसी जरूरी विषय पर पढ़ने को मिलते हैं जिनसे ग्राहक अपने लायक कोई जानकारी हासिल कर सकता है। जिसके बाद वह कंपनी को संपर्क कर सकता है। उत्पाद सीधे बेचने वाली कई ई-टेल और ई-कॉमर्स साइट्स अपने यहां कस्टमर फोरम भी बनाती हैं।

आज के दौर में बेहद डिमांडिंग फील्ड बन गया है एकाउंटिंग, बनाएं अपना करियर

एकाउंटिंग आज के दौर में बेहद डिमांडिंग फील्ड बन गया है। उदारीकरण के दौर में देश में निजी कंपनियों के विस्तार और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के आगमन से सीए, आइसीडब्ल्यूए, सीएस, कंप्यूटर एकाउंटेंसी के एक्सपर्ट्स की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। एकाउंटिंग एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें आपका करियर ग्राफ तेजी से बढ़ता है। वैसे तो ज्यादातर कॉमर्स के स्टूडेंट्स ही एकाउंटिंग के क्षेत्र में जाना चाहते हैं, लेकिन दूसरे स्ट्रीम के स्टूडेंट्स के लिए भी इसके रास्ते खुले हुए हैं। जानते हैं इससे संबंधित कुछ प्रमुख क्षेत्रों और उनमें एंट्री के बारे में।

सीए

सीए का मतलब है चार्टर्ड एकाउंटेंट। चार्टर्ड एकाउंटेंट ऑडिटिंग, टैक्सेशन और एकाउंटिंग में स्पेशलाइजेशन रखता है। सीए प्रोफेशन निरंतर लोकप्रिय होता जा रहा है। यहां तक कि छोटी कंपनियों और कारोबारियों को भी अपने आर्थिक मसलों के प्रबंधन के लिए सीए की जरूरत होती है। भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स की तो अब विदेशों में भी अच्छी मांग है, खासकर पश्चिम एशिया के देशों, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर में। कंपनी अधिनियम के अनुसार भारत में किसी कंपनी में ऑडिटिंग के लिए सिर्फ चार्टर्ड एकाउंटेंट को ही रखा जा सकता है। सीए को चार्टर्ड एकाउंटेंसी का फाइनल एग्जाम पास करने के बाद इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आइसीएआइ) के एसोसिएट के रूप में स्वीकार किया जाता है। आईसीएआइ का मुख्यालय नई दिल्ली में है। इसके पांच क्षेत्रीय कार्यालय कोलकाता, कानपुर, चेन्नई, मुंबई और नई दिल्ली में हैं। चार्टर्ड एकाउंटेंसी के करिकुलम में थ्योरिटिकल एजुकेशन के साथ अनिवार्य प्रैक्टिकल ट्रेनिंग दी जाती है। इस प्रोग्राम को करने के लिए किसी छात्र को बारहवीं या उसके समकक्ष एग्जाम पास होना चाहिए। ऑडिटिंग, कॉमर्शियल लॉ, एकाउंटेंसी के साथ कॉमर्स ग्रेजुएट करने वाले छात्र भी इसे कर सकते हैं। आर्ट्स व साइंस स्ट्रीम के भी स्टूडेंट भी सीए कोर्स कर सकते हैं।

करिकुलम

सीए कोर्स के तीन चरण होते हैं। पहला, कॉमन प्रोफिसिएंसी टेस्ट (सीपीटी) जिसमें चार विषयों एकाउंटिंग, मकेर्टाइल लॉ, जनरल इकोनॉमिक्स और क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड के एंट्री लेवल के टेस्ट होते हैं। दूसरे चरण में इंटीग्रेटेड प्रोफेशनल कॉम्पिटेंस कोर्स (आइपीसीसी) को पूरा करना होता है। यह सीए करिकुलम का पहला ऐसा चरण है जिसमें एकाउंटेंसी प्रोफेशन के कोर एवं अलायड सब्जेक्ट्स के केवल वर्किंग नॉलेज को कवर किया जाता है। तीसरा चरण सीए फाइनल कहा जाता है, जिसके तहत फाइनेंशियल रिपोर्टिंग, स्ट्रेटेजिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट, एडवांस मैनेजमेंट एकाउंटिंग, एडवांस ऑडिटिंग जैसे विषयों के एडवांस एप्लीकेशन नॉलेज को कवर किया जाता है।

आर्टिकलशिप

आइपीसीसी के ग्रुप को पास करने के बाद किसी अनुभवी सीए के पास तीन साल की अवधि के लिए आर्टिकलशिप करनी होती है। इस दौरान स्टाइपेंड भी मिलता है। सीएस सीएस का मतलब है कंपनी सेक्रेटरीशिप। कंपनी सेक्रेटरी ऐसा

प्रोफेशनल कोर्स है, जिसका प्रबंधन द इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आइसीएसआइ) द्वारा किया जाता है। कंपनी अधिनियम के अनुसार जिन कंपनियों की चुकता पूंजी 50 लाख रुपये या उससे ज्यादा है, उन्हें कंपनी सेक्रेटरी रखना जरूरी होता है। कंपनी सेक्रेटरी बनने के लिए किसी कैंडिडेट को अब फाउंडेशन कोर्स, एग्जिक्यूटिव प्रोग्राम और प्रोफेशनल कोर्स पास करना होता है जिन्हें पहले फाउंडेशन एग्जामिनेशन कहा जाता था। इंस्टीट्यूट एक इंटरमीडिएट और फाइनल एग्जाम आयोजित करता है और बाद में कैंडिडेट्स को प्रैक्टिकल ट्रेनिंग करनी पड़ती है। इसके बाद वह कंपनी सेक्रेटरी की

सदस्यता के योग्य माना जाता है। इस प्रोग्राम को करने के लिए कैंडिडेट को बारहवीं या समकक्ष एग्जाम पास होना चाहिए। आइसीडब्ल्यूएआइ या आइसीएआइ का फाइनल एग्जाम पास करने वाले ग्रेजुएट भी इस प्रोग्राम में शामिल हो सकते हैं।

कॉस्ट ऐंड वर्क

किसी कंपनी की बिजनेस पॉलिसी तैयार करते हैं और पुराने एवं मौजूदा वित्तीय प्रदर्शन के आधार पर किसी प्रोजेक्ट के लिए अनुमान जाहिर करते हैं। यह कोर्स करने के लिए छात्र की उम्र कम से कम 17 वर्ष होनी चाहिए और उसे केंद्र या राज्य सरकार के मान्यताप्राप्त बोर्ड से बारहवीं पास होना चाहिए। कंप्यूटर एकाउंटेंसी कंप्यूटर एकाउंटेंसी नए जमाने का एकाउंटिंग कोर्स है। खास बात यह है कि इस कोर्स को करने के लिए कॉमर्स का बैकग्राउंड होना कतई जरूरी नहीं है। दिल्ली के पूसा रोड स्थित आइसीए के डायरेक्टर अनुपम के अनुसार बारहवीं या ग्रेजुएशन पूरा करने के बाद सीआइए प्लस का एडवांस कोर्स करके एकाउंटेंट के रूप में जॉब आसानी से पाई जा सकती है।

हेल्थकेयर में नौकरियां

यदि हाल के वर्षों पर गौर करें, तो भारत आने वाले मेडिकल टूरिस्ट की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है, क्योंकि भारत प्राकृतिक तरीके (आयुर्वेदिक) से इलाज में भी काफी लोकप्रिय हो चुका है। वैसे, जिस तरह से भारतीय हेल्थकेयर सेक्टर विकास कर रहा है, उससे इस क्षेत्र में जॉब की अच्छी संभावनाएं देखी जा रही हैं।

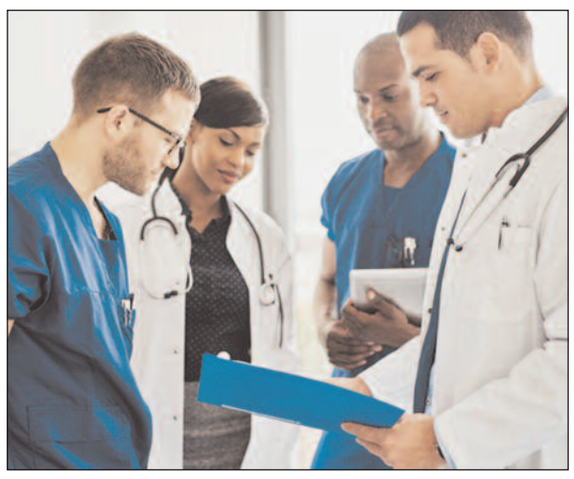

देश की आबादी दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है साथ ही, नई-नई बीमारियां भी। लेकिन एक अच्छी बात यह है कि लोग अब स्वास्थ्य के प्रति काफी सचेत हो गए हैं। इसलिए विपरीत आर्थिक परिस्थितियों में भी लोग कोई रिस्क लेना पसंद नहीं करते हैं। दूसरी तरफ यह सेक्टर तेजी से विकास कर रहे सेक्टर्स में से एक हैं। प्राइसवाटरहाउसकूपर्स के मुताबिक, हेल्थकेयर सेक्टर वर्ष 2012 तक 40 बिलियन डॉलर के आंकड़े को छू सकता है। वहीं प्लानिंग कमीशन की एक रिपोर्ट कहती है कि देश में लगभग 6 लाख डॉक्टर, 10 लाख नर्स और दो लाख डेंटल सर्जन की कमी है। यानी इस सेक्टर में अभी भी हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स की काफी जरूरत है। इसलिए राहत की बात यह है कि जिस सेक्टर में इतनी बड़ी संख्या में प्रोफेशनल्स की जरूरत हो, वहां आप खुद को सुरक्षित महसूस कर ही सकते हैं।

मार्केट की स्थिति

हेल्थकेयर सेक्टर का विकास दर अभी भी काफी आकर्षक बना हुआ है। इस क्षेत्र में सरकार द्वारा हर वर्ष सुविधाओं के लिए बढ़ता बजट निवेश के प्रमुख कारणों में से एक हैं। हालिया अनुमान के मुताबिक, देश में करीब 12 फीसदी प्रति वर्ष की दर से बढ़ रहे हेल्थकेयर बाजार में अगले पांच वर्षों में कम से कम 60 अरब डॉलर निवेश की संभावनाएं हैं। इसके अलावा, हेल्थकेयर बीपीओ का कारोबार भी इस वर्ष के अंत तक 4.5 अरब डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। यह एक ऐसा एरिया है, जहां रोजगार की संभावनाएं बेहतर माने जा रही हैं, क्योंकि 11वीं पंचवर्षीय योजना के तहत 6 एम्स ही तरह इंस्टीट्यूट खोले जाने और मौजूदा 13 मेडिकल इंस्टीट्यूट को अपग्रेड किया जा सकता है। साथ ही, पब्लिक-प्राइवेट साझेदारी के आधार पर 60 नए मेडिकल कॉलेज और 225 नर्सिंग कॉलेज स्थापित किए जा सकते हैं। जब इतने बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास होगा, तो रोजगार के दरवाजे खुलेंगे ही।

हेल्थ इंश्योरेंस

मैकिंजे-सीआईआई रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय हेल्थ इंश्योरेंस के सेक्टर में काफी क्षमता है। क्योंकि भारत में अभी भी तकरीबन 10 प्रतिशत लोगों के पास ही हेल्थ इंश्योरेंस है। लेकिन जिस तरह से लोग अब स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होते दिख रहे हैं, उससे इस क्षेत्र में बेहतरीन संभावनाएं नजर आ रही हैं। इस क्षेत्र में संभावनाओं को देखते हुए ही निजी हेल्थकेयर इंश्योरेंस कंपनियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। एक समय ऐसा भी था, जब भारत दवाइयों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहता था, लेकिन अब स्थिति कुछ अलग है। भारत अब सस्ती दवाई दुनिया भर में निर्यात कर रहा है। इसलिए भारत आज मेडिसिन मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में भी हब बन कर उभर रहा है। क्रिसिल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ड्रग मैन्युफैक्चरिंग मार्केट वर्ष 2010 तक एक बिलियन डॉलर के आंकड़े को छू सकता है।

मेडिकल टूरिज्म

विदेशों में रहने वाले लोगों को भारतीय हेल्थकेयर सेक्टर खूब लुभा रहा है। खासकर मेडिकल टूरिज्म का क्षेत्र काफी हॉट है, क्योंकि भारत में न केवल इलाज सस्ता है, बल्कि हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर भी बेहतरीन है। वैसे, आयुर्वेदिक थेरेपी, नेचुरल थेरेपी आदि प्राकृतिक इलाज भी दूसरे देशों में रहने वाले लोगों को खूब पसंद आ रहा है। मैकिंजे-सीआईआई के अनुसार, मेडिकल टूरिज्म का मार्केट वर्ष 2012 तक 2 बिलियन डॉलर के आंकड़े को छू सकता है। वहीं एक अनुमान के मुताबिक, प्रति वर्ष लगभग एक लाख मेडिकल टूरिस्ट भारत की ओर रुख करते हैं। एक्सपर्ट कहते हैं कि मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र में और वृद्धि हो सकता है, क्योंकि मंदी के इस दौर में सस्ते इलाज के लिए लोग भारत की ओर रुख करेंगे।